हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

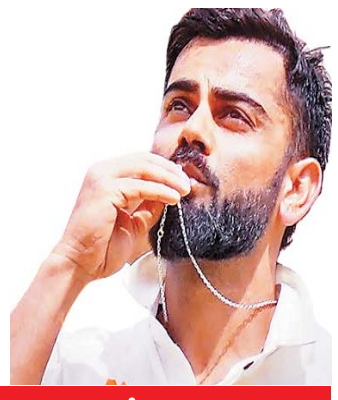

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शुक्रवार | 20 दिसंबर 2024 | वर्ष : 02 | अंक :214 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

धक्काकांड ! राहुल का वीडियो वायरल, घायल सांसद को पीएम ने मिलाया फोन

एजेंसी

नई दिल्ली:संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन में धक्का मुक्की में घायल हुए बीजेपी के सांसद मुकेश राजपूत से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बातचीत की है और उनका हाल चाल जाना है। आपको बता दें कि मुकेश राजपूत दिल्ली के आरएमएल अस्पताल में भर्ती हैं। धक्का मुक्की में उनको चोट लगी है। उन्हें आरएमएल अस्पताल में भर्ती कराया गया। संसद में मारपीट के दौरान घायल हुए भाजपा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे संपर्क किया है। सारंगी को सिर के घाव के लिए टांके लगाने की जरूरत पड़ी, जबकि राजपूत की चोटें अज्ञात हैं। संसद के मकर द्वार पर हुई घटना के बाद दोनों आरएमएल अस्पताल में आईसीयू में हैं, जहां भाजपा ने इंडिया ब्लॉक के सांसदों पर शामिल होने का आरोप लगाया है।संसद भवन में धक्का मुक्की के मामले में राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए बीजेपी के सांसद संसद मार्ग थाने पहुंचे।

बिहार में आई निवेश की बहार, बिजनेस कनेक्ट में एक लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर सहमति

पटना में आयोजित बिहार बिजनेस कनेक्ट के पहले दिन गुरुवार को देश-विदेश के निवेशकों ने राज्य में एक लाख करोड़ रुपये के निवेश की सहमति दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में शुक्रवार को विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि एमओयू पर हस्ताक्षर करेंगे।

एजेंसी

पटना:बिहार बिजनेस कनेक्ट 2024 के जरिए राज्य में निवेश की बहार आ गई है। पटना में आयोजित इस समारोह के पहले दिन राज्य में एक लाख करोड़ रुपये के निवेश पर सहमति बनी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में शुक्रवार को 350 कर्पनियों के इन निवेश प्रस्तावों के समझौते पत्र पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इन कंपनियों ने संबंधित विभागों को लेटर ऑफ इंटेंट (एलओई) दे दिया है। खाद्य प्रसंस्करण, आईटी, विनिर्माण, सीमेंट उद्योग, विवरेज, पर्यटन आदि क्षेत्रों में निवेश करने की इच्छा देश-विदेश के निवेशकों ने जताई है।उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने गुरुवार को कहा कि इस बार एक लाख करोड़ से ज्यादा निवेश प्रस्ताव के एमओयू पर हस्ताक्षर होंगे। पिछले वर्ष 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव पर हस्ताक्षर हुए थे।बिहार बिजनेस कनेक्ट 2024 के तहत निवेशक सम्मेलन का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा और उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने किया।समझौता

ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाली कंपनियों में वे कंपनियां भी शामिल हैं, जिनके औद्योगिक इकाई पहले से राज्य में स्थापित हैं। ऐसी कंपनियां प्रदेश में अपने उद्योग का विस्तार करना चाहती हैं। आईटी सेक्टर की विभिन्न कंपनियों ने 4 हजार करोड़ से अधिक निवेश के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर भी कर दिया है। पर्यटन क्षेत्र के चार प्रस्ताव हैं।निवेशक सम्मेलन के पहले दिन 6 सत्र आयोजित हुए। इस दौरान श्रम, आईटी, ऊर्जा से संबंधित नीतियों की जानकारी निवेशकों को दी गई। शुक्रवार को प्रमुख 80 कंपनियों के साथ राउंड टेबल चर्चा होगी। उसके बाद मुख्यमंत्री की मौजूदगी में एमओयू पर हस्ताक्षर होंगे।बिहार में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र यानी आईटी सेक्टर में 4000 करोड़ रुपये का निवेश आने वाला है। पटना में गुरुवार से शुरू हुए दो दिवसीय बिहार बिजनेस कनेक्ट ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में 40 से अधिक कंपनियों ने आईटी क्षेत्र में निवेश की रुचि दिखाई। बिहार आईटी नीति, 2024 लागू होने के बाद से राज्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की अधिक से अधिक कंपनियां निवेश को लेकर उत्साहित हैं। पटना में आयोजित दो दिवसीय निवेशक सम्मेलन के पहले दिन जय श्री टेक्नोलॉजीज (हेलोवेयर), सुपरसेवा, एक्सेल डॉट, एबीपीएल सहित कई कंपनियों ने आईटी विभाग के साथ सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।वहीं, बिहार के श्रम मंत्री संतोष कुमार सिंह ने बिहार बिजनेस कनेक्ट को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य कुशल और अकुशल कार्मिकों का प्रमुख केंद्र है। बिहार को भारत की श्रमबल की राजधानी माना जाता है। क्योंकि यहां की 60 फीसदी आबादी श्रमिक वर्ग से आती है।उन्होंने दावा किया कि बिहार सरकार ने राज्य के सभी वर्ग के श्रमिकों के कल्याण के लिए कई उपाय किए हैं। साथ ही उद्योगों को बड़े पैमाने पर कुशल और अकुशल श्रमिकों की जरूरत होती है, जो कि यहां बड़े पैमाने पर उपलब्ध हैं। ऐसे में बिहार निवेश के लिए एक अच्छा विकल्प साबित हो सकता है।

दिल्ली की तरह यूपी और हरियाणा भी लगाएं पटाखों पर बैन

एजेंसी

नई दिल्ली:सुप्रीम कोर्ट ने 19 दिसंबर को उत्तर प्रदेश और हरियाणा को राष्ट्रीय राजधानी और उसके पड़ोसी क्षेत्रों में बिगड़ती वायु गुणवत्ता के कारण दिल्ली के समान ही पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लागू करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने आगे कहा कि 19 दिसंबर 2024 के आदेश के तहत दिल्ली में पटाखों की बिक्री पर प्रतिबंध जारी रहेगा और जनवरी 2025 में इसे जारी रखने पर विचार किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने आज दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर सुनवाई की, जिसमें पटाखों पर साल भर के प्रतिबंध, ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 को लागू करने पर चर्चा की गई। अदालत ने एनसीआर क्षेत्र के सभी राज्यों को जीआरएपी 4 से प्रभावित सभी श्रमिकों को गुजारा भत्ता देने का भी निर्देश दिया। राज्य सरकारों को यह पता लगाना चाहिए कि कौन से

सुप्रीम कोर्ट में प्रदूषण पर 15 जनवरी को सुनवाई

कर्मचारी जीआरएपी 4 से प्रभावित हैं। किसी को केवल पोर्टल पर पंजीकरण पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। अगर मजदूरों को गुजारा भत्ता देने के मामले में कोर्ट के निदेर्शों का पालन नहीं किया गया तो हम राज्य सरकारों के खिलाफ कोर्ट की अवमानना ??के तहत कार्रवाई करेंगे. राज्य सरकारें इस मुद्दे पर 5 जनवरी तक जवाब दाखिल करें। सुप्रीम कोर्ट ने एनसीआर राज्यों को पुलिस अधिकारियों, राजस्व अधिकारियों और अन्य विभागों के अधिकारियों की कई टीमें बनाने और उन्हें दिल्ली के प्रवेश बिंदुओं का दौरा करने और जीआरएपी क्र उपायों के अनुपालन की निगरानी करने की जिम्मेदारी सौंपने का निर्देश दिया।

आपको स्थाई डिप्टी सीएम कहा जाता है, अजित पवार से बोले फडणवीस- एक दिन आप सीएम बनेंगे

एजेंसी

महाराष्ट्र:महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने 19 दिसंबर कहा कि वह और उनके डिप्टी अजित पवार और एकनाथ शिंदे 24/7 शिफ्ट में काम करेंगे। अजित पवार सुबह काम करेंगे क्योंकि वह जल्दी उठते हैं।मैं दोपहर 12 बजे से आधी रात तक और पूरी रात ड्यूटी पर रहता हूं। अजित पवार की ओर मुखातिब होते हुए फडणवीस ने विधानसभा में कहा कि आपको 'स्थायी डिप्टी सीएम' कहा जाता है लेकिन मेरी शुभकामनाएं आपके साथ हैं और आप एक दिन सीएम बनेंगे। अजित पवार ने 5 दिसंबर को छठी बार महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम पद की शपथ ली।राकांपा नेता, जो अपनी मुख्यमंत्री पद की महत्वाकांक्षाओं के बारे में मुखर रहे हैं, ने 2023 में शरद पवार द्वारा स्थापित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को विभाजित कर दिया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली महायुति सरकार में शामिल हो गए।पार्टी के नाम और उसके 'घड़ी' चिन्ह के लिए आगामी लड़ाई में, उनके गुट को दोनों मिल गए। उनके चाचा और अनुभवी राजनेता शरद पवार अब महा विकास अघाड़ी के बैनर तले कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) के सहयोगी एनसीपी (एसपी) के प्रमुख हैं। लोकसभा चुनावों में भारी हार के बाद, जिसमें राकांपा को केवल एक सीट मिली,।

अडानी का मुद्दा भटकाने के लिए बीजेपी ने ये सब रचा, धक्का कांड पर राहुल बोले- चलाएंगे अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली:संसद में बढ़ते तनाव के बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को संसद परिसर के भीतर हुई कथित हाथापाई को संबोधित करने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। मीडिया को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला किया, और सत्तारूढ़ पार्टी के सांसदों पर संसद में महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाने के विपक्ष के प्रयासों में जानबूझकर बाधा डालने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि सरकार राष्ट्रीय चिंताओं से जनता का ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के हथकंडे अपना रही है।

विपक्ष के नेता ने सत्तारूढ़ दल पर ऐसी विचारधारा का पालन करने का भी आरोप लगाया जो अंबेडकर विरोधी और संविधान विरोधी' है। राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की हालिया टिप्पणियों का जिक्र करते हुए, गांधी ने भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार डॉ. बीआर अंबेडकर द्वारा निर्धारित सिद्धांतों को "कमजोर" करने के लिए भाजपा की आलोचना की। भाजपा के कार्य और नीतियां मौलिक रूप से समानता, न्याय और लोकतंत्र के उन मूल्यों के विपरीत हैं जिनके लिए अंबेडकर खड़े थे। गांधी ने भाजपा पर संयुक्त राज्य अमेरिका में उद्योगपति गौतम अडानी से जुड़े मामले से ध्यान भटकाने के लिए संसद में व्यवधान पैदा करने का भी आरोप लगाया। संवाददाता सम्मेलन में गांधी ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल ने इस मामले पर चर्चा को दबाने और अनावश्यक विवाद पैदा करने के लिए जानबूझकर प्रयास किए।

समान नागरिक संहिता के लिए बीजेपी का नया प्लान, संसद से नहीं विधानसभा से होगा लागू

एजेंसी

लखनऊ। बीजेपी ने हमेशा से देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करने की वकालत की है, और यह मुद्दा जनसंघ के समय से ही पार्टी के एजेंडे का हिस्सा रहा है। जब से भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आई है, तब से इस मुद्दे पर पार्टी ने लगातार जोर दिया है। बीजेपी ने राम मंदिर, अनुच्छेद 370 को हटाने और समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों को अपने राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बनाया था। राम मंदिर का सपना तो साकार हो चुका है,

अनुच्छेद 370 को खत्म किया जा चुका है, अब सिर्फ समान नागरिक संहिता को लागू करने का काम बाकी है, जिसे बीजेपी और मोदी सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के जरिए अयोध्या में राम मंदिर बनाने का रास्ता साफ हुआ, और मोदी सरकार ने संसद के जरिए अनुच्छेद 370 को खत्म किया। साथ ही, संसद के जरिए "एक देश, एक चुनाव" की दिशा में भी कदम बढ़ाए गए हैं। अब, समान नागरिक संहिता को लागू करने की प्रक्रिया को लेकर बीजेपी ने एक नई रणनीति बनाई है। बीजेपी इस मुद्दे को संसद के बजाय राज्य विधानसभा के माध्यम से आगे बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है।

धक्कामुक्की कांड पर कांग्रेस की सफाई पर बीजेपी का काउंटर अटैक, पूछा- अब गुंडे संसद जाएंगे?

एजेंसी

नई दिल्ली:केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने अभी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। हमें लगा कि वे आज की घटना पर माफी मांगेंगे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। मुझे समझ नहीं आया कि उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस क्यों की। उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनका अहंकार झलक रहा था। मैं उनका व्यवहार देख रहा था। लेकिन आज उन्होंने (राहुल गांधी) जो किया वह सभ्य समाज के लिए अकल्पनीय है। आज जब भाजपा सांसद मकर द्वार पर विरोध

कर रहे थे, तो राहुल गांधी वहां आ गए। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें अंदर जाने के लिए दूसरी जगह का इस्तेमाल करने को कहा। लेकिन वे जानबूझकर वहां आए। उस प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी उनका अहंकार झलक रहा था। आज मेरा मन भारी है, व्यथित है, पीड़ा से भरा हुआ है। मैं एक दर्जन बार लोकसभा और विधानसभा का सदस्य रहा हूं। मैंने सांसदों और विधायकों के व्यवहार और आचरण को देखा है। लेकिन आज जो संसद में हुआ उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। अशालीन, अशोभनीय और गुंडागर्दी से भरा व्यवहार किया गया। जिसकी सभ्य समाज कल्पना भी नहीं कर सकता।

अमित शाह पागल हो गए हैं, उन्हें राजनीति छोड़ देनी चाहिए, अंबेडकर विवाद पर लालू यादव का बयान

एजेंसी

पटना:डॉ. बीआर अंबेडकर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी पर विवाद के बीच, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने गुरुवार को कहा कि अमित शाह पागल हो गए हैं, और उन्हें राजनीति छोड़ देनी चाहिए और इस्तीफा दे देना चाहिए। लालू यादव ने अमित शाह पर निशाना साधा, जिसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री ने मंगलवार को राज्यसभा में संविधान पर बहस का जवाब देते हुए कहा कि अंबेडकर का नाम लेना कांग्रेस के लिए "फैशन" बन गया है।

समाचार एजेंसी एएनआई ने अपनी रिपोर्ट में लालू यादव के हवाले से कहा, अमित शाह पागल हो गए हैं। उन्हें बाबासाहेब अंबेडकर से नफरत होनी चाहिए। हम उनके इस पागलपन की निंदा करते हैं। बाबासाहेब अंबेडकर महान हैं। उन्हें राजनीति छोड़ देनी चाहिए और चले जाना चाहिए।इससे पहले, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने शाह और भाजपा पर संविधान विरोधी होने और नफरत फैलाने का आरोप लगाया था। यादव ने एएनआई से कहा, बाबासाहेब अंबेडकर हमारे फैशन और जुनून हैं। वे हमारी प्रेरणा और प्रेरणा भी हैं। हम किसी को भी बाबासाहेब अंबेडकर का अपमान नहीं करने देंगे।

सोशल स्ट्रक्चर को ध्वस्त कर देगा,

लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर बोले नितिन गडकरी, केवल मजे के लिए बच्चे पैदा न करें

एजेंसी

नयी दिल्ली:केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप और समलैंगिक विवाह समाज के नियमों के खिलाफ हैं और इससे सामाजिक संरचना ध्वस्त हो जाएगी। एक यूट्यूब साक्षात्कार के दौरान लिव-इन रिलेशनशिप पर उनके विचारों के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने टिप्पणी की कि लिव-इन रिलेशनशिप गलत थे। नितिन गडकरी ने स्वतंत्र पत्रकार समदीश भाटिया के साथ साक्षात्कार में कहा कि मैं लंदन में ब्रिटिश संसद गया जहां मैं प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री से मिला और उन्होंने पूछा कि उनके देश में सबसे बड़ा मुद्दा क्या है। मैंने गरीबी, बेरोजगारी, भुखमरी आदि कहा। जब मैंने उनसे वही सवाल पूछा, तो उन्होंने कहा कि

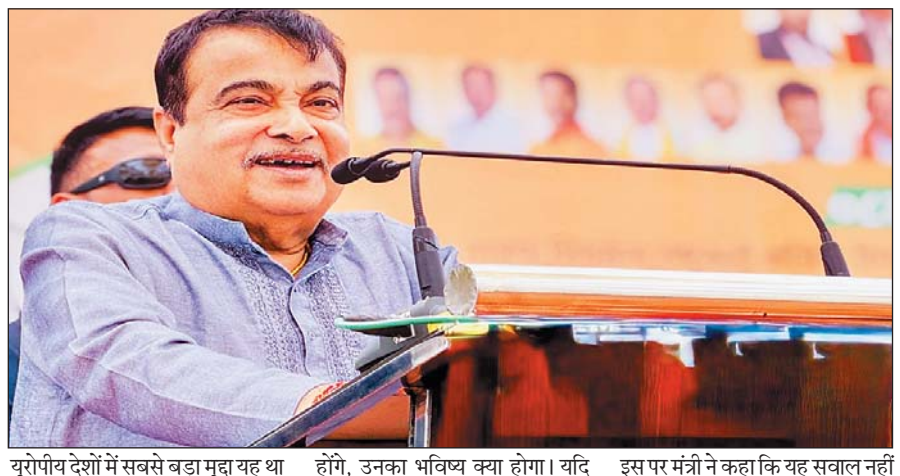

यूरोपीय देशों में सबसे बड़ा मुद्दा यह था कि बहुसंख्यक युवा आबादी की शादी नहीं हो रही थी। यह पूछे जाने पर कि इसका किसी देश पर क्या प्रभाव पड़ता है, गडकरी ने कहा कि बच्चे कैसे पैदा होंगे, उनका भविष्य क्या होगा। यदि आप सामाजिक जीवनशैली को खत्म कर देंगे, तो इसका लोगों पर किस प्रकार का प्रभाव पड़ेगा? भारत को अधिक या कम बच्चों की जरूरत है, इस पर मंत्री ने कहा कि यह सवाल नहीं है। यह माता-पिता का कर्तव्य है कि वे बच्चे पैदा करें और उनका उचित पालन-पोषण करें। यदि आप किसी दिन कहते हैं कि आपने मनोरंजन के लिए बच्चे पैदा किए हैं और फिर बिना सोचे-समझे देखते रहें।गडकरी ने कहा कि यह समाज स्थिर क्यों है, महिलाओं और पुरुषों का अनुपात सही है, कल अगर महिलाओं का अनुपात 1500 होगा और पुरुषों का अनुपात 1000 होगा तो हमें पुरुषों को दो पत्नियां रखने की अनुमति देनी होगी। यह पूछे जाने पर कि क्या आदर्श भारत में तलाक पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए, गडकरी ने जवाब दिया, बिल्कुल नहीं। लेकिन लिव-इन रिलेशनशिप अच्छे नहीं हैं। यह पूछे जाने पर कि इसका किसी देश पर क्या प्रभाव पड़ता है, गडकरी ने कहा कि बच्चे कैसे पैदा होंगे, उनका भविष्य क्या होगा। यदि आप सामाजिक जीवनशैली को खत्म कर देंगे, तो इसका लोगों पर किस प्रकार का प्रभाव पड़ेगा? भारत को अधिक या कम बच्चों की जरूरत है,

पंचायत सरकार भवन के निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता दें- डीएम

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा):- जिलाधिकारी दरभंगा राजीव रौशन के अध्यक्षता में आज राजस्व से संबंधित समीक्षात्मक बैठक हुई।जिलाधिकारी ने कहा कि पंचायत सरकार भवन सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इसके निर्माण लिए जमीन चिन्हित करने के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता दें ।जिलाधिकारी ने प्रत्येक अंचल अधिकारी से पंचायत सरकार भवन के निर्माण से संबंधित जमीन नहीं चिन्हित करने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि एक सप्ताह के अंदर पंचायत सरकार भवन के निर्माण के लिए जमीन चिह्नित करते हुए कनीय अभियंता के साथ संयुक्त प्रतिवेदन देना सुनिश्चित करें। अभी तक 60 से अधिक पंचायत सरकार भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है, 21 पर कार्य तेजी से चल रहा है। 115 पंचायत सरकार भवन का निर्माण भवन निर्माण संरचना से तथा 72 पंचायत सरकार

भवन का निर्माण एलइओ के द्वारा किया जा रहा है ।जिलाधिकारी राजीव रौशन ने कहा कि प्रखंडों में बनने वाले आवासीय विद्यालय पिछड़ा वर्ग,अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय आदि के लिए भी जमीन चिन्हित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने चेतावनी दिया कि क्यों नहीं आपकी विरुद्ध प्रपत्र क गठित कर विधि सम्वत करवाई की जाए। 500 से अधिक आबादी वाले क्षेत्रों में सामुदायिक भवन बनाया जाना है,जिसके लिए भी अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा दिया गया।

उन्होंने जिला कल्याण पदाधिकारी दरभंगा को निर्देश दिया कि डॉ.भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय बहादुरपुर के लिए अंचल अधिकारी से शीघ्र संपर्क करें। 15 विकास मित्रों के नियोजन के लिए विज्ञापन निकालने का निर्देश जिला कल्याण पदाधिकारी को दिया गया। अत्यधिक ठंड से बचाव के लिए अति निर्धन व्यक्तियों के बीच कम्बल वितरण करने का निर्देश सभी अंचलाधिकारी को दिया। प्रखंड - अंचल कार्यालय के निर्माण के लिए भी समीक्षा की गई इसके लिए भू अर्जन करने के लिए निर्देश दिया गया ।प्रखंडों में अंचलाधिकारी एवं प्रखंड विकास अधिकारी के लिए आवास बनाने की भी समीक्षा की गई। आज की बैठक में नीरज कुमार दास अपर समाहर्ता, चित्रगुप्त कुमार उप विकास आयुक्त , विकास कुमार अनुमंडल पदाधिकारी दरभंगा सदर , सत्येंद्र प्रसाद उपनिदेशक सूचना एवं जनसंपर्क, आलोक कुमार जिला कल्याण अधिकारी एवं सभी अंचलअधिकारी आदि उपस्थित थे।

अम्बेदकर-अम्बेदकर कहने वाले लालू यादव ने कब दलित को राजद का राष्ट्रीय अध्यक्ष, विपक्ष नेता या उपमुख्यमंत्री बनाया है? - मनोज शर्मा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ बिहार भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व विधायक श्री मनोज शर्मा ने बयान जारी करते हुए कहा कि

पटना, 19 दिसम्बर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व विधायक श्री मनोज शर्मा ने राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद के अंबेदकर वाले बयान कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा उल्टा चोर कोतवाल को डांटे.. यह वह लोग हैं जिन्होंने पिछड़ा, अति पिछड़ा, दलित, महादलित के लिए अपने राजनीतिक काल में कुछ नहीं किया और अब सिर्फ बाबासाहेब अंबेदकर के नाम का ढोल पीट रहे हैं। उनके द्वारा किए गए कार्यों का अनुसरण कभी नहीं करते हैं, उनके नाम पर ज्यादा से ज्यादा वोट कैसे मिल जाए, इस बात का दिखावा करते हैं? लालू यादव जी ने कभी कोई ऐसा उदाहरण पेश नहीं किया जिससे यह कहा जाए कि वह सच्चे अंबेदकर अनुयायी हैं। भारतीय जनता पार्टी की प्रवक्ता ने कहा कि लालू यादव और उनका पूरा कुनबा 'बंच ऑफ ठग्स' हैं। पहले मासूम बिहारियों को झांसा देकर सरकार में आये और जब सत्ता मिल गई तो उन्होंने सिर्फ अपना खजाना भरा है। राजनीतिक रूप से अपने परिवार के लोगों को ही आगे बढ़ाया। कभी किसी दलित या महादलित परिवार के लोगों को आगे नही बढ़ाया।

श्री शर्मा ने आगे कहा कि जब से राजद की स्थापना हुई है तब से उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष सिर्फ लालू यादव ही क्यों है? विपक्ष हो तो उनका बेटा 'विपक्ष का नेता' और सत्ता हो तो 'उपमुख्यमंत्री' उनका बेटा। विधानपरिषद हो तो उनकी पत्नी सदन की 'प्रतिपक्ष की नेता'। अब लालू यादव जी बतायें कि क्या कोई दलित या महादलित नेता राष्ट्रीय अध्यक्ष, विपक्ष का नेता, उपमुख्यमंत्री या प्रतिपक्ष का नेता नही बन सकता था क्या? लालू यादव सिर्फ 'आई-वास' कर रहे है। दरअसल, इन्हें अपने परिवार के अलावा किसी से प्रेम नही है।

भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस मुख्यालय के सामने किया प्रदर्शन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना: कांग्रेस द्वारा बाबा साहेब आंबेडकर का अपमान किए जाने के विरोध में बिहार भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया।इस मौके पर भाजयुमो बिहार प्रदेश अध्यक्ष भारतेंदु मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस संविधान और बाबा साहेब का नाम लेकर झूठ और भ्रम फैला रही है, लेकिन सच्चाई ये है की कांग्रेस ने हमेशा भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के योगदान को नजर अंदाज ही किया है और उनका अपमान किया है। जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी ने खुद को भारत रत्न से सम्मानित किया, राजीव जी को कांग्रेस सरकार में भारत रत्न मिला लेकिन बाबासाहेब अंबेडकर को उनके निधन के बाद भी भारत रत्न नहीं दिया। बाबा साहेब अंबेडकर को भारत रत्न से तब

सम्मानित किया गया जब जनता दल की सरकार भाजपा के समर्थन से सत्ता में थी। युवा मोर्चा के कार्यकर्ता बाबा साहेब का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान के नारों के साथ सभी जिला केंद्रों में कांग्रेस के विरोध में प्रदर्शन करेगी। कांग्रेस को देश से माफी मांगनी होगी।भाजयुमो प्रदेश महामंत्री सीमांत शेखर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहब को उनका उचित सम्मान दिया है। प्रधानमंत्री ने मऊ, नागपुर, मुंबई, दिल्ली और लंदन में पंच तीर्थ का निर्माण किया, संविधान दिवस मनाना शुरू किया और उनकी जयंती पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया। आज हमलोग के शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर कांग्रेस के गुंडों ने आकर लाठियां चलाई लेकिन हम सब युवा मोर्चा के कार्यकर्ता है न डरेंगे, न झुकेंगे। संसद में राहुल गांधी सांसदों के साथ मारपीट कर रहे है और पटना में उनके कार्यकर्ता उनके नक्सेकदम पर यहां गुंडागर्दी कर रहे है। देश की जनता कांग्रेस, राहुल गांधी और उनके कार्यकर्ताओं के संस्कार को देख रही है।इस मौके पर भाजयुमो प्रदेश महामंत्री सीमांत शेखर, प्रदेश उपाध्यक्ष कुलभूषण, प्रदेश मंत्री मुकेश यादव, विकास ओझा, प्रवक्ता रामराज यादव, राहुल आनंद, महानगर अध्यक्ष मयंक जायसवाल, नीलेश रंजन, आदित्य सिंह, चंदन सिंह, वरुण राज सिंह, रविशंकर सिंह, दुर्गेश तिवारी, सनोज सिंह, अमितेश झा, श्यामबाबू, अभिनव शर्मा, रजनीश कुमार, राकेश रंजन, गौरव प्रकाश पटेल, गोपाल जायसवाल, नीतीश कच्छवाहा, श्रीराम शर्मा, कुणाल रिशु, अजय सिंह, अंशुल प्रभात सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहें।

बुजुर्ग बंदियों एवं गंभीर रुप से बीमार बंदियों को निःशुल्क विधिक सेवा को लेकर चलाया जा रहा विशेष अभियान

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा) :- बुजुर्ग बंदियों एवं गंभीर रुप से बीमार बंदियों को निःशुल्क विधिक सेवा उपलब्ध कराने के लिए नालसा द्वारा विशेष अभियान चलाया गया है।

साथ ही इसके लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनोद कुमार तिवारी द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव रंजन देव के नेतृत्व में एक जिला यूनिट का गठन किया गया है।जिला यूनिट के सदस्यों ने मंडल कारा का निरीक्षण किया। प्राधिकार सचिव रंजन देव ने बताया कि इस विशेष अभियान के तहत 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बंदियों एवं किसी भी उम्र के गंभीर रूप से बीमार बंदियों को निःशुल्क विधिक सेवा उपलब्ध कराते हुए उन्हें संबंधित न्यायालय से जमानत अथवा रिहाई की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आवेदन किया जाएगा। न्यायालय द्वारा जो भी सुविधा दी जाएगी उसके अनुरूप बंदियों को जेल से रिहा कर उनके परिवार को सुपुर्द किया जाएगा ताकि उनका उचित देखभाल हो सके।निरीक्षण में जिला यूनिट के सदस्य डिप्टी चीफ लीगल ऐड विरेन्द्र कुमार झा,असिस्टेंट लीगल ऐड अंकुर प्रिया एवं पिंकू कुमार यादव सहित मंडल कारा अधीक्षक स्नेहलता आदि मौजूद थे।

अब ग्रामीण स्तर के स्वास्थ्य केंद्रों में नहीं होगी दवा की कमी, मुफ्त औषधि वाहन के माध्यम से पहुंचायी जायेगी दवा

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

■ अब स्वास्थ्य केंद्रों में नहीं होगी दवाओं की कमी
■ पोर्टल के माध्यम से दवाओं की खपत और आपूर्ति की निगरानी
■ स्वास्थ्य केंद्रों में तीन माह की दवाओं का रहेगा स्टॉक

छपरा। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग प्रतिबद्ध है। शहर से लेकर ग्रामीण स्तर तक लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य मिले यह सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए एक नई पहल की शुरूआत की गई है, जिससे अब ग्रामीण क्षेत्रों के अस्पतालों में भी दवाओं की कमी नहीं होगी। सारण जिला में 4 मुफ्त औषधि वाहन दिए गए हैं, जिनसे बड़े और छोटे अस्पतालों तक दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। इस पहल से अस्पतालों तक दवाओं को समय पर पहुंचाना अब और भी आसान हो जाएगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा शुरू की गई इस योजना के तहत, लेवल-वन का एक बड़ा वाहन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और अनुमंडलीय स्वास्थ्य केंद्रों तक दवाएं पहुंचाएगा। जबकि, तीन छोटे लेवल-टू वाहन ग्रामीण अस्पतालों में दवाओं की आपूर्ति करेंगे। इन वाहनों का प्रमुख उद्देश्य है कि हर स्तर पर अस्पतालों तक दवाएं समय पर और सही मात्रा में पहुंच सकें।

तीन माह की दवाओं का स्टॉक रहेगा:
जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीएम अरविन्द कुमार ने कहा कि बड़े अस्पतालों में मांग के अनुसार कम से कम तीन माह की दवाओं का स्टॉक रहेगा। एक मार्ग पर वाहन निकलने पर उधर के सभी अस्पतालों तक इससे दवाएं पहुंचायी जाएगी। जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त दवाएं मौजूद हैं। वाहन नहीं रहने से औषधि केंद्र से दवाओं को अस्पतालों में ले जाने में काफी परेशानी होती थी। पहले जिला से प्रखंड अस्पतालों को समय से दवा उपलब्ध कराने के लिए कोई दवा सप्लाई वाहन उपलब्ध नहीं रहने की वजह से निजी वाहनों द्वारा दवा भेजी जाती थी। इन निजी वाहनों के लिए सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को एक निश्चित राशि उपलब्ध कराई जाती थी। इसमें कई तरह की समस्याएं भी थी जिसका अब निराकरण हो गया है। नए वाहनों के आने से अब वहां के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के मांग के अनुसार दवाएं भेजी जा सकेंगी। इसके लिए वे डीवीबीडीएमएस पोर्टल पर ऑनलाइन डिमांड करेंगे।

स्वास्थ्य केंद्रों में शत-प्रतिशत दवा उपलब्ध:
सिविल सर्जन डॉ. सागर दुलाल सिन्हा ने बताया कि सुदूरवर्ती गांवों में आवश्यक औषधियां समय पर और सुगमता से उपलब्ध कराने के लिए जीपीएस सिस्टम से लैस औषधि वाहनों की सेवा शुरू की गयी है। इससे दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित होगी और समय पर आपूर्ति संभव हो सकेगी। जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में शत-प्रतिशत दवा उपलब्ध है। प्रत्येक मरीज को मुफ्त में हर प्रकार की दवा उपलब्ध कराया जा रहा है। राज्य स्तर से सदर अस्पताल को 456, अनुमंडल अस्पताल स्तर पर 312, सीएचसी स्तर पर 309, पीएचसी स्तर पर 294, एचएसी-एचडब्ल्यूसी स्तर पर 151 व एचएसी स्तर पर 32 दवाएं आवश्यक दवाएं आवश्यक दवाओं की सूची में शामिल है। कुछ जरूरी दवाएं सरकार से उपलब्ध नहीं कराये जाने की स्थिति में निर्धारित दर पर स्थानीय बाजारों से खरीदने का भी प्रावधान है। रोगी कल्याण समिति व जिला स्तरीय क्रय कमेटी के माध्यम से भी निर्धारित सरकारी दरों पर कुछ जरूरी दवाएं बाजार से खरीदी जाती है।

बाहर का दवा नहीं लिखेंगे डॉक्टर:
जिलाधिकारी अमन समीर ने आदेश दिया है कि कोई भी डॉक्टर मरीजों को बाहर का दवा नहीं लिखेंगे। जो दवा सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध है उसे हीं मरीज के लिए लिखना है। उन्होने इसकी निगरानी करने का निर्देश दिया है । डीएम ने कहा कि मरीजों को बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों को बेहतर उपचार के साथ-साथ हर तरह की दवा मिले यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

जिला स्थापना दिवस को लेकर एडीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा) :- जिला स्थापना दिवस समारोह का सफल आयोजन को लेकर अपर समाहर्ता राजस्व नीरज कुमार दास की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में बताया गया कि स्थापना दिवस के अवसर पर विकास पुस्तिका/स्मारिका का प्रकाशन किया जाना है। विकास पुस्तिका प्रकाशन में छापे जाने वाले आलेखों को संग्रह कर उसे अनुमोदनप्रांत शुद्ध-शुद्ध छपाई कराना एवं प्रकाशन का कार्य स्थापना दिवस के अवसर पर किया जाएगा।उल्लेखनीय है कि दरभंगा जिले के इच्छुक सम्मानित नागरिकों/ लेखन में रुचि रखने वाले नागरिक दरभंगा जिले से संबंधित आलेख देना चाहते हैं तो अपर समाहर्ता राजस्व कार्यालय में दो दिनों के अंदर आलेख सॉफ्ट कॉपी एवं हार्ड कॉपी में जमा कर सकते हैं। जिला स्थापना दिवस समारोह 31 दिसंबर 2024 से 01 जनवरी 2025 तक मनाया जाएगा,जिसमें 31 दिसंबर 2024 को प्रातः 8:00 बजे पूर्वाह्न से विभिन्न खेल प्रतियोगिता यथा वॉलीबॉल,हैंडबॉल,1600 मीटर रेस,जैवलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो, लॉन्ग जम्प नेहरू स्टेडियम लहेरियासराय दरभंगा में आयोजित होंगे। बैठक में उप निदेशक जन-संपर्क सत्येंद्र प्रसाद, जिला कल्याण पदाधिकारी आलोक कुमार,डीपीओ माध्यमिक शिक्षा नवीन कुमार ठाकुर, जिला खेल संघ के सचिव जितेंद्र कुमार सिंह एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

इंडिया ब्लॉक के कई वरिष्ठ सांसदों को गुंडागर्दी के बल पर संसद भवन में नहीं घुसने देने की घटना

अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने घोर निंदा की है

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

भाजपा सांसदों के द्वारा कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी , अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत इंडिया ब्लॉक के कई वरिष्ठ सांसदों को गुंडागर्दी के बल पर संसद भवन में नहीं घुसने देने की घटना की बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने घोर निंदा की है।उन्होंने कहा है कि यह लोकतंत्र पर भाजपा के कुत्सित तानाशाही मानसिकता का कुठाराघात है। भाजपा के सांसद पीएम मोदी तथा गृह मंत्री शाह के इशारे पर लोकतंत्र तथा संविधान का गला घोंटना चाहते हैं।आज जो भी संसद भवन में घटित हुआ वह किसी भी लहजे में लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत उचित नहीं माना जा सकता है। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं एक तरफ तो भाजपा के सांसद लोकतंत्र के मंदिर संसद भवन परिसर में विपक्षी सांसदों के साथ हिंसा तथा मारपीट पर

उतारू हो गए। उन्हें बलपूर्वक संसद भवन में घुसने नहीं दिया।हद तो यह हो गए कि इतना सब करने के बावजूद भाजपा के सांसद पूर्ण बेशर्म राजनीतिक शैली का सहारा लेते हुए उल्टा चोर कोतवाल को डांटे की कहावत को चरितार्थ करते हुए आरोप भी कांग्रेस के सांसदों पर लगा रहे हैं। बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि आज संसद सत्र के दौरान जब इंडिया ब्लॉक के सांसद राहुल गांधी तथा मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में गृह मंत्री के खिलाफ अंबेडकर प्रतिमा के समक्ष प्रदर्शन करने के उपरांत मकर द्वार से संसद भवन की ओर जा रहे थे।तो भाजपा के सांसदों ने पूर्व नियोजित साजिश के तहत उन पर हमला किया। इस घटना में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घुटने में चोट आई है।उनके घुटने का हाल में ही सर्जरी हुआ था। इंडिया ब्लॉक के कई अन्य सांसदों को भी इस धक्का मुक्के में हल्की चोटें पहुंची है। उन्होंने कहा की संसद में विपक्ष को खामोश नहीं कर पाने से कुंठित भाजपाई सांसदों ने संसद भवन परिसर में गुंडागर्दी तथा हिंसा पर उतारू होकर विपक्ष के सांसदों को भयभीत करने का खुलेआम प्रयास किया है।देश की जनता इस प्रकार के आचरण को देख रही है।एक तरफ तो बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर का गृह मंत्री अमित शाह अपमान करते हैं और जब विपक्ष के सांसद इसके खिलाफ आवाज बुलंद करते हैं ।

5671 ग्राम पंचायतों में 6659 खेल मैदानों के निर्माण का किया गया कार्यारम्भ

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना: माननीय मुख्यमंत्री, बिहार के कर कमलों द्वारा ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत 638 करोड़ 27 लाख रु० की लागत से खेलों के विकास हेतु बिहार के 533 प्रखण्डों के 5671 ग्राम पंचायतों में 6659 खेल मैदानों के निर्माण का किया गया कार्यारम्भ शकील हैदर, वरिष्ठ संवाददाता, छपरा सारण जिला के 180 ग्राम पंचायतों के अंतर्गत 207 स्थलों पर खेल मैदान के निर्माण का भी हुआ कार्यारम्भ

इसी क्रम में आज दिनांक 19.12.2024 को 18 करोड़ 73 लाख रू० की लागत से सारण जिला अंतर्गत 180 ग्राम पंचायतों के 207 स्थानों पर मनरेगा योजना के तहत खेल मैदान के निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया। जिसमें अमनौर-10, बनियापुर-20, छपरा सदर-07, दरियापुर 18, दिघवारा-04, एकमा-12, गड़खा-12, इसुआपुर-18, जलालपुर 12, लहलादपुर-05, मकेर-06, मांझी-13, मढ़ौरा 13, मशरख 17, नगरा-05, पानापुर-08, परसा-07, रिविलगंज-05, सोनपुर-07 तथा तरैया-08 खेल मैदानों को विकसित किया जा रहा है।

जिला में विकसित कराये जा रहे खेल मैदानों में निम्नलिखित खेल सुविधाएँ विकसित की जा रही है-

(1) 207 Running Track
(2) 24 फुटबॉल मैदान
(3) 207 बॉलीवॉल कोर्ट
(4) 207 बास्केट बॉल कोर्ट
(5) 207 बैडमिंटन कोर्ट
(6) 100 हाईजम्प ट्रैक
(7) 99 लॉगजम्प ट्रैक
(8) 80 खोखो कोर्ट

राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रदर्शन जिला मुख्यालय में किया गया जहाँ जिलाधिकारी श्री अमन समीर, उपविकास आयुक्त श्री यतेंद्र कुमार पाल, निदेशक डीआरडीए श्री कय्यूम अंसारी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

तरैया थानान्तर्गत कुल 180.750 ली0 विदेशी शराब एवं 01 चार पहिया वाहन बरामद कर 01 अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

पुलिस अधीक्षक, सारण के निर्देशन में सारण पुलिस द्वारा ज़िले में अवैध शराब का सेवन, निर्माण, बिक्री, भण्डारण, परिवहन, शराब तस्करों एवं शराब कारोबारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में:-

दिनांक-18.12.24 को तरैया थाना को ग्रामीणों के द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि तरैया अम्श्रख रोड के पास एक सफेद रंग की चार पहिया वाहन, स्कूटी सवार व्यक्ति को धक्का मार दिया है। उक्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए तरैया अम्श्रख रोड के पास पहुँचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। घटनास्थल के निरीक्षण के क्रम में उक्त चार पहिया वाहन से 180.750 ली० विदेशी शराब जप्त कर वाहन चालक विकास कुमार, पिता- स्व० सुरेन्द्र राय, साकिन- मनुआ, थाना-हाजीपुर सदर, जिला- वैशाली को गिरफ्तार किया कि गया। इस संदर्भ में तरैया

थाना कांड सं0-467/24, दिनांक-18.12.24 धारा-30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधि० दर्ज किया गया है।इस कांड में संलिप्त शराब तस्करों / कारोबारियों की गिरफ्तारी हेतु अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।> गिरफ्तार अभियुक्त का नाम एवं पता:-

1. विकास कुमार, पिता- स्व० सुरेन्द्र राय, साकिन मनुआ, थाना-हाजीपुर सदर, जिला- वैशाली।

> जप्त / बरामद सामानों की विवरणी :-1. विदेशी शराब- 180.750 ली०, 2. चार पहिया वाहन - 01

> टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारी :-पु०अ०नि० आशुतोष सिंह, थानाध्यक्ष तरैया थाना, स०अ०नि० दिनेश कु० यादव एवं थाना के अन्य पुलिस कर्मी।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार जख्मी रेफर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में समस्तीपुर - दरभंगा मुख्य सड़क के भुट्टा चौक के समीप बाइक से आ रहे घोरनगर के छोटेलाल बैठ के 34 वर्षीय पुत्र संतोष बैठा सड़क पर गिर जाने से गंभीर जख्मी हो गये। पुलिस के सहयोग से गंभीर जख्मी को सामुदायिक अस्पताल कल्याणपुर में प्राथमिक इलाज के लिए भर्ती कराया गया जहां चिकित्सक ने गंभीर स्थिति देखते हुए बेहतर इलाज के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल रेफर किया। इसकी जानकारी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर हैदर ने दी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 63,827.35 लाख रुपये राशि के 5671 ग्राम पंचायतों में 6659 खेल मैदान के निर्माण कार्य का रिमोट के माध्यम से शुभारंभ किया ,

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 63,827.35 लाख रुपये राशि के 5671 ग्राम पंचायतों में 6659 खेल मैदान के निर्माण कार्य का रिमोट के माध्यम से शुभारंभ किया,जिसमे मधुबनी जिले के 255 पंचायतों में 385 खेल मैदान भी शामिल।

जिले में खेल संस्कृति को बढ़ावा के साथ साथ सुदूर ग्रामीण क्षेत्रो के खेल प्रतिभाओं को मिलेगा अवसर,साथ ही जिले में 297605 मानव दिवस का भी होगा सृजन। माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने ने ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत 63,827.35 लाख रुपये राशि के 5671 ग्राम पंचायतों में 6659 खेल मैदान के निर्माण कार्य का रिमोट के माध्यम से शुभारंभ किया,जिसमे मधुबनी जिले के 255 पंचायतों में 385 खेल मैदान भी शामिल है ' जिले में मनरेगा के तहत खेल मैदान का निर्माण किया जाएगा,जिससे जिले में खेल संस्कृति को बढ़ावा के साथ साथ सुदूर ग्रामीण क्षेत्रो के खेल प्रतिभाओं को मिलेगा अवसर,साथ ही जिले में 297605 मानव दिवस का भी होगा सृजन। पटना में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग भी की गई,जिसमे जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा,डीडीसी दिपेश कुमार सहित कई पदाधिकारी समाहरणालय स्थित वीसी कक्ष से वर्चुअल माध्यम से जुड़ें,वही संबधित प्रखंड एवं पंचायत स्तरीय अधिकारी/कर्मी,स्थानीय जनप्रतिनिधि आदि कार्यस्थल पर उपस्थित रहकर कायारंभ करवाया। जिले में खेल मैदान के विकास के फलस्वरूप ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में खेल के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और उनका उत्साह वर्धन भी होगा खेल मैदान विकसित होने से युवाओं के बीच खेल प्रतियोगिताओं और प्रतिस्पधाओं के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। खेल मैदान के विकास के क्रम में ग्रामीण क्षेत्र के मजदूरों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे ।बताते चल की भूमि की उपलब्धता के आधार पर ग्रामीण क्षेत्रों में तीन प्रकार के खेल मैदान विकसित किया जा रहे हैं पहले प्रकार के खेल मैदान बड़े आकार के होंगे जिनका क्षेत्रफल 4 एकड़ तक का होगा। बड़े खेल मैदान में गांव के युवाओं को खेलने के लिए क्रिकेट, फुटबाल, बास्केटबाल ,वालीबाल, रनिंग ट्रेक बैडमिंटन ऊंची कूद लंबी कूद कबड्डी और खो-खो खेलों की सुविधा स्थानीय आवश्यकता के अनुसार ग्रामीण युवाओं के लिए विकसित की जाएगी। दूसरे प्रकार के खेल में मैदान का आकार मध्यम आकार के होंगे जिनका क्षेत्रफल एक से डेढ़ एकड़ तक का होगा। मध्यम आकार के खेल मैदान में क्रिकेट ,फुटबाल, बास्केटबाल वालीबाल, रनिंग ट्रेक, बैडमिंटन, ऊंची कूद और लंबी कूद की सुविधा स्थानीय आवश्यकता के अनुसार ग्रामीण युवाओं के लिए विकसित की जाएगी। तीसरे प्रकार के खेल मैदान छोटे आकार के हैं जिनका क्षेत्रफल एक एकड़ से कम है। इसमें चार की खेल सुविधाएं बास्केटबाल वालीबाल रनिंग ट्रैक और बैडमिंटन की सुविधा उपलब्ध होगी। जिले के 255 पंचायतों में 385 स्थानों पर खेल मैदान निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया।आंधराठाड़ी में 16 बाबूबरही में 17 बासोपट्टी में 17 बेनीपट्टी में 23 बिस्फी में 17 घोघरडीहा में 17 हरलाखी में 12 जयनगर में 13 झंझारपुर में 22 कलुआही में 6, खजौली में 10 लदनिया में 14 ,लखनौर में 7 लोक कहां में 29 लौकीही में 40 मधेपुर में 22 मधुबनी में 14 माधवपुर में 9 पंडोल में 31 फुलपरास में 11 राज नगर में 22 खेल मैदान का निर्माण किया जायेगा।।

आपूर्ति टास्क फोर्स की बैठक में मधुबनी डीएम ने दिए कई निर्देश

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

आपूर्ति टास्क फोर्स की बैठक में डीएम ने दिए कई निर्देश। ड्ढ लाभुकों को पूरी पारदर्शिता एवं सहजता के साथ ससमय खाद्यान्न उपलब्ध कराना करें सुनिश्चित-जिलाधिकारी।

खाद्यान्न वितरण की समीक्षा के क्रम में दिसंबर माह में अबतक बेनीपट्टी प्रखंड का वितरण प्रतिशत सबसे अधिक वही मधेपुर प्रखंड का सबसे कम वितरण प्रतिशत पाया गया।

शतप्रतिशत लाभुकों का आधार सीडिंग का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने का दिया निर्देश. ड्ढ अनुमंडल, प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर अनुश्रवण, सतर्कता एवं निगरानी समिति की नियमित रूप से बैठक करने के दिए निर्देश. ----- मधुबनी -जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला आपूर्ति टास्क फोर्स की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने समीक्षा के क्रम में एजेंडावार सभी विषयों पर विस्तृत समीक्षा कर उपस्थित अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। खाद्यान्न वितरण की समीक्षा के क्रम में दिसंबर माह में अबतक बेनीपट्टी प्रखंड का वितरण प्रतिशत सबसे अधिक वही मधेपुर प्रखंड का सबसे कम वितरण प्रतिशत पाया गया। डीएम ने उपस्थित सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि खाद्यान्न वितरण प्रक्रिया का गंभीरतापूर्वक पूरी पारदर्शिता के साथ पर्यवेक्षण करते हुए खाद्यान्न वितरण की गति में तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि सभी पात्र लाभुकों को पूरी पारदर्शिता एवं सहजता के साथ ससमय खाद्यान्न उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें. उन्होंने राशन दुकानों का नियमित रूप निरीक्षण करने का निर्देश देते हुए कहा कि निरीक्षण की सिर्फ खानापूर्ति से काम नहीं चलेगा, निरीक्षण के सकरात्मक परिणाम भी नजर आने चाहिए. उन्होंने कहा सभी पदाधिकारी हर हाल में निर्धारित की गई संख्या में राशन दुकानों का निरीक्षण करेंगे. समीक्षा के क्रम में पाया गया कि विस्फी प्रखंड के आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा सबसे कम निरीक्षण रहा, वहीं खजौली द्वारा निरीक्षण का प्रतिशत सबसे अच्छा पाया गया।. जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वह भी अपने निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध ससमय राशन दुकानों का निरीक्षण कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराएंगे. उन्होंने निर्देश दिया कि साप्ताहिक जांच के क्रम में पंचायतों में पहुंचकर जन वितरण दुकानों द्वारा राशन वितरण का ग्रामीणों से फीडबैक भी लें. जिलाधिकारी ने बताया कि बुधवारी जांच के दौरान यह पाया गया कि महादलित टोलों में अभी भी कुछ लोगों का राशनकार्ड नहीं बन पाया है, ।

,एक करोड़ बीस लाख की लागत से हरलाखी के 12 पंचायतों में बनेगा खेल मैदान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो ०अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के हरलाखीप्रखण्ड भर में गुरुवार को दस पंचायतों में मनरेगा योजना के तहत खेल मैदान के निर्माण का कार्यारम्भ किया गया. जबकि दो पंचायतों में असमाजिक तत्वों के द्वारा इस योजना का विरोध कर दिया गया. जानकारी देते हुए मनरेगा पीओ कृपा शंकर झा ने बताया कि करीब एक करोड़ बीस लाख की लागत से उच्च विद्यालय बेता परसा, सीपीपी कॉलेज बौरहर, मवि कौआहा बरही, उच्च विद्यालय खिरहर, खेल मैदान पिपरौन, प्लस टू संस्कृत उच्च विद्यालय सिसौनी, उच्च विद्यालय सोनई, खेल मैदान बेंगरा, दिन दयाल उच्च विद्यालय उमगांव सहित प्रखण्ड मुख्यालय में मनरेगा के तहत खेल मैदान का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के द्वारा युवाओं की शारिरिक व मानसिक विकास के लिए यह योजना शुरू किया गया है. सभी खेल मैदान में बैडमिंटन, बॉलीवॉल, रनिंग ट्रैक होंगे जबकि बड़ा खेल मैदान में लौंग जंप व हाई जंप का भी सुविधा मिलेगी.

दो पंचायतों में योजना का हुआ विरोध जानकारी देते हुए पीओ ने बताया कि फुलहर पंचायत अंतर्गत मनोहरपुर गांव में कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा योजना का विरोध कर दिया गया. इस दौरान योजनापट्ट को भी उखाड़ कर फेंक दिया गया. असमाजिक तत्वों की कारनामे का वीडियो भी बनाया गया है. इसी प्रकार गंगौर पंचायत के नंदलाल उच्च विद्यालय में भी योजना का विरोध कर दिया गया है. जिसका रिपोर्ट वरीय पदाधिकारी को भेजा जाएगा.

दो पंचायतों में योजना का हुआ विरोध जानकारी देते हुए पीओ ने बताया कि फुलहर पंचायत अंतर्गत मनोहरपुर गांव में कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा योजना का विरोध कर दिया गया.

पैक्स अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्यों की प्रथम बैठक सम्पन्न, किसी ने नहीं लिया शपथ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर प्रखंड के हांसा पंचायत के तहत नागरबस्ती स्थित किसान भवन पर गुरुवार को नव निर्वाचित कृषि साख सोसाइटी लिमिटेड (पैक्स) प्रबंध कार्यकारिणी की बैठक हुई। बीसीओ सत्येंद्र कुमार के पर्यवेक्षण में हुई। बैठक की अध्यक्षता पैक्स अध्यक्ष नरेश कुमार महतो ने की। उक्त बैठक में पैक्स अध्यक्ष नरेश कुमार महतो ने सभी सदस्यों एवं ग्रामीणों के परामर्श लेकर बीसीओ से कहा कि सभी सदस्यों को पदभार ग्रहण कराने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि पहले पदभार करेंगे तब ही हमलोगों का शपथ ग्रहण होगा। वहीं बैठक में आम सहमति नहीं बनने के कारण बैठक को स्थगित कर दिया गया। इधर बैठक में पहुंचे बीसीओ ने सभी नव निर्वाचित सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह हांसा पैक्स का प्रथम बैठक है। उन्होंने धान अधिप्राप्ति के अलावा खाद एवं पीडीएस के सिलसिले में चर्चा कीमौके पर पैक्स अध्यक्ष नरेश कुमार महतो के अलावा कार्यकारिणी सदस्यों में मो कलाम, रामजी महतो, सरस्वती देवी, लीला देवी, शिप्रा देवी, नगीना देवी, रामनाथ चौधरी, रूपम कुमारी दीनानाथ चौधरी, दिनेश चौधरी, रमेश साह के साथ साथ गणमान्य लोगों में पूर्व पैक्स अध्यक्ष जीवछ महतो, पूर्व सरपंच अब्दुल कलाम राजा, मो कमाल, पंडित मिथिलेश झा, प्रविंद महतो, इजहार अहमद खां, नाजिर हुसैन, नागेंद्र कुमार कुंवर, मो लालो, राजेश कुमार, मुकेश कुमार राजा, महावीर साह, अब्दुल कादिर, मो इम्तेयाज, अनिल कुमार, गुड्डू कुमार, सुनील कुमार, पवन कुमार, रवि कुमार आदि मौजूद थे।

महागठबंधन के नेताओं ने अमित शाह का किया पुतला दहन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर प्रखंड के महागठबंधन के नेताओं ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर पर गृह मंत्री अमित शाह के विवादित बयान के विरोध में गुरुवार को जमकर प्रदर्शन किया। नर्सरी मैदान के पास जुटे काफी संख्या में नेता और कार्यकर्ता जुलूस की शक्ल में प्रखंड मुख्यालय होते हुए गुदरी चौक पर पहुंचे और वहीं से वापस होकर पूनः प्रखंड मुख्यालय चौक स्थित हनुमान मंदिर के पास गृहमंत्री का पुतला दहन किया और अमित शाह के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पुतला दहन कार्यक्रम में राजद प्रखंड अध्यक्ष सह मुखिया पवन कुमार राय, भाकपा नेता संजीत पासवान, वीआइपी प्रखंड अध्यक्ष पप्पु कुमार सहनी, नागेश्वर राय, जीवछ राय आदि ने भाग लिया।

बीसीएम की विदाई सब सम्मान समारोह

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर के सामुदायिक अस्पताल सभागार में विभागीय उच्च अधिकारियों के निर्देश पर बीसीएम मुकेश कुमार की विदाई का सम्मान समारोह का आयोजन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर हैदर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मौके पर सामुदायिक अस्पताल के स्वास्थ्य प्रबंधक अनिल कुमार, यूनिसेफ के शंकर सुमन,नीरज कुमार सिंह, रणधीर कुमार सिंह, निरंजन कुमार, राहुल कुमार चौधरी, गीता कुमारी, भारती कुमारी, विमला कुमारी, सुनीता कुमारी, सुशील कुमार ठाकुर, पूनम देवी, हेमंत कुमार कर्ण, साधु यादव आदि ने उनके कार्यकाल में हुए कार्य की सराहना करते हुए विस्तृत चर्चा की।

राम जानकी विवाह भवन परिसर कपिलेश्वर स्थान में प्रखंड राजद रहिका की बैठक हुई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

राम जानकी विवाह भवन परिसर कपिलेश्वर स्थान में प्रखंड राजद रहिका की बैठक हुई। बैठक में सदस्यता अभियान को सुचारू रूप से चलाने और संगठन को मजबूत करने के लिए विचार- विमर्श किया गया। प्रखंड कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार यादव के अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रदेश द्वारा प्रतिनियुक्त संगठन प्रभारी कुमर राय ने कहा कि प्रत्येक बूथ पर दो से तीन क्रियाशील सदस्य बनाना है। 5 जनवरी 2025 तक अनवरत सदस्यता अभियान चलता रहेगा। इसके लिए सभी प्रखंडों में प्रभारी नियुक्त कर दिया गया है। कहा कि बिस्फी विधानसभा में 333 बूथ है, सभी बूथ पर कम से कम तीन क्रियाशील सदस्य बनाना है।

राजद जिला अध्यक्ष सह पूर्व विधायक रामाशीष यादव ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल सांप्रदायिक सद्भाव एवं सामाजिक न्याय के मुख्य सिद्धांतों के साथ गरीबों और वंचितों के विकास में लगा हुआ है। आगामी विधान सभा चुनाव को लेकर कार्यकताओं को अभी से सदस्यता अभियान के माध्यम से जुट जाने की अपील की। उन्होंने एक-एक कार्यकर्ता नेता को पूरे जिम्मेवारी के साथ सदस्यता अभियान चलाना है और लालू प्रसाद यादव और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव के हाथों को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान का जो लक्ष्य है उसे हर हाल में पूरा करना है। सभी कार्यकर्ता तन मन से लगकर सदस्यता अभियान में लग जाए और अधिक से अधिक सदस्य बनाएं। बैठक में राजद के वरिष्ठ नेता जयनारायण यादव, भारत पंडित, चंदन ठाकुर अजितनाथ यादव, इंद्रजीत राय, राजेंद्र यादव, विजय यादव, रंगीला जी, बदरुल हक, सुरेंद्र कुमार चौधरी, रेखा कुमारी, सीताराम यादव, अजय ठाकुर , जुड़ी चौपाल, रामदेव खतबे, बृहस्पति सदाय, संजीव यादव, प्यारे जी, श्रवण यादव, चंद्रपाल मंडल, लड्डू ठाकुर सहित आदि मौजूद थे।

प्रयागराज में लगने वाले महाकुम्भ मेला के अवसर पर श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा हेतु रेलवे प्रशासन द्वारा 26 एक्सप्रेस गाड़ियों का 10 जनवरी से 28 फरवरी, 2025 तक नैनी, भरतकूप एवं शिवरामपुर स्टेशनों पर 02 मिनट का अस्थाई ठहराव निम्नवत प्रदान किया जायेगा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा: लोकमान्य तिलक टर्मिनल से 10 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक चलने वाली वाली 11055 लोकमान्य तिलक टर्मिनल-गोरखपुर एक्सप्रेस, नैनी जं. स्टेशन पर 07.33 पहुँचकर 07.35 बजे छूटेगी।

गोरखपुर से 10 जनवरी से 28 फरवरी, 2025 तक चलने वाली वाली 11056 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस, नैनी जं. स्टेशन पर 17.00 पहुँचकर 17.02 बजे छूटेगी।

लोकमान्य तिलक टर्मिनल से 09 जनवरी से 27 फरवरी, 2025 तक चलने वाली वाली 11059 लोकमान्य तिलक टर्मिनल-छपरा एक्सप्रेस, नैनी जं. स्टेशन पर 07.33 पहुँचकर 07.35 बजे छूटेगी।

छपरा से 09 जनवरी से 27 फरवरी, 2025 तक चलने वाली वाली 11060 छपरा-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस, नैनी जं. स्टेशन पर 17.00 पहुँचकर 17.02 बजे छूटेगी।

दुर्ग से 09 जनवरी से 27 फरवरी, 2025 तक चलने वाली वाली 18205 दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस, नैनी जं. स्टेशन पर 10.03 पहुँचकर 10.05 बजे छूटेगी।

नौतनवा से 11 जनवरी से 22 फरवरी, 2025 तक चलने वाली वाली 18206 नौतनवा-दुर्ग एक्सप्रेस, नैनी जं. स्टेशन पर 20.43 पहुँचकर 20.45 बजे छूटेगी।

लोकमान्य तिलक टर्मिनल से 09 जनवरी से 27 फरवरी, 2025 तक चलने वाली वाली 11071 लोकमान्य तिलक टर्मिनल-बलिया एक्सप्रेस, नैनी जं. स्टेशन पर 15.18 पहुँचकर 15.20 बजे छूटेगी।

बलिया से 10 जनवरी से 28 फरवरी, 2025 तक चलने वाली वाली 11072 बलिया-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस, नैनी जं. स्टेशन पर 19.48 पहुँचकर 19.50 बजे छूटेगी।

रक्सौल से 11 जनवरी से 22 फरवरी, 2025 तक चलने वाली वाली 15267 रक्सौल-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस, नैनी जं. स्टेशन पर 07.33 पहुँचकर 07.35 बजे छूटेगी।

लोकमान्य तिलक टर्मिनल से 13 जनवरी से 24 फरवरी, 2025 तक चलने वाली वाली 15268लोकमान्य तिलक टर्मिनल-रक्सौल एक्सप्रेस,नैनी जं. स्टेशन पर 15.43 पहुँचकर 15.45 बजे छूटेगी।

पुणे से 09 जनवरी से 27 फरवरी, 2025 तक चलने वाली वाली 11037 पुणे-गोरखपुर एक्सप्रेस, नैनी जं. स्टेशन पर 15.43 पहुँचकर 15.45 बजे छूटेगी।

गोरखपुर से 11 जनवरी से 22 फरवरी, 2025 तक चलने वाली वाली 11038 गोरखपुर-पुणे एक्सप्रेस, नैनी जं. स्टेशन पर 00.50 पहुँचकर 00.52 बजे छूटेगी।

पुणे से 05 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक चलने वाली वाली 11033 पुणे-दरभंगा एक्सप्रेस, नैनी जं. स्टेशन पर 15.43 पहुँचकर 15.45 बजे छूटेगी।

दरभंगा से 10 जनवरी से 21 फरवरी, 2025 तक चलने वाली वाली 11034 दरभंगा-पुणे एक्सप्रेस, नैनी जं. स्टेशन पर 07.33 पहुँचकर 07.35 बजे छूटेगी।

दरभंगा से 15 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक चलने वाली वाली 15559 दरभंगा-अहमदाबाद एक्सप्रेस, नैनी जं. स्टेशन पर 07.33 पहुँचकर 07.35 बजे छूटेगी।

अहमदाबाद से 10 जनवरी से 21 फरवरी, 2025 तक चलने वाली वाली 15560 अहमदाबाद-दरभंगा एक्सप्रेस, नैनी जं. स्टेशन पर 19.50 पहुँचकर 19.52 बजे छूटेगी।

चेन्नई सेंट्रल से 11 जनवरी से 24 फरवरी, 2025 तक चलने वाली वाली 12669 चेन्नई सेंट्रल-छपरा एक्सप्रेस, नैनी जं. स्टेशन पर 01.03 पहुँचकर 01.05 बजे छूटेगी।

छपरा से 13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक चलने वाली वाली 12670 छपरा-चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस, नैनी जं. स्टेशन पर 04.48 पहुँचकर 04.50 बजे छूटेगी।

लोकमान्य तिलक टर्मिनल से 09 जनवरी से 27 फरवरी, 2025 तक चलने वाली वाली 12165 लोकमान्य तिलक टर्मिनल-गोरखपुर एक्सप्रेस, नैनी जं. स्टेशन पर 03.23 पहुँचकर 03.25 बजे छूटेगी।

गोरखपुर से 10 जनवरी से 28 फरवरी, 2025 तक चलने वाली वाली 12166 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस, नैनी जं. स्टेशन पर 23.48 पहुँचकर 23.50 बजे छूटेगी।

मऊ से 11 जनवरी से 22 फरवरी, 2025 तक चलने वाली वाली 15181 मऊ-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस, नैनी जं. स्टेशन पर 05.43 पहुँचकर 05.45 बजे छूटेगी।

लोकमान्य तिलक टर्मिनल से 13 जनवरी से 24 फरवरी, 2025 तक चलने वाली वाली 15182 लोकमान्य तिलक टर्मिनल-मऊ एक्सप्रेस, नैनी जं. स्टेशन पर 08.05 पहुँचकर 08.07 बजे छूटेगी।

- ग्वालियर से 09 जनवरी से 27 फरवरी, 2025 तक चलने वाली वाली 11107 ग्वालियर-बनारस एक्सप्रेस, भरतकूप स्टेशन पर 03.08 पहुँचकर 03.10 बजे तथा शिवरामपुर स्टेशन 03.16 बजे पहुँचकर 03.18 बजे छूटेगी।

एक करोड़ बीस लाख की लागत से हरलाखी के 12 पंचायतों में बनेगा खेल मैदान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो .अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के हरलाखी प्रखण्ड भर में गुरुवार को दस पंचायतों में मनरेगा योजना के तहत खेल मैदान के निर्माण का कार्यारम्भ किया गया. जबकि दो पंचायतों में असमाजिक तत्वों के द्वारा इस योजना का विरोध कर दिया गया. जानकारी देते हुए मनरेगा पीओ कृपा शंकर झा ने बताया कि करीब एक करोड़ बीस लाख की लागत से उच्च विद्यालय बेता परसा, सीपीपी कॉलेज बौरहर, मवि कौआहा बरही, उच्च विद्यालय खिरहर, खेल मैदान पिपरौन, प्लस टू संस्कृत उच्च विद्यालय सिसौनी, उच्च विद्यालय सोनई, खेल मैदान बेंगरा, दिन दयाल उच्च विद्यालय उमगांव सहित प्रखण्ड मुख्यालय में मनरेगा के तहत खेल मैदान का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के द्वारा युवाओं की शारिरिक व मानसिक विकास के लिए यह योजना शुरू किया गया है. सभी खेल मैदान में बैडमिंटन, बॉलीवॉल, रनिंग ट्रैक होंगे जबकि बड़ा खेल मैदान में लौंग जंप व हाई जंप का भी सुविधा मिलेगी. दो पंचायतों में योजना का हुआ विरोधजानकारी देते हुए पीओ ने बताया कि फुलहर पंचायत अंतर्गत मनोहरपुर गांव में कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा योजना का विरोध कर दिया गया. इस दौरान योजनापट्ट को भी उखाड़ कर फेंक दिया गया. असमाजिक तत्वों की कारनामे का वीडियो भी बनाया गया है. इसी प्रकार गंगौर पंचायत के नंदलाल उच्च विद्यालय में भी योजना का विरोध कर दिया गया है. जिसका रिपोर्ट वरीय पदाधिकारी को भेजा जाएगा.

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर पर टिप्पणी को लेकर अमित शाह का पुतला दहन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रखण्ड क्षेत्र अंतर्गत थाना चौक पर महागठबंधन कार्यकताओं के द्वारा गृह मंत्री अमित शाह का पुतला दहन किया गया। गृहमंत्री अमित शाह द्वारा संसद में संविधान निमार्ता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर पर अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में महागठबंधन एवं शोषित समाज दल के कार्यकताओं ने गुरूवार को प्रतिरोध मार्च निकाला।इसमें भाकपा, भाकपा माले,माकपा, राजद,कांग्रेस,वीआईपी, शोषित समाज दल के शीर्षस्थ नेता व दर्जनाधिक कार्यकताओं ने भाग लिया।प्रतिरोध मार्च हसनपुर बागर से प्रारंभ हुआ जो मुख्य सड़क होते हुए प्रखंड, अंचल कार्यालय होकर थाना चौक पर गृहमंत्री अमित शाह के पुतला को राजद प्रखंड अध्यक्ष गंगा राम महतो ने मुखाग्नि देकर दहन किया। प्रतिरोध सभा की अध्यक्षता भाकपा के गणेश महतो,कांग्रेस के सुरेश पासवान,भाकपा माले के मुक्ति नारायण सिंह,माकपा के रोहन रजक,राजद के सुरेन्द्र पासवान,भीआईपी के फुलेना सहनी और शोषित समाज दल के धर्मेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से किया।कार्यकताओं ने अमित शाह के विरोध में जमकर नारेबाजी करते हुए इस्तीफा देने की मांग की।अंचल प्रभारी संजीव कुमार सिंह ने कहा कि बाबा साहेब द्वारा निर्मित संविधान के बदौलत लोकतंत्र में वे सांसद के रूप में निर्वाचित होकर संसद में आये हैं।जिनके बदौलत तड़िपार व्यक्ति भी संसद बन जाता है और वह ही संविधान निमार्ता के प्रति संसद में बिल पेश करते समय अपमानजनक टिप्पणी करता है जो काफी निंदनीय है।संविधान तथा संविधान निमार्ता के प्रति सम्मान नहीं करना एक जनप्रतिनिधि के लिए अशोभनीय है। ऐसे जनप्रतिनिधि को अपने पद पर रहने का कोई प्रासंगिकता नहीं है।मौके पर भाकपा अंचल मंत्री चन्द्र भूषण चौधरी, जितेंद्र कुमार राय, रघुनंदन सहनी,जिप प्रतिनिधि डा राजेन्द्र शर्मा,आनंद मोहन प्रसाद सिंह,महेन्द्र महतो, राजद के पप्पू सिंह, मो नाजिम, कांग्रेस के शिव शंकर सिंह,पोपन सिंह,भाकपा माले के रणवीर सिंह, शोषित समाज दल के श्रवण कुमार, जसवंत कुमार, संजीत कुमार सहित कई अन्य कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

भागवत कथा को लेकर निकला शोभा यात्रा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर प्रखंड क्षेत्र के सारी पंचायत स्थित हिमगिरी विवाह भवन पर भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। इसको लेकर गुरुवार को कलश शोभा यात्रा निकाली गई।कलश लेकर 201 कुमारी कन्या ने रामनगर होते हुए मथुरापुर घाट स्थित बुढी गंडक नदी से जल भरकर पूनः उक्त स्थल पर स्थापित किया। वही वृंदावन से आये परम पूज्य स्वामी चिदात्मानंद सरस्वती जी महाराज द्वारा कलश स्थापित करवाया गया। भागवत कथा के आयोजन कर्ता भाजपा दक्षिणी मंडल अध्यक्ष ठाकुर संग्राम सिंह ने बताया की उक्त महाराज जी मुखारबिंद से श्रीमद भागवत कथा 20 दिसंबर से 26 दिसंबर तक दोपहर तीन बजे से संध्या छः बजे तक कथा वाचन किया जाएगा। उन्होनें लोगो से अधिक से अधिक संख्या में आकर भागवत कथा श्रवण करने की अपील की। मौके पर भाजपा जिला युवा उपाध्यक्ष अविनाश सिंह चन्देल, सतीश सिंह, सोना सिंह, ललन सिंह, अंकुर सिंह, प्रशांत कुमार, दिनेश्वर प्रसाद सिंह, पूर्व उपप्रमुख सह जदयू जिला युवा उपाध्यक्ष शिवशंकर महतों, महेन्द्र प्रधान, अभय प्रकाश, मुन्ना प्रधान, जदयू जिला सचिव संतोष कुमार साह, संतोष कुमार दिनकर, राजन ग्रुप्ता केटरिंग, विनोद शर्मा, रंजीत साह , पंकज साह, अनिल साह, मनोज साह, संजय प्रसाद आदि उपस्थित थे।

बच्चों के कौशलों का विकास 100 दिनों में लक्ष्य प्राप्ति को लेकर बनायी गयी रणनीतियां विद्यालयी पत्रिकाओं का हुआ लोकार्पण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। बाल मनोविज्ञान एवं समावेशी शिक्षा को ध्यान में रखकर बच्चों में भाषा से संबंधित पठन व गणितीय कौशल का विकास सरलता से किया जा सकता है। हिंदी भाषा में कुशलता प्राप्त होने के बाद बच्चे अन्य विषयों में सहजता के साथ सीख पाते हैं। उक्त बातें डीपीओ (एसएसए) मानवेंद्र कुमार राय ने कही। वे गुरुवार को शिक्षा भवन में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में शिक्षकों को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यशाला में जिला के विभिन्न प्रखंडों से चयनित शिक्षकों ने विभाग द्वारा दिए गये 100 दिनों के लक्ष्य को प्राप्त करने की रणनीतियों पर विचार विमर्श किए। विद्यालय अध्यापक मुकेश कुमार मृदुल ने रीडिंग कौशल के लिए क्षेत्रीय भाषा का उपयोग करने, तुकांत

पठन की प्राथमिकता, डॉ विकास कुमार गुप्ता ने चेतना सत्र में बच्चों से प्रेरक प्रसंग, सुविचार, समाचार वाचन कराने, श्वेता ने गतिविधि आधारित क्रियाकलाप के माध्यम से बच्चों को पढ़ाने, शिक्षक सिद्धार्थ शंकर ने बापू की पाती का वाचन, डॉ० बेबी कुमारी ने शब्द को क्रमवार सज्जा, विनोद कुमार विमल ने रीडिंग कॉर्नर बनाने, ऋतुराज जयसवाल ने पोस्टरों से वर्ग को सुसज्जित करने को कहा। वहीं मैथेमेटिक्ल कौशल के लिए प्रभारी प्रधानाध्यापक महेश प्रसाद ने गणितीय मेला व बाजार, राकेश कुमार साफी ने नंबर गेम, शिक्षक गगन कुमार ने बैंक ऑफ स्कूल, विद्यालय अध्यापक मनीष चन्द्र प्रसाद ने गणितीय संक्रियाएं? कौशल विकसित करने के लिए पियर? लर्निंग करने पर बल दिया। इसके अलावे शिक्षक सोनालिका कुमारी ने मिरर स्पीकिंग, प्रीति नंदा ने न्यूज पेपर रीडिंग, ऋचा सिन्हा ने दृश्य अवलोकन, वंदना देवी ने चुटकुला - कहानी मेथड अपनाने को कहा। ततपश्चात डीपीओ एसएसए के निर्देशन में लक्ष्य प्राप्ति करने की रणनीतियां तय की गयी, जिसमें उन्होंने शिक्षकों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर उच्च माध्यमिक विद्यालय दिघरा की पत्रिका दिघरा, उत्क्रमित मध्य विद्यालय मोरदीवा की पत्रिका शिक्षा रत्न तथा मध्य विद्यालय गंगापुर की पत्रिका नवसृजन का लोकार्पण डीपीओ एसएसए के कर कमलों से किया गया। विभिन्न क्लबों के गठन की दी गयी जिम्मेदारी बच्चों में कौशलों के विकास के लिए मानवेंद्र कुमार राय डीपीओं एसएसए ने विभिन्न क्लबों के गठन के लिए शिक्षकों को जिम्मेदारियां दी। हिंदी भाषा एवं अभिव्यक्ति क्लब के लिए मुकेश कुमार मृदुल और सोनालिका कुमारी, अंग्रेजी भाषा एवं अभिव्यक्ति क्लब के लिए डॉ बेबी कुमारी और विनोद कुमार विमल, पत्रिका प्रकाशन क्लब के लिए मुकेश कुमार मृदुल, गगन कुमार और अखिलेश ठाकुर, गणित क्लब के लिए मनीष चन्द्र प्रसाद, महेश प्रसाद और ऋतुराज जायसवाल, विज्ञान क्लब के लिए मनीष चन्द्र प्रसाद और डॉ विकास कुमार गुप्ता, पेंटिंग क्लब के लिए राकेश कुमार साफी और श्वेता को जिम्मेदारियां सौंपी गयी।

सीएम के संभावित यात्रा को लेकर पदाधिकारी ने लिया जाएजा, क्षेत्र में बढ़ी चहल पहल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर में सीएम नीतीश कुमार के संभावित दौड़ा को लेकर वारिसनगर में चहल कदमी बढ़ गई है। गुरुवार को जिला से लेकर प्रखंड के पदाधिकारी का आना जाना लगा रहा। इससे सबंधित सभी विभागों का स्टॉल शेखोपुर पंचायत स्थित वार्ड संख्या 3 शिव मंदिर परिसर में लगाया गया।इसमें सभी विभागों के सबंधित पदाधिकारी के साथ कर्मी थे। इसमें आम जनता अपनी-अपनी शिकायत उक्त विभाग के लगाए गये स्टॉल पर जमा कर रहे थे, उनके शिकायत का निष्पादन शुक्रवार को जांचोपरांत किया जाना है। गुरुवार को प्रभारी डीएम अजय तिवारी, डीडीसी, एसडीओ

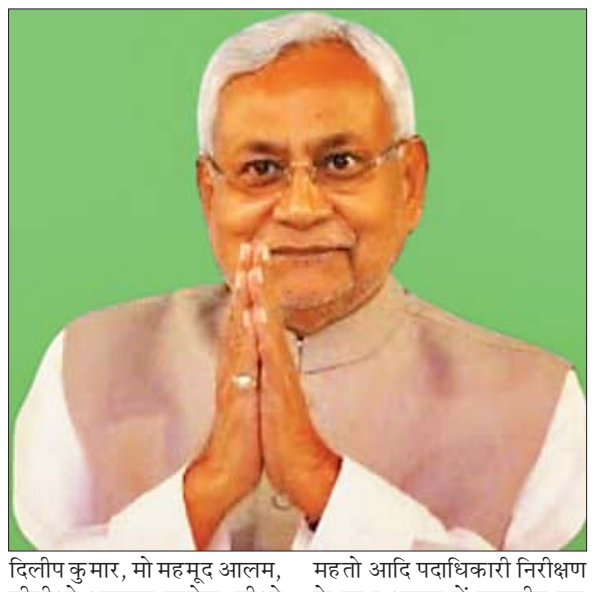

दिलीप कुमार, मो महमूद आलम, बीडीओ अजमल परवेज, सीओ धर्मेंद्र पंडित व डीएसपी टू विजय महतो आदि पदाधिकारी निरीक्षण के साथ आपस में बातचीत कर रहे थे।

प्रखंड के नौ खेल परिसरों का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया वर्चुअल शिलान्यास

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

प्रखण्ड क्षेत्र अंतर्गत 8 पंचायतों में नौ स्थानों पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा खेलों के विकास हेतु खेल मैदान का वर्चुअल शिलान्यास किया गया।ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा बच्चों में खेल के प्रति जागरूकता लाने के लिए खेल मैदान निर्माण हेतु खेल परिसर का शिलान्यास।पीओ पंकज कुमार ने बताया कि मनरेगा निधि से खेल मैदान का निर्माण किया जाएगा।इसके तहत डफरपुर के वृंदावन में मुखिया प्रतिनिधि ई. रंजीत कुमार पमपम, महेशवाड़ा में बौधू सिंह उच्च विद्यालय बभनगामा और राजकीय कृत मध्य विद्यालय महेशवाड़ा,नावकोठी में एपीएस हाई स्कूल मैदान में मुखिया राष्ट्रपति कुमार बिड्डु,पहसारा पूर्वी के राजकीय कृत मध्य विद्यालय ररिऔना में मुखिया दिनेश यादव, पहसारा पश्चिम के ढुनासिंह महाविद्यालय पर मुखिया प्रतिनिधि रामनाथ सिंह उर्फ बुडुल, रजाकपुर के हाई स्कूल स्थल पर मुखिया श्वेता भारती,सैदपुर विष्णुपुर के सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति गौरीपुर में मुखिया प्रतिनिधि टुनटुन पोद्दार,समसा के राजकीय कृत श्रीसियालषण प्लस टू पर मुखिया अभिषेक कुमार पिंटू एवं पंसस गौतम गोस्वामी की मौजूदगी में खेल परिसर का शिलान्यास किया गया।इस दौरान पंचायत के अन्य प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

कांग्रेस जनों ने किया गृह मंत्री अमित शाह का पुतला दहन,

अमित शाह को बर्खास्त करे केंद्र सरकार : कांग्रेस कमिटी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। वृहस्पतिवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के आहवान पर तथा बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के निदेर्शानुसार समस्तीपुर जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संविधान निमार्ता बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणियों के खिलाफ प्रतिरोध मार्च कर अमित शाह का पुतला दहन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेसजनों ने भाग लिया जो अपने हाथों में विभिन्न मांगों की तख्तियां लिए हुए थे। प्रतिरोध मार्च जिला कांग्रेस कार्यालय से निकलकर विभिन्न मार्गों से होते हुए मगरदही घाट पहुंचकर पुतला दहन कर एक प्रतिरोध सभा में प्रवर्तित हो गया। सभा की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष देवेंद्र नारायण झा ने किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में श्री झा ने कहा कि भाजपा नीत मोदी सरकार दलितों एवं पिछड़े समाज से आने वाले महान नेताओं एवं देश के धरोहरों का अपमान करने से नहीं चूकती है यह मनुवादियों की पार्टी है तथा हमेशा अपने एजेंडों को सर्वोपरि रखती है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है की अमित शाह को अविलंब मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर उनपर कार्यवाही की जाय अन्यथा कांग्रेस पार्टी सड़कों पर उतर कर उग्र आंदोलन करने पर विवश होगी और इसकी पूरी जवाबदेही केंद्र सरकार की होगी। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमिटी के महासचिव मुकेश कुमार चौधरी, सोनी पासवान, नगर अध्यक्ष डोमन राय, प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मालिक, आशुतोष कुमार, सुरेश महतो, एससी विभाग के अध्यक्ष कामेश्वर पासवान, उपाध्यक्ष विश्वनाथ सिंह हजारी, एनएसयूआई के जिला उपाध्यक्ष राजन कुमार वर्मा, मो ईसहाक, अनिल कुमार कुशवाहा, सुशांत वत्स, चंदन कुमार, परमानंद मिश्र, अजीत कुमार, प्रशांत कुमार, अरुण कुमार कुंवर, संजय राय, गोरी शंकर चौधरी, रमेश कुमार झा, लक्ष्मण सागर झा, मो इसराफील, नारायण पासवान, कृष्णा कुमार राय, विजय कुमार शर्मा, वीरेंद्र राय, भगवान लाल राय, महफूज आलम, अब्दुल सद्दाम आदि लोग मौजूद थे।

कृषि विज्ञान केंद्र बेगूसराय के द्वारा पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रखण्ड क्षेत्र अंतर्गत समसा में फ्लेगशिप परियोजना के तहत प्रदान संस्था एवं कृषि विज्ञान केन्द्र बेगूसराय के द्वारा एक दिवसीय पशु चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। जिसमें गाय एवं बकरी पालन करने वाले किसान उपस्थित होकर जानकारी हासिल की। उपस्थित लोगों को कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ डॉ विपिन कुमार के द्वारा गाय एवं बकरी में होने वाले रोगों के बारे में बताया गया।वहीं उनके उपचार, कृमि करण, बंध्याकरण एवं पशु के रखरखाव के बारे में जानकारी दी गई।मौके पर संस्था के कार्यकर्ता प्रिती कुमारी, लक्ष्मण कुमार, सुधीर कुमार, अभिमन्यु कुमार,गौतम गोस्वामी,जयनारायण महतों,अमल महतों, ब्रह्मदेव महतों सहित सैकड़ों की संख्या में किसान मौजूद थे

षष्टम एवं 15 वीं वित्त योजना को लेकर ग्राम प्रधान के साथ बैठक आयोजित

प्रखण्डसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रखंड मुख्यालय स्थित बीडीओ कक्ष में ग्राम प्रधान की बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता बीडीओ चिरंजीव पांडेय ने की।इस दौरान उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों के खाते में षष्टम एवं पंद्रहवी वित्त योजना की राशि है। जिसे ग्राम प्रधान द्वारा खर्च नहीं की जा रही है। इन राशि को ग्राम पंचायत के विकासात्मक कार्यो के संपादन में खर्च करनी है। यदि राशि खर्च नहीं हो पाती है तो उन पंचायतों में अगले वित्त वर्ष में राशि नहीं भेजी जाएगी।खर्च की गई राशि का अभिलेख संधारण कर ऑडिट कराने की अपील की। ग्राम पंचायत में संचालित लोहिया स्वच्छ बिहार के तहत संचालित स्वच्छता कार्यक्रम के संचालन हेतु पैडल रिक्शा,ई रिक्शा मरम्मत कराने के साथ साथ स्वच्छता कर्मियों के मानदेय भुगतान की प्रक्रिया अपडेट करने का अनुरोध किया गया। मौके पर प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी निधि प्रिया,मुखिया विजय पासवान,मुखिया प्रतिनिधि रामनाथ सिंह उर्फ बुडुल सिंह, अमरेश पोद्दार उर्फ टुनटुन आदि मौजूद थे।

हांसा में हुआ खेल मैदान का शिलान्यास,

जल्द ही बनकर तैयार होगा खेल मैदान : तेज नारायण चौधरी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर प्रखंड के हांसा पंचायत के बुनियादी उच्चतर विद्यालय स्थित खेल मैदान के तैयार होने के लिए गुरुवार को हांसा पंचायत के मुखिया तेज नारायण चौधरी ने नारियल फोड़कर शिलान्यास किया। खेल मैदान के लिए शिलान्यास होते ही हांसा पंचायत में खुशी की लहर दौड़ गई। इधर पूछे जाने पर मुखिया ने बताया कि यहां खेल मैदान की कमी थी जिसे आज शिलान्यास कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि जल्द ही खेल मैदान बनकर तैयार हो जाएगा। उन्होंने बताया कि खेल मैदान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत बनाया जा रहा है। मुखिया तेज नारायण चौधरी ने बताया कि इसकी लागत करीब दस लाख रुपए की है। मौके पर स्थानीय मुखिया तेज नारायण चौधरी के अलावा जितेंद्र सिंह उर्फ बॉबी सिंह, वार्ड सदस्य मिथिलेश पासवान, अजय कुमार पूर्वे उर्फ बबलू, अभिषेक कुमार उर्फ सोनू, कमलेश पासवान, अमित कुमार मल्लिक, ऋषभ कुमार आदि मौजूद थे।

ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत ग्राम पंचायतों में मनरेगा से खेल मैदानों के निर्माण की शुरूआत

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा) :- श्री नीतिश कुमार,माननीय मुख्यमंत्री, बिहार सरकार,श्री सम्राट चौधरी,माननीय उप मुख्यमंत्री, श्री विजय कुमार सिन्हा,माननीय उप मुख्यमंत्री, श्री श्रवण कुमार, माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग की उपस्थिति में एक संक्षिप्त कार्यक्रम में ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत 533 प्रखण्डों के 5671 ग्राम पंचायतों में मनरेगा से कुल 6669 खेल मैदानों के निर्माण कार्य की एक साथ शुरूआत की गयी। इस अवसर पर श्री लोकेश कुमार सिंह सचिव, ग्रामीण विकास विभाग एवं श्रीमत्ती अभिलाषा कुमारी शर्मा आयुक्त, मनरेगा,ग्रामीण विकास विभाग उपस्थित थे। ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के सहयोग से इस कार्यकम का प्रसारण वेबकास्टिंग के माध्यम से किया गया। दरभंगा जिला स्तर पर वेबकास्टिंग द्वारा कार्यक्रम के प्रसारण की व्यवस्था समाहरणालय बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर सभागार में की गयी। कार्यक्रम में श्री चित्रगुप्त कुमार उप विकास आयुक्त, श्री भुवनेश मिश्रा निदेशक, डी.आर.डी.ए,श्रीमती चाँदनी सिंह, डी.पी.ओ, आई.सी.डी.एस, श्रीमती आमना जोहरा, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा, श्री ऋतुराज, जिला मिशन मैनेजर जल-जीवन-हरियाली अभियान,श्री प्रणय कुमार, जिला अंकेक्षण प्रबंधक आदि पदाधिकारियों कर्मियों तथा आम जन ने भागीदारी की। विभागीय निर्देश के आलोक में दरभंगा जिला से संबंधित, संसद एवं विधानमंडल के माननीय सदस्यों से इस अवसर पर, उनकी सुविधानुसार किसी योजनास्थल पर उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है। वेबकास्टिंग प्रसारण प्रखण्डों /पंचायतों एवं योजनास्थलों पर भी किया गया जिसमें मनरेगा पदाधिकारियों/कर्मियों, सम्मानित स्थानीय जन प्रतिनिधियों, गणमान्य व्यक्तियों, मनरेगा मजदूरों, स्कूली बच्चों अध्यापकों,युवाओं एवं प्रौढ़ों सहित आमजन ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। कार्यारम्भ के साथ ही, दरभंगा जिला के सभी प्रखण्डों में कुल 181 ग्राम पंचायतों में कुल 201 खेल मैदानों का निर्माण कार्य हेतु भौतिक रूपेण आरंभ कर दिया गया है, जिनकी कुल लागत रुपए 1997.62 लाख आकलित की गयी है एवं इसमें लगभग 74000 मानव दिवस का सृजन होगा।इनमें से 112 का रकबा एक एकड़ से कम,43 का रकबा एक से डेढ़ एकड़ तथा शेष 45 खेल मैदानों का रकबा चार एकड़ तक है। मनरेगा अंतर्गत खेल मैदान निर्माण हेतु उपलब्ध सरकारी भूमि का न्यूनतम आकार 170 फीट 170 फीट होना आवश्यक है,ताकि न्यूनतम चार खेल बास्केट बॉल, वॉली बॉल, बैडमिण्टन तथा रनिंग ट्रैक की आधारभूत संरचना का निर्माण किया जा सके। साथ ही उपरोक्त खेल मैदानों में से 154 स्कूलों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों में तथा 47 अन्य सार्वजनिक / सरकारी भूमि पर बनाये जा रहे हैं। बड़े भूखण्डों में अधिक खेलों यथा लॉन्ग जम्प, हाई जम्प, कबड्?डी, खो-खो आदि के लिये भी आधारभूत संरचना के निर्माण का प्रावधान किया गया है। खेल मैदान निर्माण हेतु मनरेगा से अधिकतम 999 लाख रुपए व्यय किये जा सकते है,लेकिन पचायती राज विभाग के तहत उपलब्ध निधियों से अभिशरण से स्टोर रूम आदि सुविधाओं का विकास ग्राम पंचायत के द्वारा किया जा सकेगा।

ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार द्वारा मनरेगा अंतर्गत की गयी इस पहल से ग्राम पंचायतों में रोजगार संवर्धन के अतिरिक्त अवसरों के सृजन के माध्यम से टिकाउ सम्पदा निर्माण को प्रोत्साहन मिलने के साथ-साथ ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा मिलेगा, जिससें राष्ट्रीय /अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल स्पधाओं के मानदण्डों के अनुसार तैयारी करने में उन्हें मदद मिलेगी।

पंचायतों में खेल मैदान का मुख्यमंत्री ने विडियो कांफ्रेंसिंग से किया उद्घाटन

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक प्रखण्ड के 15 पंचायतों में खेल मैदान का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना से विडियो कॉन्फ्रेंसिंग से शिलान्यास किया। वहीं मशरक के कर्ण कुदरिया, दुरगौली और बहरौली में खेल मैदान कार्य का मनरेगा पदाधिकारी संजय साव, प्रखण्ड प्रमुख रवि प्रकाश सिंह, प्रखण्ड मुखिया संघ अध्यक्ष अजित सिंह, दुरगौली मुखिया प्रतिनिधि सत्येंद्र सिंह, कर्ण कुदरिया मुखिया प्रतिनिधि अशरफ अली आदि लोगों ने संयुक्त रूप से कार्य का शुभारंभ कराया।मौके पर मनरेगा पदाधिकारी संजय साव ने बताया कि मशरक के प्रत्येक पंचायत में खेल मैदान बनाने के कार्य का शुभारंभ किया गया जिसका पटना से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि पंचायतों में खेल की गतिविधियों को बढ़ावा देने को यह योजना लाई गई है।

उर्दू जुबान भारतीय एकता का प्रतीक: उप समाहर्ता

मो. सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ीः कमला बालिका माध्यमिक विद्यालय डुमरा में जिला उर्दू कोषांग के तत्वाधान में उर्दू भाषी छात्रझ छात्राओं के लिए भाषण प्रतियोगिता का उदघाट्न अपर समाहर्ता सह वरीय पदाधिकारी (उर्दू) कुमार धनंजय ,अनुवाद पदाधिकारी (उर्दू) सह प्रभारी पदाधिकारी जिला उर्दू भाषा कोषांग शफी अहमद, जिला औकाफ कमिटी के चेयरमैन गुलाम मुस्तफा उर्फ गौहर समी, कमला बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय डुमरा के प्राचार्य डॉ (प्रो) मो कमरुल होदा,,

ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए अपर समाहर्ता सह वरीय पदाधिकारी (उर्दू) कुमार धनंजय कि कहा कि आज मुझे बड़ी खुशी हो रही है और हो भी क्यों न क्योंकि उर्दू जबान भारतीय एकता का प्रतीक है। मैं तो इंग्लिश का विद्यार्थी रहा हूं। मगर अपने एक मित्र नसीम से उर्दू शेर व शायरी को सुना करता था। उर्दू की गजल आज भी मुझे याद है ।उर्दू भाषी छात्र-छात्राओं के प्रोत्साहन के मद्देनजर इस तरह के प्रतियोगिता का आयोजन काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा कि उर्दू बिहार की द्वितीय राजभाषा है और इसके विकास के लिए समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रम सराहनीय है। उन्होंने कहा कि उर्दू एक मीठी जुबान है। कहा कि भारत की गंगा जमुनी तहजीब को सजाने संवारने में इस भाषा ने काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उक्त कार्यक्रम उर्दू निदेशालय मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग, बिहार के तत्वाधान में जिला उर्दू कोषांग के द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उर्दू भाषा के प्रोत्साहन के लिए छात्र छात्राओं द्वारा विभिन्न विषयों पर उर्दू भाषा में भाषण प्रतियोगिता और चर्चा की गई।कार्यक्रम में जिले के हाई स्कूल, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, कॉलेज एवं सरकारी मदरसों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में मैट्रिक/ समकक्ष के लिए तालीम की अहमियत एवं शराब सभी बुराइयों की जड़, इंटर समकक्ष समूह के लिए सफाई की अहमियत एवं जल-जीवन- हरियाली, ग्रेजुएशन समकक्ष वर्ग समूह के लिए उर्दू गजल की आवामी मकबूलियत विषय रखा गया था। उपरोक्त निर्धारित विषयों पर सभी समूह के प्रतिभागियों ने अपने अपने-विचार रखे। भाषण प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में कमला बालिका के प्राचार्य मो कमरुल होदा, एम आर चिश्ती, मदरसा फैजे आम फुलवरिया बाजपट्टी के प्राचार्य मौलाना मो मोतीउर्हमान कासमी शामिल थे। मौके पर उर्दू भाषा कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी सह अनुवाद पदाधिकारी शफी अहमद, उर्दू अनुवादक तबरेज आलम समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

दहेज हत्याकांड के प्राथमिकी वारंटी गिरफ्तार

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी/बेगूसराय/ संवाददाता नावकोठी पुलिस ने छतौना से दहेज हत्याकांड के वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय के माध्यम से न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि गिरफ्तार वारंटी गणेश सिंह है। वह थाना कांड संख्या 32/03 के तहत दर्ज मामला में दहेज हत्याकांड का प्राथमिकी नामजद था।लंबे समय से न्यायालय में उपस्थिति दर्ज नहीं करवा रहा था। जिसके कारण न्यायालय ने इसके विरूद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।इस गिरफ्तारी में अपर थानाध्यक्ष अरविंद शुक्ला व सशस्त्र पुलिस बल के जवान शामिल थे।

आज का दिन लोकतंत्र और संसद की गरिमा को शर्मसार करने वाला रहा:चिराग पासवान

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री श्री चिराग पासवान जी ने विपक्ष के नेता के द्वारा देश की संसद में किये गए बर्ताव पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा आज का दिन लोकतंत्र और संसद की गरिमा को शर्मसार करने वाला रहा है। जिस तरीके से नेता विपक्ष ने माननीय सांसदों से व्यवहार किया, वह उनके अहंकार को दशार्ता है। यह कहीं से भी उचित नहीं है। संसद के प्रवेशद्वार पर वे प्रदर्शन कर रहे थे। अगर नेता विपक्ष चाहते तो बगल से भी निकल सकते थे, लेकिन सांसदों के बीच से जिस तरीके से वे धक्का देते हुए गए, यह उनके घमंड और गुरूर को दशार्ता है। बुजुर्ग और दलित सांसद को रौंदते हुए वे बीच से गए, दो सांसद अस्पताल में हैं।यह कतई बर्दाश्त के काबिल नहीं है। इस आशय की जानकारी प्रदेश मीडिया प्रभारी निशांत मिश्रा ने दी।

कांग्रेस मुख्यालय पहुंचकर हिंसा तथा तोड़फोड, राजेश राठौड़ ने इस घटना की तीखी निंदा की

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचकर हिंसा तथा तोड़फोड़ पर उतरे भाजयुमो कार्यकताओं को लेकर बिहार प्रदेश कांग्रेस मीडिया कमेटी के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने इस घटना की तीखी निंदा करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं लोकतंत्र में शर्मसार कर देने वाली है। उन्होंने कहा है कि आज भाजयुमो के कार्यकताओं का एक जत्था सोची-समझी साजिश के तहत कांग्रेस मुख्यालय पर हमला करने के उद्देश्य से आया था।जिसे कांग्रेस के कार्यकताओं ने खदेड़ कर विफल कर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा पूरे देश में गृह मंत्री अमित शाह के इशारों पर डराने की राजनीति कर रही है।पहले विपक्ष के बड़े नेताओं के खिलाफ सीबीआई-आईटी तथा ईडी का इस्तेमाल किया जाता था,लेकिन अब विपक्ष के सभी नेताओं-कार्यकताओं के जुबान को बंद करने के लिए भाजपा कार्यकर्ता पाले हुए लठैतों की तरह व्यवहार करने लगी है।उन्होंने कहा कि संसद भवन से लेकर पटना के कांग्रेस कार्यालय तक किए गए भाजपा कार्यकताओं की गुंडागर्दी लोकतंत्र के इतिहास में एक धब्बा है।

बच्चों के बीच झगड़े में परिजनों में मारपीट में 4 घायल

ांवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बच्चों के बीच झगड़े को लेकर परिजनों में हुए मारपीट की घटनाओं में 4 लोग घायल हालत में इलाज के लिए भर्ती कराए गए। घायलों में पानापुर थाना क्षेत्र के रसौली बिन टोली गांव के एक पक्ष से बासकीत सहनी का 17 वर्षीय पुत्र विक्की कुमार सहनी,स्व दीपलाल सहनी का 55 वर्षीय पुत्र बासकीत सहनी और दूसरे पक्ष से रामनाथ सहनी का 27 वर्षीय पुत्र भगवान सहनी,स्व कपिलदेव सहनी का 60 वर्षीय पुत्र रामनाथ सहनी शामिल हैं। घटना के बारे में परिजनों ने बताया कि बच्चों के बीच झगड़े को लेकर विवाद हुआ और मारपीट हो गई जिसमें सभी घायल हो गए।घायलों का ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ अनंत नारायण कश्यप ने प्राथमिक उपचार किया।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार जख्मी रेफर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में समस्तीपुर - दरभंगा मुख्य सड़क के भुट्टा चौक के समीप बाइक से आ रहे घोरनगर के छोटेलाल बैठ के 34 वर्षीय पुत्र संतोष बैठा सड़क पर गिर जाने से गंभीर जख्मी हो गये। पुलिस के सहयोग से गंभीर जख्मी को सामुदायिक अस्पताल कल्याणपुर में प्राथमिक इलाज के लिए भर्ती कराया गया जहां चिकित्सक ने गंभीर स्थिति देखते हुए बेहतर इलाज के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल रेफर किया। इसकी जानकारी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर हैदर ने दी।

ऑटो की ठोकर से टीचर घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। मुक्तापुर रेल गुमटी के पास ऑटों की ठोकर से एक स्कूटी सवार शिक्षक जख्मी हो गये। जिसे लोगों ने सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जख्मी शिक्षक की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मुसापुर के नरेंद्र कुमार के रूप में हुई है। वह रोज की तरह अपने स्कूल मनियारपुर मध्य विद्यालय जा रहे थे। वह जैसे ही रेल फाटक के समीप पहुंचे कल्याणपुर की ओर से आ रहे ऑटों से टक्कर हो गई, वे बाइक समेत गिर कर जख्मी हो गये। सुचना पर पुलिस दोनो गाड़ी को ले गया चालक फरार बताया जाता है। सूचना पर पहुंची डायल 112 टीम के जवान मो वाजिद खान ने सदर अस्पताल पहुंचाया,

समस्तीपुर जिला अंतर्गत कुल 182 पंचायत में 207 खेल मैदान का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

प्रत्येक पंचायत में खेल मैदान के निर्माण की आधारशिला रखते हुए माननीय मुख्यमंत्री बिहार श्री नीतीश कुमार द्वारा दिनांक 19 दिसंबर 2024 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इसका कार्य आरंभ किया गया।समस्तीपुर जिला अंतर्गत कुल 182 पंचायत में 207 खेल मैदान का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है। विदित हो कि सभी पंचायत में एक या एक से अधिक स्थलों पर खेल मैदान का निर्माण कराया जाना है इस दिशा में अब तक कुल 182 पंचायत में 207 स्थल प्राप्त हो चुके हैं जिनमें खेल मैदान निर्माण कार्य प्रारंभ है , शेष पंचायत में स्थल की खोज की जा रही है ताकि शीघ्र उनमें भी कार्य प्रारंभ कराया जा सके। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से समस्तीपुर जिला अंतर्गत प्रभारी जिला अधिकारी श्री अजय कुमार तिवारी के साथ उप विकास आयुक्त समस्तीपुर श्री संदीप शेखर प्रियदर्शी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा एवं अन्य सभी संबंधित पदाधिकारी समाहरणालय स्थित एनआईसी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में मौजूद थे।

बकाया भुगतान में हेराफेरी को लेकर मारपीट में 3 घायल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

घायलों का इलाज सीएचसी मशरक में हुआ। घायलों में ग्राहक तरैया थाना क्षेत्र के गलिमापुर गांव निवासी स्व देव कुमार ठाकुर की 60 वर्षीय पुत्र उर्मिला देवी और सिनेमा चौराहा निवासी मुन्ना प्रसाद सोनी का 32 वर्षीय पुत्र अनूप कुमार और 28 वर्षीय अनुज कुमार सोनी शामिल हैं।

मशरक नगर पंचायत क्षेत्र के तख्त टोला में पर ग्राहक को दिए गए बकाया भुगतान में हेराफेरी को लेकर ग्राहक और दुकानदार के बीच जमकर मारपीट हो गई जिसमें 3 लोग घायल हो गए। घायलों का इलाज सीएचसी मशरक में हुआ। घायलों में ग्राहक तरैया थाना क्षेत्र के गलिमापुर गांव निवासी स्व देव कुमार ठाकुर की 60 वर्षीय पुत्र उर्मिला देवी और सिनेमा चौराहा निवासी मुन्ना प्रसाद सोनी का 32 वर्षीय पुत्र अनूप कुमार और 28 वर्षीय अनुज कुमार सोनी शामिल हैं। बताया गया कि बकाया रूपयों के लेन देन को लेकर विवाद हुआ। मौके प्रबुद्ध वर्ग के लोगों ने दोनों को समझा बुझाकर मामले का समाधान कराया

राजद की बैठक में संगठन मजबूती पर हुआ विमर्श, पंचायत अध्यक्ष सम्मानित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

राष्ट्रीय जनता दल की प्रखंडस्तरीय बैठक गुरुवार कोशिश मशरक में आयोजित की गई। बैठक में संगठन को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही सभी पंचायतों में सदस्यता अभियान चला कर लोगों को राजद से जोड़ने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड राजद अध्यक्ष वरुण यादव ने किया वहीं संचालन राजद नगर अध्यक्ष विरेन्द्र यादव ने किया। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में राजद नेता सुमित कुमार गुप्ता ने पंचायत अध्यक्षों को सम्मानित किया वही सम्बोधित करते हुए कहा कि सभी जनसंपर्क कर अधिक से अधिक युवाओं व महिलाओं को संगठन में भागीदारी दिलाने के लिए प्रेरित करें। मौके पर उन्होंने कहा कि राज्य व केंद्र की सरकार से जनता त्रस्त है। इस सरकार से किसी का भला होने वाला नहीं है। सरकार हर मोड़ पर विफल साबित हो रही है वहीं रोजगार उपलब्ध कराने में भी सरकार विफल साबित हो रहीं हैं।

महात्मा भाई गुरू लालन मुखिया के श्राद्ध कर्म पर शिव चर्चा का आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

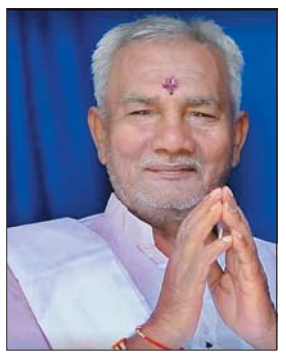

कुशेश्वरस्थान/दरभंगामहात्मा भाई गुरु लालन प्रसाद मुखिया(भूतपूर्व मुखिया उसरी पंचायत) के श्राद्ध कर्म पर महा गुरु शिव का चर्चा का आयोजन किया गया।मुख्य अतिथि गुरु भाई विद्यानंद जी दरभंगा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि श्राद्ध कर्म के अवसर पर शिव चर्चा का आयोजन करने से मृतक की आत्मा को शांति मिलती है।इस दौरान उन्होंने शिव की चर्चा करते हुए कहा शिव अनंत हैं,अविनाशी हैं और उनकी महिमा और नाम जाप करने वाले प्राणियों का उद्धार होता है।वहीं दिलीप गुरु भाई, मनमोहन गुरु भाई, कोशी शिव शिष्य परिवार के कार्यालय प्रभारी कोला ओमप्रकाश गुरु भाई के तैल चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए शिव चर्चा को संबोधित किया।इस मौके पर हजारों गुरु भाई व गुरु बहनों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया की मान्यता रद्द,

अब केवल कराटे इंडिया ऑर्गनाइजेशन रहेगा मान्यता प्राप्त

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नई दिल्ली: दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल ही में कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ङअक) को नेशनल फेडरेशन के रूप में कार्य करने पर प्रतिबंधित कर दिया है। यह फैसला काई के निदेशक श्री अम्बेडकर गुप्ता की याचिका पर दिया गया जिन्होंने काई के अवैध चुनाव और अवैध कार्यों के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए यह याचिका दायर की थी। इसके बाद भारत में केवल कराटे इंडिया ऑर्गनाइजेशन (ङक्ड), जो वर्ल्ड कराटे फेडरेशन (हङऋ) और एशियन कराटे फेडरेशन (अङऋ) से एकमात्र मान्यता प्राप्त संस्था है, वर्ल्ड कराटे फेडरेशन (हङऋ) और एशियन कराटे फेडरेशन (अङऋ) की अधिकृत संस्था के साथ केवल कराटे इंडिया ऑगेर्नाइजेशन (कियो) ही भारत में कराटे की गतिविधियों को संचालित करने हेतु आधिकारिक तौर पर कार्यरत रहेगा।

उच्च न्यायालय के इस निर्णय ने कराटे समुदाय में स्पष्टता लाई है, क्योंकि अब खेल गतिविधियों और प्रतियोगिताओं के संचालन के लिए केवल ङक्ड ही जिम्मेदार होगी। यह निर्णय भारत में कराटे खेल को एक संगठित दिशा में ले जाने की उम्मीदों को बढ़ाता है।विवाद का कारणङअकपर खेल नियमों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं का उल्लंघन करने के आरोप लगे थे। कई वर्षों से इसके संचालन को लेकर विवाद और अनियमितताओं की शिकायतें दर्ज हो रही थीं।ङक्ड की भूमिका ङक्ड अब वर्ल्ड कराटे फेडरेशन के दिशा-निर्देशों के तहत भारत में कराटे खेल का संचालन करेगी। खिलाड़ियों और कोचों के लिए यह सुनिश्चित करेगा कि वे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं में भाग ले सकें।यह निर्णय कराटे खिलाड़ियों के लिए एक नई शुरूआत की तरह है और उम्मीद की जाती है कि इससे खेल की प्रगति और पारदर्शिता बढ़ेगी।

माकपा माले के पूर्व महासचिव का 26वा शहादत दिवस मनाया गया

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरीफ

सिवान दुरौंधा 19 दिसम्बर बुधवार। दुरौंधा के रुकुंदीपुर गांव में जिला
सिवान मे भाकपा माले का पूर्व महासचिव कॉमरेड विनोद मिश्रा जी का 26 वां शहादत दिवस मनाया गया।सभा में किसान नेता कॉमरेड व पूर्व विधायक अमरनाथ यादव, जिला सचिव कॉमरेड हंसनाथ जी ,इनौस राज्य सहसचिव कॉमरेड जयशंकर पंडित, भाकपा माले प्रखंड सचिव कॉमरेड उपेंद्र प्रसाद किसान महासभा दारौंदा कमिटी सचिव कॉमरेड रामायण यादव, कामरेड राघव प्रसाद तथा सैकडों साथी मौजूद रहे, कॉमरेड विनोद मिश्रा जी को भावभीनी विनम्र श्रद्धांजलि दी गई । और वक्ताओं ने बारी बारी से उनके जीवनी पर प्रकाश डाला।

सारण के संत जलेश्वर एकेडमी में 25 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर से जर्सी पहना शुभकामना दी गई

बिहार टीम में सारण की 5 बेटियां शामिल

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

तमिलनाडु के डिंडीगुल में 23 दिसंबर से आयोजित 46 वी जूनियर बालिका राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 21 सदस्यीय बिहार टीम को सारण बनियापुर के संत जलेश्वर एकेडमी लौवा में संपन्न 25 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर से गुरूवार को रवाना किया गया। चेयरमैन बिहार हैंडबॉल संघ विधान पार्षद इंजीनियर सच्चिदानंद राय ने संत जलेश्वर एकेडमी की ओर से बिहार टीम के खिलाड़ियों को जर्सी प्रदान किया। बिहार टीम को छपरा से दानापुर पटना होते हुए तमिलनाडु के लिए झंडी दिखा रवाना करते हुए खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए बिहार हैंडबॉल संघ के चेयरमैन विधानपर्षद इंजिनियर सच्चिदानंद राय , महासचिव ब्रजकिशोर शर्मा एवम बनियापुर थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार ने मैच में सभी को बेहतर प्रदर्शन करने का टिप्स सुझाया। मौके पर सारण जिला हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष कृष्मोहन सिंह , सचिव संजय कुमार सिंह , एकेडमी के संरक्षक राजकिशोर राय , ठाकुर विनोद सिंह अप्पू जी , हरेराम झा , संजीव कुमार , अभिषेक कुमार सिंह सहित अन्य थे।बिहार टीम के साथ राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबॉल प्रतियोगिता में आमंत्रित राष्ट्रीय रेफरी रितेश कुमार सिंह , टीम कोच राष्ट्रीय खिलाड़ी राजा कुमार सिंह , टीम मैनेजर मो इमरान जबकि टीम के खिलाड़ियों में जिसमें सारण से निधि कुमारी , तृप्ति कुमारी, मुस्कान कुमारी, नसीमा परवीन , पम्मी कुमारी , पटना से सिमरन कुमारी , बेगुसराय से कोमल कुमारी , नवादा से सुरुचि कुमारी , पूजा कुमारी , प्रेमलता कुमारी, जहानाबाद से सारिका कुमारी , कैमूर से गोल्डी कुमारी, पूजा कुमारी , पूर्णिया से सोनम कुमारी, पूर्वी चम्पारण से निधि कुमारी , वैशाली से रिया कुमारी , शेखपुरा से राधिका एवं सोनम कुमारी शामिल है।

भारत के गृह मंत्री अमित शाह के बाबा अंबेडकर के बारे में गलत बयान देने के विरोध में जगह जगह पुतला दहन

महामहिम राष्ट्रपति को बर्खास्त करने संबंधी ज्ञापन सौंपा

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

विभूतिपुर,समस्तीपुरविनय कुमार राय) आज भीम आर्मी सह आजाद समता पार्टी(कांशीराम) के जिला अध्यक्ष रंजीत राम ने भारत रत्न बाबा भीम राव अंबेडकर के बारे में अपमानजनक टिप्पणी से आहत । महामहिम राष्ट्रपति महोदय भारत सरकार के नाम ज्ञापन प्रेषित किया है जिसमे इस बात का उल्लेख है की अमित शाह को उनके जवाबदेह पद से बर्खास्त किया जाय।तथा सार्वजनिक रूप से माफी मंगाया जाय।

गृहमंत्री अमित शाह जो एक अति महत्वपूर्ण पद पर होते हुए ऐसी घृणित टिप्पणी करने से पूरे भारत में रोष पूर्ण विरोध दर्ज किया गया। यही नहीं संविधान है तो हम है ,जय भीम के नारों से गुंजायमान सड़के इस बात की गबाही दे रही थी की अमित शाह, चिराग पासवान, जीतन मांझी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला जलाया गया। जिसका नेतृत्व भीम आर्मी के प्रदेश अध्यक्ष अमर ज्योति अपने सैकड़ों भीम आर्मी सैनिकों के साथ करते नजर आए

गृह मंत्री अमित शाह का टिप्पणियां पूरे देश के दलितों व वंचितों का अपमान: महेंद्र कुमार

ंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

तेघड़ा/ बेगूसराय प्रखंड कांग्रेस कमेटी द्वारा गुरुवार को तेघड़ा कांग्रेस भवन के सभागार में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। निंदा प्रस्ताव के संदर्भ में उपस्थित कांग्रेसियों ने बताया कि 17 दिसंबर को उच्च सदन में संविधान की 75 साल की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के द्वारा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान किया गया ।अमित शाह ने लोकतंत्र के मंदिर में बाबा साहेब को जिस तरह अपमानित किया, वो एक कुंठा और द्वेष से भरे मानसिकता वाला व्यक्ति ही कर सकता है। गृहमंत्री जैसे पद पर विराजमान व्यक्ति द्वारा संविधान निमार्ता का उच्च सदन के पवित्र मंदिर में सरेआम अपमान करना यह पूरे देश और

पैक्स अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्यों की प्रथम बैठक सम्पन्न, किसी ने नहीं लिया शपथ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर प्रखंड के हांसा पंचायत के तहत नागरबस्ती स्थित किसान भवन पर गुरुवार को नव निर्वाचित कृषि साख सोसाइटी लिमिटेड (पैक्स) प्रबंध कार्यकारिणी की बैठक हुई। बीसीओ सत्येंद्र कुमार के पर्यवेक्षण में हुई। बैठक की अध्यक्षता पैक्स अध्यक्ष नरेश कुमार महतो ने की। उक्त बैठक में पैक्स अध्यक्ष नरेश कुमार महतो ने सभी सदस्यों एवं ग्रामीणों के परामर्श लेकर बीसीओ से कहा कि सभी सदस्यों को पदभार ग्रहण कराने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि पहले पदभार करेंगे तब ही हमलोगों का शपथ ग्रहण होगा। वहीं बैठक में आम सहमति नहीं बनने के कारण बैठक को स्थगित कर दिया गया। इधर बैठक में पहुंचे बीसीओ ने सभी नव निर्वाचित सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह हांसा पैक्स का प्रथम बैठक है। उन्होंने धान अधिप्राप्ति के अलावा खाद एवं पीडीएस के सिलसिले में चर्चा की। मौके पर पैक्स अध्यक्ष नरेश कुमार महतो के अलावा कार्यकारिणी सदस्यों में मो कलाम, रामजी महतो, सरस्वती देवी, लीला देवी, शिप्रा देवी, नगीना देवी, रामनाथ चौधरी, रूपम कुमारी दीनानाथ चौधरी, दिनेश चौधरी, रमेश साह के साथ साथ गणमान्य लोगों में पूर्व सरपंच अब्दुल कलाम राजा, मो कमाल, पंडित मिथिलेश झा, प्रविंद महतो, इजहार अहमद खां, नाजिर हुसैन, नागेंद्र कुमार कुंवर, मो लालो, राजेश कुमार, मुकेश कुमार राजा, महावीर साह, अब्दुल कादिर, मो इम्तेयाज, अनिल कुमार, गुड्डू कुमार, सुनील कुमार, पवन कुमार, रवि कुमार आदि मौजूद थे।

जेपी चौक सिवान में राजद कार्यकताओं ने किया गृह मंत्री का पुतला दहन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरीफ

सिवान 19 दिसम्बर बृहस्पतिवार। सिवान शहर के जेपी चौक पर राजद अनुसूचित जाति जिला प्रकोष्ठ के नेताओं ने गृह मंत्री अमित शाह के भीम राव अंबेडकर के प्रति विरोधा भाषी संसद में भाषण के खिलाफ पुतला दहन किया। इस दौरान राजद नेताओं ने गृह मंत्री इस्तीफा दो, भीम राव अंबेडकर का अपमान नहीं चलेगा, संविधान विरोधी वक्तव्य क्यों दिए इसका भाजपा जवाब दो। इस मौके पर इंजीनियर बिपिन कुशवाहा ने कहा की देश में 90 प्रतिसत से अधिक दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक, शोषित, पीड़ित उपेक्षित संविधान पर बिस्वास रखने वाले लोगों के साथ यह वक्तव्य अपमान करने वाला है। यह बीजेपी और आरएसएस की चाल है। पुतला दहन कार्यक्रम में राजद अनुसूचित प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सतेन्द्र गोंड, राजेश राम, उमेश कुशवाहा, युवा राजद जिला अध्यक्ष अमित यादव, किसान प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष आलोक कुमार, सिंहासन मांझी, कल्याण कुमार, विनोद यादव, राम किशोर मांझी, प्रदीप राम, इत्यादि मौजूद थे।

इस मौके पर इंजीनियर बिपिन कुशवाहा ने कहा की देश में 90 प्रतिसत से अधिक दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक, शोषित, पीड़ित उपेक्षित संविधान पर बिस्वास रखने वाले लोगों के साथ यह वक्तव्य अपमान करने वाला है। यह बीजेपी और आरएसएस की चाल है। पुतला दहन कार्यक्रम में राजद अनुसूचित प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सतेन्द्र गोंड, राजेश राम,

माकपा माले के पूर्व महासचिव का 26वा शहादत दिवस मनाया गया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरीफ

सिवान दुरौंधा 19 दिसम्बर बृहस्पतिवार। दुरौंधा के रुकुंदीपुर गांव में जिला
सिवान मे भाकपा माले का पूर्व महासचिव कॉमरेड विनोद मिश्रा जी का 26 वां शहादत दिवस मनाया गया। सभा में किसान नेता कॉमरेड व पूर्व विधायक अमरनाथ यादव, जिला सचिव कॉमरेड हंसनाथ जी ,इनौस राज्य सहसचिव कॉमरेड जयशंकर पंडित, भाकपा माले प्रखंड सचिव कॉमरेड उपेंद्र प्रसाद किसान महासभा दारौंदा कमिटी सचिव कॉमरेड रामायण यादव, कामरेड राघव प्रसाद तथा सैकडों साथी मौजूद रहे,
कॉमरेड विनोद मिश्रा जी को भावभीनी विनम्र श्रद्धांजलि दी गई । और वक्ताओं ने बारी बारी से उनके जीवनी पर प्रकाश डाला

सिवान दुरौंधा 19 दिसम्बर बृहस्पतिवार। दुरौंधा के रुकुंदीपुर गांव में जिला
सिवान मे भाकपा माले का पूर्व महासचिव कॉमरेड विनोद मिश्रा जी का 26 वां शहादत दिवस मनाया गया। सभा में किसान नेता कॉमरेड व पूर्व विधायक अमरनाथ यादव, जिला सचिव कॉमरेड हंसनाथ जी ,इनौस राज्य सहसचिव कॉमरेड जयशंकर पंडित, भाकपा माले प्रखंड सचिव कॉमरेड उपेंद्र प्रसाद किसान महासभा दारौंदा कमिटी सचिव कॉमरेड रामायण यादव, कामरेड राघव प्रसाद तथा सैकडों साथी मौजूद रहे,

उच्च सदन में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहब के प्रति अपमानित टिप्पणी को लेकर भाकपा ने निकाला प्रतिरोध मार्च

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

उच्च सदन में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहब के प्रति अपमानित टिप्पणी को लेकर भाकपा ने निकाला प्रतिरोध मार्च तेघड़ा/ बेगूसराय देश के गृह मंत्री अमित शाह के द्वारा सदन के अंदर बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर का अपमान किए जाने पर 19 दिसंबर गुरुवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी तेघड़ा अंचल परिषद द्वारा भाकपा कार्यालय रामेश्वर भवन से लेकर मस्जिद चौक तक प्रतिरोध मार्च निकाला गयावही प्रतिरोध मार्च सभा में तब्दील हो गई सभा को सम्बोधित करते हुए भाकपा अंचल मंत्री परमानन्द सिंह ने कहा बीजेपी के सरकार जब से सत्ता में आयी है लगातार संविधान पर हमला करने का काम किया है इसलिए सत्ता में रहने का नैतिक अधिकार खो दिया है इसलिए भारत सरकार अविलंब इस्तीफा दें।

वही किसान नेता दिनेश सिंह ने कहा मैं एवं भारत के तमाम नागरिक भारत के संविधान के प्रति आस्था रखते हें इसलिए बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर पर टिपण्णी क

तेघड़ा के 7 ग्राम पंचायतों में खेल मैदानों का हुआ शिलान्यास

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

तेघड़ा /बेगूसराय बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत बिहार के 5,671 ग्राम पंचायतों में 6,659 खेल मैदान के निर्माण कार्य का रिमोट के माध्यम से शुभारंभ किया। ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत मनरेगा योजना के तहत राज्य के सभी 38 जिलों के 5,671 ग्राम पंचायतों में प्रथम चरण में 6,859 खेल मैदानों के निर्माण की स्वीकृति पहले ही दी गयी थी। इसी क्रम में बेगूसराय के 136 ग्राम पंचायत में बनने वाले 157 खेल ग्राउंड शामिल है जिसमें तेघड़ा के 7 ग्राम पंचायतों में खेल मैदान का विधिवत शिलान्यास किया गया। इंदिरा ज्योति उच्च विद्यालय पकठौल के प्रांगण में मुखिया पंकज कुमार सहनी की अध्यक्षता में आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन तेघड़ा विधायक राम रतन सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश कुमार ,मनरेगा के प्रोग्राम पदाधिकारी सत्य प्रकाश एवं मुखिया पंकज सहनी ने संयुक्त

टाटा प्रोजेक्ट्स के आईपीओ का अभी और करना होगा इंतजार

कंपनी अगले 12 से 18 महीनों में लेकर आ सकती है आईपीओ

नई दिल्ली ।

टाटा प्रोजेक्ट्स के आईपीओ के लिए अभी और इंतजार करना पड़ सकता है। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि आने वाले एक से डेढ़ साल के अंदर यह पब्लिक इश्यू आ सकता है। दरअसल ईटी की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी के सीईओ ने यह जानकारी दी है। इससे पहले पिछले साल टाटा टेक्नोलॉजी का आईपीओ आया था, जिसे निवेशकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था और लिस्टिंग पर इसने तगड़ा गेन दिया था। खास बात है कि अगर टाटा प्रोजेक्ट्स का आईपीओ तय समय सीमा पर आता है तो यह 2 साल के अंदर टाटा ग्रुप की किसी कंपनी का दूसरा पब्लिक इश्यू होगा। टाटा टेक्नोलॉजी का आईपीओ 19 साल बाद टीसीएस के पब्लिक इश्यू के बाद आया था। टाटा प्रोजेक्टस के सीईओ ने कहा कि कंपनी अगले 12 से 18 महीनों में आईपीओ लेकर आ सकती है। हालांकि, यह तब ही संभव है जब कंपनी लगातार कैश जनरेट कर पाएगी। टाटा प्रोजेक्ट्स, कंस्ट्रक्शन कारोबार में एक बड़ा नाम है। मौजूदा वक्त में कंपनी की ऑर्डर बुक 40000 करोड़ रुपये है। कंपनी के ऐतिहासिक प्रोजेक्ट्स में दिल्ली में स्थित नया संसद भवन और मुंबई में अटल सेतु शामिल हैं। खास बात है कि यह कंपनी 20 फीसदी से अधिक परियोजनाएं टाटा समूह की कंपनियों जैसे टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा पावर, इंडियन होटल्स, टाटा स्टील और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स से हासिल करती है।

स्मार्टफोन निर्यात के मामले में एप्पल का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

एप्पल कंपनी ने नवंबर महीने में स्मार्टफोन निर्यात के मामले में शानदार प्रदर्शन किया। इंडस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में स्मार्टफोन निर्यात 20,300 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले साल की समान अवधि से 90 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है।

भारत में स्मार्टफोन निर्यात ने इस साल नवंबर में नया कीर्तिमान स्थापित किया है, जो पहली बार 20,000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया। पिछले साल नवंबर में स्मार्टफोन निर्यात 10,600 करोड़ रुपये से अधिक था। इस माह निर्यात में एप्पल सबसे आगे रहा, इसके बाद सैमसंग का स्थान था। भारत का स्मार्टफोन निर्यात लगातार बढ़ रहा है, और यह एक संकेत है कि देश के उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत स्मार्टफोन विनिर्माण में बड़ी सफलता मिल रही है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस उपलब्धि को स्मार्टफोन पीएलआई योजना के लिए एक मील का पत्थर बताया। मंत्री ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए कहा, एप्पल द्वारा 10 बिलियन डॉलर के आईफोन का उत्पादन और 7 बिलियन डॉलर का निर्यात हुआ है। भारत से कुल स्मार्टफोन निर्यात 7 महीनों में 10.6 बिलियन डॉलर को पार कर गया। इसके अलावा, भारत में प्रीमियम, 5जी और एआई स्मार्टफोन की मजबूत मांग के कारण इस वर्ष 7-8 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2030 तक 500 बिलियन डॉलर के लोकल इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निर्यात वृद्धि को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है।

इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के आंकड़ों के अनुसार, 2014-15 में मोबाइल फोन का उत्पादन 18,900 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में अनुमानित 4.10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पीएलआई योजना के कारण 2,000 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्शाता है। सरकार की पीएलआई योजना के कारण, एप्पल के आईफोन का उत्पादन वित्त वर्ष 2025 के सात महीनों में 10 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें अकेले 7 बिलियन डॉलर का निर्यात हुआ। यह एक रिकॉर्ड है, जो भारत में स्मार्टफोन उत्पादन और निर्यात में मजबूती की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मोदी सरकार ने छूट क्या दी.....लोगों ने खूब खरीदा सोना, बन गया रिकॉर्ड

नई दिल्ली ।

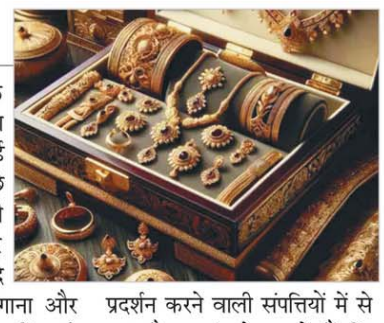

शादी और त्यौहारों के सीजन में लोगों ने इतना सोना खरीदा की रिकॉर्ड ही बन गया। इसके पीछे बड़ी वजह ये है कि मोदी सरकार ने सोने पर आयात शुल्क में ढील दे दी थी। इससे सोना मंगाना और बेचना सस्ता हो गया। वहीं शादी और त्यौहारों का सीजन होने की वजह से जमकर खरीदारी हुई। इसकारण नवंबर माह में ही देश में सोने का आयात चार गुना बढ़कर 14.86 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 1.26 लाख करोड़ रुपये) के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, मुख्य रूप से त्यौहारी सीजन और शादी-विवाह की मांग के कारण सोने का आयात बढ़ा है। इसके पहले नवंबर, 2023 में सोने का आयात 3.44 अरब डॉलर रहा था। कुल मिलाकर चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान आयात 49 प्रतिशत बढ़कर 49 अरब डॉलर हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 32.93 अरब डॉलर था। मंत्रालय के अनुसार, करीब 25 प्रतिशत औसत वार्षिक रिटर्न के साथ सोना 2024 (नवंबर तक) में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली संपत्तियों में से एक है। आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली में इस साल 2024 में अब तक सोने की कीमतें 23 प्रतिशत बढ़कर 78,350 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई हैं। बजट में मोदी सरकार ने सोने के आयात पर शुल्क को 15 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत किया था। इसके बाद विदेश से सोना मंगाना सस्ता हो गया और घरेलू बाजार में भी कीमतों में करीब 6 हजार रुपये की गिरावट आई। इस कारण भारत का सोना आयात 2023-24 में 30 प्रतिशत बढ़कर 45.54 अरब डॉलर हो गया था। अगर देश में आयात की बात की जाए, तब स्विट्जरलैंड सोने के आयात का सबसे बड़ा स्रोत है, जिसकी हिस्सेदारी हमारे कुल आयात में लगभग 40 प्रतिशत है। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (16 प्रतिशत से अधिक) और दक्षिण अफ्रीका (लगभग 10 प्रतिशत) का नंबर आता है।

क्रिप्टोकरेंसी से होने वाले मुनाफे पर देश में अब टैक्स लगेगा

- क्रिप्टोकरेंसी को अब कैपिटल एसेट के रूप में माना जाएगा

जयपुर ।

जोधपुर के आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) ने भारत में क्रिप्टोकरेंसी पर टैक्स को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला किया है, जिससे देश में क्रिप्टोकरेंसी से होने वाले मुनाफे पर टैक्स लगने वाला है। इस ऐतिहासिक निर्णय के साथ क्रिप्टोकरेंसी को अब कैपिटल एसेट के रूप में माना जाएगा और इससे मुनाफे पर टैक्स किस प्रकार लगाया जाएगा, यह स्पष्ट हो गया है। इस निर्णय के मुताबिक क्रिप्टोकरेंसी से होने वाला मुनाफा हाई इनकम टैक्स स्लैब के बजाय कैपिटल गेन टैक्स माना जाएगा।

यह फैसला ऐसे निवेशकों के लिए बड़ा समाचार है जो क्रिप्टोकरेंसी में लेनदेन करते हैं। उन्हें अब लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन की केटेगरी में ही टैक्स की दरें चुकानी होंगी, जिससे उन्हें कम टैक्स देने होंगे। इस निर्णय ने निवेशकों को स्पष्टता दी है कि क्रिप्टोकरेंसी में विशिष्ट नियम पेश करने से पहले हुए ट्रांसक्शन्स को लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन के रूप में समझा जा सकता है। इससे निवेशकों को अधिक जानकारी और सुरक्षा मिलेगी और वे अपने निवेश को बेहतर ढंग से प्रबंधित कर सकेंगे।

देश में 40 फीसदी लोग ही करते हैं यूपीआई का उपयोग: रिपोर्ट

- यूपीआई प्रणाली को अधिकांश लोग नहीं करते पसंद

नई दिल्ली ।

भारत के ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में वित्तीय लेनदेन के लिए एकीकृत भुगतान प्रणाली (यूपीआई) का अधिकांश लोगों द्वारा अनदेखा किया जा रहा है, जैसा कि ईवाई और सीआईआई की संयुक्त रिपोर्ट में प्रकट हुआ है। मान्यताओं के अनुसार इस प्रणाली को 40 करोड़ से अधिक लोगों द्वारा उपयोग किया जाता है, लेकिन केवल चार लोग ही इसे लेनदेन का पसंदीदा तरीका मानते हैं। रिपोर्ट में 11 फीसदी प्रतिभागी ने ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में यूपीआई को भुगतान के रूप में वरीयता नहीं दी है। इस सर्वेक्षण के अनुसार महिलाएं और ग्रामीण क्षेत्रों से लोग अधिकतर थे। सीआईआई इंडिया के पार्टनर वित्तीय सेवाओं के प्रमुख ने इस स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि हमारी रिपोर्ट वित्तीय संस्थानों के लिए ग्रामीण और कस्बाई भारत में विशेष बचत और निवेश समाधान प्रस्तुत करने के लिए एक नई दिशा प्रदान करती है। इस स्थिति में उचित जागरूकता और शिक्षा के माध्यम से यूपीआई प्रणाली के फायदों को ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों तक पहुंचाना अवश्यक है ताकि इसका उपयोग विस्तार से हो सके।

विशाल मेगा मार्ट का शेयर बाजार में सूचीबद्ध

शेयर का मूल्य बीएसई पर 41 प्रतिशत बढ़त के साथ 110 रुपये पर तय किया गया

नई दिल्ली । घरेलू सामानों के लिए बड़ी-बड़ी दुकानें चलाने वाली विशाल मेगा मार्ट ने बुधवार को अपने निर्गम मूल्य में बढ़ोतरी के साथ बाजार में सूचीबद्ध हो गया है। इसमें शेयर का मूल्य बीएसई पर 78 रुपये से 41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 110 रुपये पर तय किया गया है। यह बढ़ोतरी दर्शाती है कि बाजार में कंपनी को उम्मीदवारों की अच्छी प्रतिध्वनि मिली है। एनएसई पर भी शेयर का मूल्य 33.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104 रुपये पर शुरू हुआ था। विशाल मेगा मार्ट की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) बेहद सफल रही थी और शेयर बिक्री के अंतिम दिन गत शुक्रवार को 27.28 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने 8,000 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 74-78 रुपये प्रति शेयर रखा था। इस बढ़ोतरी के बाद, कंपनी का बाजार मूल्यांकन 48,644.57 करोड़ रुपये हो गया है। जिस तेजी से विशाल मेगा मार्ट का शेयर मांग में उछल रहा है, वह बाजार के लिए एक सकारात्मक संकेत हो सकता है। उम्मीद है कि कंपनी इस सफलता की श्रुतांत को बनाये रखने में सफल रहेगी और उसके शेयरहोल्डर्स को और अधिक लाभ प्रदान करेगी।

वन मोबिक्विक सिस्टम्स का शेयर 58 प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध

शेयर 87.81 प्रतिशत उछाल के साथ 524 रुपये पर पहुंच गए

नई दिल्ली । वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड ने बुधवार को बाजार में उछाल बनाई जब उसके शेयर अपने निर्गम मूल्य 279 रुपये से 58 प्रतिशत से अधिक चढ़कर सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर 58.51 प्रतिशत चढ़कर 442.25 रुपये पर संकलित हो गए। इसके बाद वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड के शेयर 87.81 प्रतिशत उछाल के साथ 524 रुपये पर पहुंच गए। कंपनी की बाजार मूल्यांकन 3,435.68 करोड़ रुपये के पार पहुंची। एनएसई पर उनके शेयर ने 57.70 प्रतिशत के उछाल के साथ 440 रुपये पर शुरुआत की। वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड की आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की आखिरी दिन को 119.38 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने अपनी 572 करोड़ रुपये के आईपीओ को 265-279 रुपये प्रति शेयर के दायरे में बोली थी। वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड की आईपीओ की कामयाबी ने बाजार में चर्चा उत्पन्न की और निवेशकों की ध्यान आकर्षित किया।

झारखंड सरकार ने कोयला बकाया वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू की

कानूनी प्रक्रिया शुरू करने से पहले अधिसूचना जारी की गई थी

रांची । झारखंड सरकार ने केंद्र से 1.36 लाख करोड़ रुपये का कोयला बकाया वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस प्रक्रिया का पहला कदम राजस्व, पंजीकरण और भूमि सुधार सचिव को अधिकृत करने वाले अधिसूचना की जारी करना था। पिछले महीने झारखंड की नई सरकार ने मंत्रिमंडल की पहली बैठक में बकाया वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई करने की घोषणा की थी। उसके बाद एक अधिसूचना जारी की गई जिसमें कहा गया, राजस्व, पंजीकरण और भूमि सुधार सचिव को केंद्र से 1.36 लाख करोड़ रुपये का बकाया वसूलने के लिए तत्काल कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। केन्द्रीय कोयला राज्यमंत्री ने कहा था कि झारखंड का केंद से कोई बकाया नहीं है, लेकिन झामुमो के महासचिव ने इसका खंडन किया और कहा कि अगर कोयले की रॉयल्टी 15 दिनों के अंदर नहीं दी जाती है तो राज्य से कोयला नहीं जाएगा। इसके साथ ही, कोयला कंपनी के अधिकारियों को चेतावनी दी गई कि कोयला ढुलाई बंद कर दी जाएगी।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले सहमे बाजार, बुधवार को पांचवें दिन लाल रहा बाजार

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को लगातार पांचवें ट्रेडिंग सेशन में गिरकर बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले विदेशी निवेशक जोखिम नहीं ले रहे हैं और अमेरिकी शेयरों में निवेश के चलते भारतीय इक्विटी बेच रहे हैं। साथ ही किसी भी प्रमुख घरेलू ट्रिगर नहीं होने की वजह से बाजार बुधवार को गिरकर बंद हुआ। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स बुधवार को मामूली गिरावट के साथ 80,666.26 अंक पर खुला। पिछले ट्रेडिंग सेशन में यह 80,684.45 के स्तर पर बंद हुआ था। अंत में सेंसेक्स 502.25 अंक की गिरावट लेकर 80,182.20 पर बंद हुआ। इसतरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 भी गिरावट लेकर 24,300 के नीचे खुला। इसके बाद में इसमें गिरावट बढ़ गई। अंत में यह 155.05 अंक फिसलकर 24,180.95 पर बंद हुआ। बुधवार को बाजार में सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स का शेयर 2.75 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ। पावर ग्रिड, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स के शेयर प्रमुख रूप से गिरावट में रहे। वहीं दूसरी तरफ, टीसीएस (टीसीएस) का शेयर सबसे ज्यादा चढ़कर बंद हुआ। इसके अलावा इंडेक्स हैवी वेट रिलायंस इंडस्ट्रीज और सनफार्मा, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंफोसिस और आईटीसी के शेयर हरे निशान में रहे। वहीं बाजार जानकारों का मानना है कि दिन के अंत में अमेरिकी केंद्रीय बैंक के नीतिगत निर्णय से पहले निवेशक सतर्क दिख रहे हैं। निवेशकों का अनुमान है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में 25 बेसिस पॉइंट की कटौती कर सकता है। हालांकि, निवेशकों का ज्यादा ध्यान इस बात पर रहेगा कि फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल बैठक के बाद क्या कहते हैं।

वैश्विक बाजारों का क्या हाल ?

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग तथा चीन का शंघाई कम्पोजिट फायदे में रहे जबकि जापान का निक्की नुकसान में दिखाई दिया। वहीं, अमेरिकी शेयर बाजार मंगलवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे।

विशाल मेगा मार्ट आईपीओ की जोरदार लिस्टिंग

विशाल मेगा मार्ट आईपीओ के शेयरों की बुधवार को शेयर बाजार में शानदार एंट्री हुई। एनएसई पर आईपीओ 104 रुपये पर लिस्ट हुआ, जो इसके इश्यू प्राइस 78 से 33.33 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, बीएसई पर यह 110 रुपये के भाव पर लिस्ट हुआ, जो आईपीओ प्राइस से 41 प्रतिशत ऊपर है। इसतरह डिजिटल पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर वन मोबिक्विक सिस्टम के शेयरों की बाजार में धमाकेदार एंट्री हुई। एनएसई पर वन मोबिक्विक सिस्टम का आईपीओ 440 रुपये पर लिस्ट हुआ, जो इसके इश्यू प्राइस 279 से 57.70 प्रतिशत अधिक है। वहीं, बीएसई पर यह रुपये पर 442.25 रुपये लिस्ट हुआ, जो आईपीओ प्राइस बैंड के अपर एंड से 58 प्रतिशत ज्यादा है।

साई लाइफ साइंसेज का शेयर 20 फीसदी बढ़त पर सूचीबद्ध

कंपनी ने आईपीओ में 950 करोड़ और 2,092 करोड़ के 3.81 करोड़ शेयर की बिक्री पेश की थी

नई दिल्ली । साई लाइफ साइंसेज के शेयर ने बुधवार को बाजार में धूम मचाई। यह इसके निर्गम मूल्य 549 रुपये से 20 प्रतिशत अधिक उछाल के साथ उच्चतम स्तर पर सूचीबद्ध हुआ। शेयर ने बीएसई पर 20.21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 660 रुपये पर सूचीबद्ध किया गया, जो बाद में 27.86 प्रतिशत उछाल के साथ 702 रुपये पर पहुंच गया। इसके अतिरिक्त एनएसई पर शेयर ने 18.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 650 रुपये पर शुरूआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 14,493.75 करोड़ रुपये था। साई लाइफ साइंसेज के आरम्भिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शेयर बिक्री के तीसरे और अंतिम दिन तक 10.26 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने आईपीओ में 950 करोड़ रुपये के नए शेयर और 2,092 करोड़ रुपये के 3.81 करोड़ शेयर की बिक्री पेश की थी। इसके लिए मूल्य दायरा 522-549 रुपये प्रति शेयर था।

सेबी ने ओडीआई के लिए खुलासा अनिवार्य किया

- नए नियमों के अनुसार अलग पंजीकरण के माध्यम से ही ओडीआई इश्यू कर सकेंगे

नई दिल्ली । सेबी ने ऑफ शोर डेरिवेटिव इंस्ट्रूमेंट (ओडीआई) के लिए नए नियमों की घोषणा की। इससे स्पष्ट हुआ कि ओडीआई को स्वामित्व और आर्थिक हित से जुड़े खुलासे अनिवार्य होंगे। राजधानी बाजार नियामक ने ओडीआई को पहले पार्टिसिपेटरी नोट्स के रूप में जाना जाता था, जिनका प्रयोग हेज फंडों द्वारा भारतीय प्रतिभूतियों में निवेश के लिए किया जाता था। नए नियमों के अनुसार वे एक अलग पंजीकरण के माध्यम से ही ओडीआई इश्यू कर सकेंगे, जिसमें कोई मालिकाना निवेश नहीं होगा। सेबी ने जिन एफपीआई के पास ओडीआई बकाया है, उन्हें एक साल के अंदर अलग से पंजीकरण करने का निर्देश दिया है। नए नियमों के तहत, डेरिवेटिव के साथ ओडीआई इश्यू करने पर प्रतिबंध लगाया गया है, जो उनके मौजूदा भुगतानों को भी शामिल करेगा। सेबी ने इसके साथ ही डेरिवेटिव आधारित मौजूदा ओडीआई को भुनाने के लिए एक वर्ष की संवैधानिक सुविधा भी प्रदान की है। यह नए नियम ऑफशोर डेरिवेटिव इंस्ट्रूमेंट के सुरक्षित और निष्पक्ष उपयोग को सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम है। इससे निवेशकों को अधिक सुरक्षित माहौल में निवेश करने का अवसर मिलेगा, जिससे वित्तीय बाजार में विश्वास और स्थायिता बढ़ सकेगी।

नवंबर में इक्विटी फंडों की नकदी घटकर 4 महीने के निचले स्तर पर

इक्विटी योजनाओं में नकदी में 5.4 प्रतिशत की गिरावट आई

नई दिल्ली । इक्विटी म्युचुअल फंडों की नकदी स्तरों में नवंबर में मामूली गिरावट देखी गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार इक्विटी योजनाओं में नकदी में 5.4 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो चार महीने की सबसे कम है। यह गिरावट अक्टूबर से आ रहे कमी का परिणाम हो सकती है। पीपीएफएएस म्युचुअल फंड के पास सर्वाधिक 21.5 प्रतिशत की नकदी थी, जबकि अन्य फंड हाउसों के पास छह महीने की उच्चतम गिरावट में 14 प्रतिशत की मासिक गिरावट थी। यह गतिविधि बाजार में उतार-चढ़ाव के चलते हो रही है, हालांकि फंड अधिकारियों का लक्ष्य पूर्ण निवेश बनाए रखना है। नकदी स्थिति अनिश्चितता या महंगे मूल्यांकन के दौरान इन योजनाओं में नकदी रखने की आवश्यकता को दर्शाती है। नवंबर में ऐक्टिव योजनाओं में पूंजी निवेश कम आया था, जिसकी वजह एकमुश्त निवेश और नई फंड पेशकशों के संग्रह में गिरावट की गई थी। इससे तो यह स्पष्ट है कि बाजार में नकदी स्तरों में बदलाव के साथ आए गिरावट की वजह से इक्विटी योजनाओं की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों में गिरावट भी देखने को मिल रही है।

इंडियाज बेस्ट डांसर में चैंपियन्स का टशन पर हनी सिंह के साथ ग्रूव कीजिए

मुंबई : सोनी टीवी का बहुचर्चित फॉर्मेट, इंडियाज बेस्ट डांसर वर्सेस सुपर डांसर: चैंपियन्स का टशन इस क्रिसमस सीजन में खास मेहमान दिग्गज यो यो हनी सिंह, रेमो डिसूजा, मलायका अरोड़ा, गीता कपूर और मेजबान हर्ष लिंबाचिया के साथ प्रतियोगियों को चीयर करेंगे। जहां सांता क्लॉज दमदार एन्ट्री लेंगे, और अपने गिफ्ट बैग से, कुछ अनूठी चुनौतियां पेश करेंगे जो टीमों की रचनात्मकता, कौशल और टीम वर्क की परीक्षा लेंगे। चुनौतियों में शामिल हैं: बेस्ट फुट फॉरवर्ड, जिसमें अर्शिया और अनुराधा को अपनी क्षमता का प्रदर्शन करना होगा; अदला बदली, जिसमें परी + फ्लोरिना और विवेक + अकीना की टीमों को भूमिकाएं बदलना और एक विपरीत स्टाइल को अपनाना होगा; और डांस ऑफ, जिसमें टीम एसडी से चुने गए रूपसा और वर्तिका, और टीम आईबीडी से चुने गए शिवांशु और अनिकेत के बीच डांस बैटल होगी, वह भी किसी अतिरिक्त एलिमेंट को जोड़े बिना। अकीना और अर्शिया के बीच की फाइनल बैटल हाई-एनर्जी परफॉर्मेंस होगा, जिसे जरूर देखना चाहिए।

कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल ने क्यूआईपी के जरिये 1,000 करोड़ जुटाए

धन का उपयोग केपीआईएल की वित्तीय स्थिति सुधारने में किया जाएगा

नई दिल्ली । कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल (केपीआईएल) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पांच संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 1,000 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। कम्पनी ने कहा कि यह उनके विविधीकृत व्यवसायिक खंड में निवेशकों के भरोसे की पुष्टि करता है। इस धन का उपयोग केपीआईएल के बही-खाते को सुदृढ़ बनाने, वित्तीय स्थिति में सुधार करने और वृद्धि योजनाओं को पूरा करने के लिए किया जाएगा। जनसाधारण के लिए यह एक अच्छी खबर है क्योंकि केपीआईएल वर्तमान में 30 से अधिक देशों में परियोजनाएं संचालित कर रही है और 75 देशों में उपस्थित है। इसका मतलब यह है कि कंपनी ने अपने क्षेत्र में व्यापक उपस्थिति बनाए रखा है और अपने विश्व स्तरीय परियोजनाओं के माध्यम से विकास में योगदान देने के लिए अग्रसर है। केपीआईएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि क्यूआईपी के माध्यम से जुटाए गए वित्तीय संसाधन ने उनकी कंपनी को मजबूती प्रदान की है और उनके विकास की योजनाओं को गति देने में मदद करेगा। इस आधार पर यह निश्चित रूप से एक बड़ी सफलता की घोषणा है जो क्षेत्र में नवाचार और विकास को बढ़ावा देगी।

किसान आंदोलन : शुरू हो चुकी है एकजुट होने की कवायद

निर्मल रानी

पंजाब व हरियाणा के भी कई किसान संगठन, व्यापक किसान एकता की बात जोर शोर से करने लगे हैं। देर से ही सही परन्तु किसान नेताओं को अब यह समझ आने लगा है कि केंद्र सरकार 2020-21 के संगठित किसानों के आंदोलन को कमजोर व बदनाम करने के लिये कौन से हथकंडे नहीं अपना रही थी?

पंजाब- हरियाणा की सीमाओं पर चलने वाला किसान आंदोलन धीरे धीरे और गंभीर रूप धारण करता जा रहा है। क्योंकि हरियाणा की सीमा खनौरी में गत 24 दिन से आमरण अनशन कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा (एनपी) के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का स्वास्थ्य लगातार गिरता जा रहा है। किसान नेता के स्वास्थ की देखरेख में लगे डॉक्टर्स उनकी सेहत को लेकर बेहद चिंतित हैं। डल्लेवाल 80 साल की उम्र में इतने दिनों से आमरण अनशन पर बैठे हैं। उनकी देखभाल में लगे डॉक्टर्स के अनुसार पहले से ही कैंसर रोग से पीड़ित डल्लेवाल के लिवर व किडनी को इस अनशन के कारण काफी नुकसान पहुँच चुका है। उनकी किडनी व लीवर की स्थिति काफी नाजुक होती जा रही है। गौरतलब है कि इसी वर्ष 13 फरवरी को पंजाब के किसान अपनी उन मांगों को पूरी करने के वादों को याद दिलाने के लिये दिल्ली जाना चाह रहे थे जो कि मोदी सरकार द्वारा तीन विवादित कृषि कानून वापस लेते समय सरकार द्वारा मानी गयी थीं। परन्तु हरियाणा सरकार ने उन्हें पंजाब सीमा से आगे बढ़कर दिल्ली पहुँचने से रोक दिया। तभी से यह किसान पंजाब-हरियाणा की खनौरी व शम्भू सीमाओं पर डटे हुये हैं और बीच बीच में दिल्ली जाने का प्रयास भी करते रहे हैं।

काबिल-ए-गौर है कि जब एक वर्ष से भी लंबे समय तक चले संयुक्त किसान मोर्चा के आंदोलन ने नवंबर 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे कभी 'न झुकने' की छवि बनाने वाले नेता को तीन विवादित कृषि कानून वापस लेने के लिये मजबूर कर दिया था उस समय देश के किसानों के अधिकांश संगठन एकजुट थे। और इसी किसान एकता ने केंद्र सरकार को घुटने टेकने के लिये मजबूर कर दिया था। परन्तु उस समय भी कृषि कानून वापस लेने की घोषणा करते समय प्रधानमंत्री मोदी यह कहने से चूके थे कि-' हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए देश के कृषि जगत के हित में, गांव, गरीब के हित में पूर्ण समर्थन भाव से, नेक नियत से ये कानून लेकर आई थी। लेकिन इतनी पवित्र बात, पूर्ण रूप से किसानों के हित की बात हम कुछ किसानों को समझा नहीं पाए। शायद हमारी तपस्या में कमी रही। भले ही किसानों का एक वर्ग इसका विरोध कर रहा था। हमने बातचीत का प्रयास किया। ये मामला सुप्रीम कोर्ट में भी गया। हमने कृषि कानूनों को वापस लेने का फैसला

किया। ₹ यह बात मोदी ने तब कही थी जब कि उस समय देश के अधिकांश छोटे बड़े किसान व उनके अधिकांश संगठन एकजुट थे। परन्तु याद कीजिये उस समय भी सरकार ने अपने समर्थन में कई ऐसे संगठनों के नाम बता दिए थे जिनका नाम पहले न तो कभी सुना गया न ही वे संगठन अस्तित्व में थे। यानी फर्जी संगठनों को किसान संगठन बता कर किसानों में फूट डालने की कोशिश 2020-21 के किसान आंदोलन के समय भी की गयी थी।

परन्तु अब 13 फरवरी 24 से किसानों द्वारा शुरू किया गया आंदोलन जिसे कि शुरू से ही संयुक्त किसान मोर्चा से पूर्व में जुड़े सभी किसान संगठनों का समर्थन हासिल नहीं है, वह सिर्फ इसी आपसी फूट के चलते लंबा खिंचता जा रहा है। यहाँ तक कि आमरण अनशन पर बैठे 80 वर्षीय किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का जीवन भी संकट में पड़ गया है। उधर सरकार तमाशाई बनी बैठी है तथा किसानों की आपसी फूट को देखते हुये आंदोलन को तब तक खींचे रखना चाहती है जब तक किसान थक हार कर आंदोलन समाप्त न कर दें या इनमें और अधिक फूट न पड़ जाये। मगर जगजीत सिंह डल्लेवाल के अनशन का सरकार पर असर पड़े या न पड़े लेकिन किसान संगठनों व विपक्षी नेताओं पर इसका प्रभाव पड़ता जरूर दिखाई देने लगा है। जहां विभिन्न विपक्षी राजनैतिक दलों के नेता खनौरी स्थित डल्लेवाल के अनशन स्थल पर उनका स्वास्थ समाचार लेने बड़ी संख्या में पहुँचने लगे हैं वहीं संयुक्त किसान मोर्चा के विभिन्न धड़ों में भी हलचल तेज हो चुकी है। एस के एम के कई महत्वपूर्ण घटकों से किसान एकता के स्वर उठने शुरू हो चुके हैं।

इनमें सबसे महत्वपूर्ण बयान किसान नेता राकेश टिकैत की ओर से आया है। पत्रकारों से बातचीत करते हुये टिकैत ने कहा है कि-' किसान यदि अलग-अलग चलेंगे तो लुटेंगे। हमें एकजुट रहना होगा। 10 महीने पहले जब आंदोलन शुरू हुआ हमने सबको कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा और सब इकट्ठा हो जाएं। दिल्ली की कॉल अलग-अलग मत दें। जब तक इकट्ठा नहीं होंगे तब तक दिल्ली से दूर रहना चाहिए। हमें जगजीत सिंह डल्लेवाल की चिंता है। हम प्रदर्शनकारियों के साथ हैं। " राकेश टिकैत ने कहा है कि सरकार को जल्द ही बात करनी चाहिए। बात सरकार को करना है, नफा नुक़्सान सरकार को देखना है। दिल्ली की तैयारी करनी है तो सभी लोगों को इकट्ठा होना होगा। सभी मोर्चे को इकट्ठा होकर बातचीत करनी चाहिए। गौरतलब है कि धरने पर बैठे किसानों ने संयुक्त किसान मोर्चा को आंदोलन को सहयोग व समर्थन देने सम्बन्धी चिट्ठी भी लिखी है।

पंजाब व हरियाणा के भी कई किसान संगठन, व्यापक किसान एकता की बात जोर शोर से करने लगे हैं। देर से ही सही परन्तु किसान नेताओं को अब यह समझ आने लगा है कि केंद्र सरकार 2020-21 के संगठित किसानों के आंदोलन को कमजोर व बदनाम करने के लिये कौन से हथकंडे नहीं अपना रही थी? फर्जी किसान संगठनों को खड़ा करने से लेकर किसान आंदोलन को बदनाम करने तक के लिए सरकार द्वारा कौन कौन से प्रोपेगण्डे नहीं किये गये? इन्हें आन्दोलनजीवी, खालिस्तानी, देशद्रोही न जाने क्या क्या कहा गया? आंदोलन के चरित्र पर सवाल खड़े किये गये। परन्तु इन सब आरोपों के बावजूद सरकार को इन्हीं तथाकथित 'आन्दोलनजीवी, खालिस्तानी व देशद्रोही' किसानों की मांगों के आगे घुटने भी टेकने पड़े। और स्वयं प्रधानमंत्री को सामने आकर कृषि कानून वापस लेने की घोषणा करते समय किसानों को संबोधित करना पड़ा। इसका कारण केवल एक था और वह था संयुक्त किसान मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में चलने वाला ऐतिहासिक किसान आंदोलन। अब डल्लेवाल के अनशन व 18 दिसंबर को किसानों द्वारा पंजाब में आहूत रेल रोको आंदोलन के बाद ऐसा लगता है कि किसान संगठनों के एकजुट होने की कवायद फिर से शुरू हो चुकी है।

संपादकीय

सदन में निरर्थक चर्चा

देश में संविधान के 75 वर्ष पूरे होने पर संसद के दोनों सदनों में सत्तारुढ़- गठबंधन और विपक्ष के बीच एक बार फिर टकराव, तीखी बहस और एक बार फिर टकराव देखने को मिला। इस ऐतिहासिक अवसर पर यदि दोनों पक्ष चाहते तो संविधान और उसके महत्त्व पर एक सार्थक बात हो सकती थी, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। विडंबना देखिए कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों संविधान की सर्वोच्चता में विश्वास प्रकट करते हैं, लेकिन दोनों ही उसे कमजोर करने का एक दूसरे पर आरोप लगाते रहे। लोक सभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सत्ता पक्ष के दूसरे नेताओं ने संविधान के प्रति पूरी निष्ठा प्रदर्शित की और कांग्रेस पार्टी पर संविधान को कुचलने और कमजोर करने का आरोप लगाया जबकि दूसरी ओर राहुल गांधी ने भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी पर संविधान, लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की अनदेखी का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में संविधान अनुच्छेद 370 सहित समान नागरिक कानून संहिता आदि मुद्दों पर चर्चा करते हुए गांधी परिवार को निशाना बनाया और पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर समिति इंदिरा गांधी तक को संविधान पर कुठाराघात करने के लिए कठघरे में खड़ा किया। राज्य सभा में भी संविधान पर बहस के दौरान इसी तरह का दृश्य नजर आया। राज्य सभा में चर्चा के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन के बीच तीखी बहस हुई। लोक सभा और राज्य सभा दोनों सदनों में वक्ताओं ने अपनी बात रखते हुए इतिहास और अतीत के पात्रों का सहारा लिया। जाहिर है ऐसे संवादों से प्रचारगत रणनीति का पलड़ा भले भारी हो सकता है, लेकिन इससे संविधान और लोकतंत्र का भला नहीं हो सकता। लोकतंत्र में संविधान एक ऐसा महत्त्वपूर्ण दस्तावेज है जो नागरिकों के अधिकारों का रक्षक माना जाता है। संविधान के इन 75 साल के इतिहास में कई अवसर ऐसे भी आए हैं जब अपनी कुर्सी और सत्ता के लिए इसका बेजा इस्तेमाल करने की कोशिश की। इंदिरा गांधी द्वारा 1975 में आपातकाल थोपना और उसके बाद संविधान का 42 वां संशोधन ऐसा ही अधिनायकवादी कृत्य था। बहस तो इस बात पर होनी चाहिए थी कि देश के गरीब नागरिकों को न्याय कैसे मिले, प्रशासनिक तंत्र को इतना पारदर्शी और न्यायपूर्ण कैसे बनाया जाए कि गरीब और अमीर के बीच भेद-भाव समाप्त हो। कहा जा सकता है कि संसद में संविधान पर चर्चा निरर्थक साबित हुई?

चिंतन-मनन

नदी और सागर

सुखदेव ऋषि के आश्रम में कई शिष्य रहते थे। उनमें अनुज नामक शिष्य काफी तेज था। धीरे-धीरे वह स्वयं को अन्य शिष्यों से श्रेष्ठ मानकर दूसरों को हीन समझने लगा। ऋषि उसके अंदर छिपे अहं को समझ गए और उसे एक दिन अपने साथ एक सागर के पास ले गए। विशालकाय सागर अत्यंत आकर्षक दिख रहा था। उसकी लहरें जब अठखेलियां करतीं तो मन प्रसन्न हो जाता। ऋषि ने अनुज से सागर का पानी पीने के लिए कहा। अनुज ने जैसे ही पानी मुंह में डाला, वैसे ही उसने बुरा सा मुंह बनाकर पानी बाहर निकाल दिया और बोला, गुरुजी, यह पानी तो खारा है। मेरा मुंह का स्वाद कसैला हो गया।

ऋषि उसकी बात सुनकर मुस्कराए। वह उसे अपने साथ लेकर आगे बढ़ते रहे। आगे एक छोटी सी नदी आई। नदी का जल शांत था। ऋषि ने अनुज से नदी का जल पीने के लिए कहा। अनुज ने जैसे ही जल मुंह में डाला, वैसे ही उसके मन को अत्यंत तृप्ति मिली। वह बोला, गुरुजी, नदी के जल ने मुंह का स्वाद बढ़ा दिया है। इतना ठंडा और मीठा जल बहुत कम देखने को मिलता है, जबकि इतने बड़े सागर का पानी एकदम खारा था।

उसके ऐसा ही कहते ही ऋषि बोले, पुत्र, देखा तुमने, छोटे-बडे से कुछ नहीं होता। हर व्यक्ति को अपने व्यवहार और सद्कार्यों से अपने लिए जगह बनानी पड़ती है। तुमने सागर के अहं को देखा। वह सब कुछ अपने में ही भरे रहता है। लेकिन इसका जल खारा होता है। जबकि छोटी सी नदी जो पाती है उसका अधिकांश बांटती है, इसलिए उसके जल में मिठास है।

व्यक्ति को बड़े होने पर भी अहं को अपने पास नहीं फटकने देना चाहिए अन्यथा उसका हाल भी सागर की तरह ही होता है। मेरे विचार में तुम मेरी बातों का अर्थ अच्छी तरह समझ गए हो। अनुज को अपनी गलती का अहसास हो गया। उसने अपने भीतर से अपना अहं निकाल फेंका।

भारत में दान करने की प्रथा से गरीब वर्ग का होता है कल्याण

प्रहलाद सबनानी

भारत में हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों में दान दक्षिणा की प्रथा का अलग ही महत्व है। भारत में विभिन्न त्यौहारों एवं महापुरुषों के जन्म दिवस पर मठों मंदिरों, गुरुद्वारों एवं अन्य पूजा स्थलों पर समाज के सम्पन्न नागरिकों द्वारा दान करने की प्रथा अति प्राचीन एवं सामान्य प्रक्रिया है। गरीब वर्ग की मदद करना ईश्वर की सबसे बड़ी सेवा माना जाता है। समाज में आपस में मिल बांटकर खाने पीने की प्रथा भी भारत में ही पाई जाती है और यह प्रथा भारतीय समाज में बहुत आम है। परिवार में आई किसी भी खुशी की घटना को समाज में विभिन्न वर्गों के बीच आपस में बांटने की प्रथा भी भारत में ही पाई जाती है। इस उपलक्ष में कई बार तो बहुत बड़े स्तर पर सामाजिक एवं धार्मिक आयोजन भी किए जाते हैं। जैसे जन्म दिवस मनाना, परिवार में शादी के समारोह के पश्चात समाज में नाते रिश्तेदारों, दोस्तों एवं मिलने वालों को विशेष आयोजनों में आमंत्रित करना, आदि बहुत ही सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा हैं। एक अनुमान के अनुसार भारत के विभिन्न मठों, मंदिरों, गुरुद्वारों एवं अन्य पूजा स्थलों पर प्रतिदिन 10 करोड़ से अधिक नागरिकों को प्रसादी के रूप में भोजन वितरित किया जाता है।

साथ ही, पूरी दुनिया में भारत ही एक ऐसा देश है, जिसमें निवासरत नागरिक, चाहे वह कितना भी गरीब से गरीब क्यों न हो, अपनी कमाई में से कुछ राशि का दान तो जरूर करता है। भारतीय शास्त्रों में वर्णन मिलता है कि हिंदू सनातन संस्कृति के अनुरूप, महर्षि दधीच ने तो, देवताओं को असुरों पर विजय प्राप्त करने के उद्देश्य से, अपने शरीर को ही दान में दे दिया था, जिसे इतिहास में उच्चत्तम बलिदान की संज्ञा भी दी जाती है।

आज के युग में जब अर्थ को अत्यधिक महत्व प्रदान किया जा रहा है, तब अधिक से अधिक धनराशि का दान करना ही शुभ कार्य माना जा रहा है। इस दृष्टि से वैश्विक स्तर पर नजर डालने पर ध्यान में आता है कि दुनिया में सबसे बड़े दानदाता के रूप में आज भारत के टाटा उद्योग समूह के श्री रतन टाटा का नाम सबसे ऊपर उभर कर सामने आता है। इस सूची में टाटा समूह के संस्थापक श्री जमशेदजी टाटा का नाम भी बहुत सम्मान के साथ लिया जाता है, जिन्होंने अपने जीवन में शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में 8.29 लाख करोड़ रुपए की राशि का महादान किया था। इसी प्रकार, श्री रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह ने वर्ष 2021 तक 8.59 लाख करोड़ रुपए की राशि का महादान किया था। आप अपनी कमाई का बहुत बड़ा हिस्सा गरीब वर्ग की सहायतार्थ दान में दे देते थे। श्री रतन टाटा केवल भारत स्थित संस्थानों को ही दान नहीं देते थे बल्कि वैश्विक स्तर पर समाज की भलाई के लिए कार्य कर रहे संस्थानों को भी दान की राशि उपलब्ध कराते थे। आपने वर्ष 2008 के महामंदी के दौरान अमेरिका स्थित कार्नेल विश्वविद्यालय को 5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का दान प्रदान किया था। श्री रतन टाटा ने आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे छात्रों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जे. एन. टाटा एंडाउमेंट, सर रतन टाटा स्कॉलर्शिप एवं टाटा स्कॉलर्शिप की स्थापना कर दी थी। श्री रतन टाटा चूंकि अपनी कमाई का बहुत बड़ा भाग दान में दे देते थे, अतः उनका नाम कभी भी अमीरों की सूची में बहुत ऊपर उठकर नहीं आ पाया। इस सूची में आप सदैव नीचे ही बने रहे। श्री रतन टाटा जी के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने अपने जीवन काल में इतनी बड़ी राशि का दान किया था कि आज विश्व के 2766 अरबपतियों के पास इतनी सम्पत्ति भी नहीं है।

यूं तो टाटा समूह ने भारत राष्ट्र के निर्माण में बहुत ही अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, परंतु कोरोना महामारी के खंडकाल में श्री रतन टाटा के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। जिस समय पूरा विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा था, उस समय श्री रतन टाटा ने न केवल भारत बल्कि विश्व के कई अन्य देशों को भी आर्थिक सहायता के साथ साथ वेंटिलेटर, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट, मास्क और दस्ताने आदि सामग्री उपलब्ध कराई। श्री रतन टाटा के निर्देशन में टाटा समूह ने इस खंडकाल में 1000 से अधिक वेंटिलेटर और रेस्पिरेटर, 4 लाख पीपीई किट, 35 लाख मास्क और दास्ताने और 3.50 लाख परीक्षण किट चीन, दक्षिणी कोरिया आदि देशों से भी आयात के भारत में उपलब्ध कराए थे।

श्री रतन टाटा के पूर्वज पारसी समुदाय से थे और ईरान से आकर भारत में रच बस गए थे। श्री रतन टाटा ने न केवल भारतीय हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों को अपने जीवन में उतारा, बल्कि इन संस्कारों का अपने पूरे जीवनकाल में अक्षरशः अनुपालन भी किया। इन्हीं संस्कारों के चलते श्री रतन टाटा को आज पूरे विश्व में सबसे बड़े दानदाता के रूप में जाना जा रहा है।

टाटा समूह का वर्णन तो यहां केवल उदाहरण के रूप में किया जा रहा है। अन्यथा, भारत में ऐसे कई औद्योगिक घराने हैं जिन्होंने अपनी पूरी संपत्ति को ही ट्रस्ट के माध्यम से समाज के उत्थान एवं समाज की भलाई के लिए दान में दे दिया है। प्राचीन भारत में यह कार्य राजा महाराजाओं द्वारा किया जाता रहा हैं। हिंदू सनातन संस्कृति के विभिन्न शास्त्रों में यह वर्णन मिलता है कि ईश्वर ने जिसको सम्पन्न बनाया है, उसे समाज में गरीब वर्ग की भलाई के लिए कार्य करना चाहिए। यह सहायता गरीब वर्ग को सीधे ही उपलब्ध कराई जा सकती है अथवा ट्रस्ट की स्थापना कर भी गरीब वर्ग की मदद की जा सकती है। वर्तमान में तो निगमित सामाजिक दायित्व (सी एस आर - कोरपोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी) के सम्बंध में कानून की बना दिया गया है। जिन कम्पनियों की सम्पत्ति 500 करोड़ रुपए से अधिक है अथवा जिन कम्पनियों का वार्षिक व्यापार 1000 करोड़ रुपए से अधिक है अथवा जिन

कम्पनियों का वार्षिक शुद्ध लाभ 5 करोड़ से अधिक है, उन्हें इस कानून के अंतर्गत अपने वार्षिक शुद्ध लाभ के दो प्रतिशत की राशि का उपयोग समाज की भलाई के लिए चलाई जा रही परियोजनाओं पर खर्च करना आवश्यक होता है। इन विभिन्न मदों पर खर्च की जाने वाली राशि का प्रतिवर्ष अंकेक्षण भी कराना होता है, ताकि यह जानकारी प्राप्त की जा सके राशि का सदुपयोग समाज की भलाई के लिए किया गया है एवं इस राशि का किसी भी प्रकार से दुरुपयोग नहीं हुआ है।

भारत में गरीब वर्ग/परिवारों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने में समाज में सम्पन्न वर्ग द्वारा किए जाने वाले दान आदि की राशि से भी बहुत मदद मिलती है। निगमित सामाजिक दायित्व (सी एस आर) योजना के अंतर्गत चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ भी समाज के गरीब वर्ग को ही मिलता है। अतः विश्व में शायद भारत ही एक ऐसा देश है जहां सरकार एवं समाज मिलकर गरीब वर्ग की भलाई हेतु कार्य करते हुए दिखाई देते हैं। इसीलिए ही अब यह कहा जा रहा है कि हिंदू सनातन संस्कृति का विस्तार यदि वैश्विक स्तर पर होता है तो, इससे पूरे विश्व का ही कल्याण हो सकता है एवं बहुत सम्भव है कि वैश्विक स्तर पर गरीबी का नाश होकर चहुं ओर खुशहाली फैलती दिखाई दे।

(सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

एक देश एक चुनाव : दलगत राजनीति से उठें सियासी दल

अखिलेश आर्येन्दु

केंद्र सरकार की तरफ से कानून मंत्री अर्जुनदेव मेघवाल ने बहुप्रतीक्षित बिल एक देश एक चुनाव को लोक सभा में 17 दिसम्बर को पेश किया, लेकिन विपक्षी दलों के विरोध के चलते हो हंगामा हुआ। इसी के बीच इसकी चर्चा और पारित किए जाने को लेकर मतदान कराया गया। मतदान में बिल के पक्ष में 269 और विपक्ष में 198 मत पड़े। बिल को जेपीसी के पास भेज दिया गया है।

यह पहली बार है जब किसी बिल पर विपक्ष के विरोध की वजह से मत विभाजन कराया गया। विपक्ष इससे संविधान पर असर पड़ने की बात कर रहा है तो सरकार इस आशंका को निराधार बता रही है, लेकिन इतना तो इस बार हुआ कि विपक्ष की एक जुटना की वजह से सरकार ने इसे जेपीसी को भेजा, लेकिन सवाल यह है कि क्या वाकई में इससे संविधान पर असर पड़ेगा या यह विपक्ष का महज प्रोपोगंडा भर है। दो माह पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल के जरिए 'एक राष्ट्र एक चुनाव' (ओएनओपी) को मंजूरी दिए जाने पर तमाम राजनीतिक दलों और राजनीति के जानकारों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आई थीं, लेकिन ज्यादातर लोगों ने निहित स्वार्थ से ऊपर उठकर इसका खैरमकदम किया। इस साल आम चुनाव में भाजपा ने ओएनओपी की प्रणाली चुनाव जीतने के बाद लागू करने का वादा किया था। यह उसी वादे को इस दिशा में अगला कदम है।

जानकारों का मानना है कि रिपोर्ट में लिखी गई बातें, सिफारिशें और नियम सभी राष्ट्र को मजबूत और विकसित राष्ट्र बनाने के अनुरूप हैं। हालांकि कुछ पार्टियां या बुद्धिजीवी कहे जाने वाले लोग इसे महज भाजपा का एक ध्यान हटाने का एजेंडा कह रहे हैं। यह उनकी सतही सोच का परिणाम ज्यादा लगता है। हकीकत से बहुत दूर। दरअसल, जब देशहित में कोई निर्णय केंद्र सरकार लेती है तो उस निर्णय का भविष्य में होने वाले सभी क्षेत्रों पर असर और समाज पर पड़ने वाले सकारात्मक और नकारात्मक असर पर भी गौर करती है। विपक्ष को यह नही भूलना चाहिए कि सबसे पहले देश है फिर कोई दल या मजहब। जो लोग ओएनओपी को विकास का मिशन बता रहे हैं उनके तर्क को भी बगैर दुराग्रह-आग्रह के समझा जाना चाहिए। तभी तो सोच और चिंतन निष्पक्ष माने जाएंगे। एक सकारात्मक तर्क इसके पक्ष में यह भी दिया जा रहा है कि इससे प्रशासनिक दक्षता बढ़ेगी और मतदान का प्रतिशत बढ़ सकता है, जो लोकतंत्र की मजबूती के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। मिसाल के तोर पर चुनाव आयोग की रिपोर्ट बताती है कि 2019 के चुनावों के दौरान तकरीबन 60 हजार करोड़ रुपए की हैरान करने वाली राशि का उपयोग किया गया था। इसमें चुनावी प्रक्रिया में हिस्सा लेने वाली राजनीतिक पार्टियों के जरिए वहन की गई लागत और चुनावों के आयोजन में भारत के चुनाव आयोग का खर्च शामिल है। इसके अलावा सुरक्षाकर्मियों की बार-बार तैनाती और स्थानांतरण से जुड़ी पर्याप्त और जाहिर लागतें हैं। ओएनओपी ऐसा दूरगामी देश नवनिर्माण का मिशन होगा जिससे साल भर चलने वाले चुनावों से तकरीबन छुटकारा मिल जाएगा। जाहिर तौर पर बार-बार के चुनाव से जहां विकास और प्रगति में जबरदस्त रुकावट आती है वहीं पर धन-जन-संसाधनों की बेतहाशा बबार्दी को रोकने में मदद मिलेगी। चुनाव आयोग के पूर्व आयुक्त ओपी रावत कुछ सुझाव देते हैं। वे सरकार को इसके लिए चार काम करने की बात कहते हैं, जिसमें संविधान के उन अनुच्छेदों में संशोधन जरूरी होगा, विधान सभाओं के कार्यकाल और राष्ट्रपति शासन लगाने के प्रावधानों को बदलना होगा। निर्वाचन आयोग के मुताबिक जन प्रतिनिधित्व कानून और सदन में अविश्वास प्रस्ताव को लाने के नियमों को बदलना होगा। इसके लिए अविश्वास प्रस्ताव की जगह रचनात्मक विश्वास प्रस्ताव की व्यवस्था करनी होगी। यानी अविश्वास प्रस्ताव के साथ यह भी बताना होगा कि किसी सरकार को हटाकर कौन सी नई सरकार बनाई जाए, जिसमें सदन को विश्वास हो ताकि पुरानी सरकार गिरने के बाद नई सरकार के साथ विधान सभा या लोक सभा का कार्यकाल पांच साल तक चल सके। ऐसे भी सवाल उठाए जा रहे हैं कि इसके लागू होने के बाद केंद्र और राज्य सरकारों के बीच टकराहट बढ़ जाएगी। लोक सभा के पूर्व महासचिव पीडीटी आचारी का मानना है

कि एक देश एक चुनाव का मुद्दा व्यावहारिक नहीं है क्योंकि इसके लिए जरूरी है कि देश की सभी विधान सभाएं एक साथ भंग हों, जो संभव ही नहीं है।

वहीं पर पूर्व मुख्य चुनाव अयुक्त एस.वाई. कुरैशी का मानना है कि एक साथ चुनाव कराने का मतलब है आपको स्थानीय निकायों के चुनाव भी साथ कराने होंगे। ऐसे में जनता एक बार बटन दबाए या तीन बार दबाए, इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। सवाल यह भी उठाया जा रहा है कि राज्य में चुनाव के बाद किसी एक दल या गठबंधन को बहुमत न मिले तो ऐसे हालात में राजनीतिक अस्थिरता खड़ी हो सकती है। ऐसे तमाम मुद्दों को लेकर एक राष्ट्र एक चुनाव पर सवाल किए जा रहे हैं। देखना यह है कि केंद्र सरकार ऐसा कौन सा रास्ता व कदम उठाती है जिससे सबकी सहमति हासिल हो जाए।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया |सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

इंडस्ट्री में आत्मसम्मान को भी घमंड समझा जाता है

अभिनेता मनोज बाजपेयी करीब तीन दशक से इंडस्ट्री में हैं। आज वे जहां हैं, उन्होंने वह जगह खुद अपनी मेहनत के दम पर बनाई है। मनोज बाजपेयी इंडस्ट्री की मुख्यधारा के कई चलनों से खुद को दूर रखते हैं। इस पर वे खुलकर बात भी करते नजर आते हैं। हाल ही में मनोज बाजपेयी इंडस्ट्री में अपने सफर पर बात करते दिखे। इस दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें घमंडी समझा जाता है। इसकी वजह है।

पार्टी में क्यों नहीं जाते एक्टर?

हाल ही में एक मीडियो इंटरव्यू के दौरान मनोज बाजपेयी से पूछा गया कि वह विवादों से कैसे दूर रहते हैं और पार्टियों में जाने भी बचते हैं? इस पर एक्टर ने कहा, मेरा कोई बड़ा विवाद नहीं रहा है, लेकिन हां, मैं किसी पार्टी में नहीं जाता हूं। अब लोग मुझे आमंत्रित भी नहीं करते हैं, क्योंकि उन्हें समझ आ गया है कि मेरे न जाने से नाराज और अपमानित होने की क्या जरूरत है, जिससे मैं बहुत खुश हूं। कृपया मुझे फोन न करें। मै रात को दस से साढ़े दस के बीच सो जाता हूं। सवेरे जल्दी उठता आया हूं हमेशा।

कौन है इंडस्ट्री में दोस्त?

अभिनेता ने आगे कहा, मैं कुछ लोगों से मिलने जाता हूं, मेरे कुछ निर्देशक मित्र हैं। शारिब हाशमी हैं, लेकिन अभिनेता मेरे ज्यादा दोस्त नहीं हैं। मैं के के मेनन को जानता हूं और मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। यहां तक कि नवाजुद्दीन सिद्दीकी को भी, लेकिन अक्सर हमारी मुलाकात नहीं होती है। हम सभी बहुत व्यस्त लोग हैं।

घमंडी समझते हैं लोग

मनोज बाजपेयी ने आगे कहा, जो लोग मुझे नहीं जानते हैं, वे मेरे प्रति एक धारणा बनाए बैठे हैं। कुछ लोग सोचते हैं कि मैं बहुत घमंडी हूं, क्योंकि मैं रिजर्व रहता हूं। अलग-थलग रहता हूं। मैं अपनी निजता का सम्मान करता हूं। अगर किसी को लगता है कि मैं घमंडी हूं, तो ऐसा ही सही। जिस दिन वे मेरे साथ बैठेंगे और मुझे जानेंगे, इन सभी बातों को समझ जाएंगे। मैं घमंडी नहीं हूं, लेकिन मैं आत्म-सम्मान खा ख्याल रखता हूं। मनोज बाजपेयी के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी फिल्म डिस्पैच हाल ही में ओटीटी पर रिलीज हुई है। इसे जी5 पर देखा जा सकता है।

संदीप रेड्डी वांगा की स्पिरिट में प्रभास के अपोजिट नजर आएंगी मृणाल ठाकुर?

संदीप रेड्डी वांगा ने दो हिट फिल्मों कबीर सिंह और एनिमल के साथ बॉलीवुड में अपने लिए जगह बनाई है। और अब, वह पैन इंडिया स्टार प्रभास की मुख्य भूमिका वाली एक और बड़ी फिल्म स्पिरिट बनाने के लिए तैयार हैं। फिल्म में प्रभास एक पुलिस वाले के किरदार में होंगे और इसके 2025 की पहली तिमाही में फ्लोर पर जाने की उम्मीद है। इसी बीच फिल्म की स्टारकास्ट पर आए नए और बड़े अपडेट ने प्रशंसकों के उत्साह को चरम पर पहुंचा दिया है। स्पिरिट की टीम वर्तमान में प्री-प्रोडक्शन के साथ-साथ फिल्म के लिए कास्टिंग भी कर रही है। रिपोर्ट की मानें तो निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा और निर्माता भूषण कुमार इस एक्शन फिल्म की फीमेल लीड के लिए अभिनेत्री मृणाल ठाकुर के साथ बातचीत कर रहे हैं।

करीना-सैफ की जोड़ी भी मचाएगी धमाल

फिल्म स्पिरिट भारतीय सिनेमा की सबसे महत्वाकांक्षी और प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इसके निर्माता कथित तौर पर फिल्म में सर्वश्रेष्ठ और सबसे प्रतिभाशाली अभिनेताओं को शामिल करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। खबरें तो यह भी हैं कि इसमें रियल लाइफ कपल करीना कपूर खान और सैफ अली खान भी नजर आएंगे। फिल्म में दोनों की नकारात्मक भूमिका होने की अटकलें हैं।

स्पिरिट में होंगे कुछ ग्रे एलिमेंट्स

स्पिरिट को एसआरवी और हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बताया जा रहा है। यह पुलिस आधारित फिल्मों को आम तौर पर देखने के तरीके को बदलने का उनका प्रयास माना जा रहा है। फिल्म में अच्छे-बुरे किरदार के साथ-साथ कुछ ग्रे एलिमेंट्स भी हैं, जिनके लिए वांगा को जाना जाता है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

इस फिल्म में भी हर्षवर्धन रामेश्वर संगीत दे रहे हैं, जिन्होंने संदीप की पिछली ब्लॉकबस्टर एनिमल में संगीत दिया था। स्पिरिट का निर्माण भद्रकाली पिक्चर्स और टी-सीरीज द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। स्पिरिट के 2026 में रिलीज होने की संभावना है। फिल्म की समाप्ति के तुरंत बाद संदीप रेड्डी वांगा रणबीर कपूर के साथ एनिमल पार्क की शूटिंग के लिए आगे बढ़ेंगे।

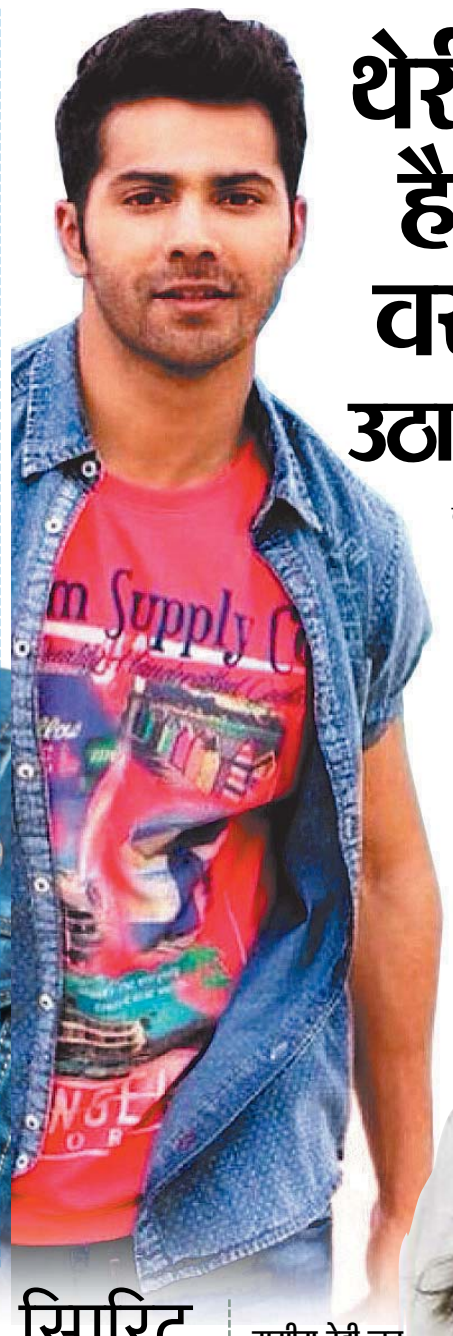

थेरी की रीमेक है बेबी जॉन? वरुण धवन ने उठाया सच से पर्दा

वरुण धवन की अगली फिल्म बेबी जॉन 25 दिसंबर को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को लेकर खबरें हैं कि यह 2016 की तमिल फिल्म थेरी की रीमेक है। हालांकि, अब वरुण धवन ने इन रिपोर्ट्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। वरुण ने साफ किया है कि फिल्म रीमेक नहीं बल्कि एक रूपांतरण है। वरुण धवन के अनुसार, फिल्म के प्लॉट में बड़ा बदलाव किया है। बेबी जॉन को कलीस ने निर्देशित किया है वहीं एटली इसके निर्माता हैं।

समीरा रेड्डी जब फिल्मों में आई थीं, तो उनके चेहरे की मासूमियत ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। आगे उन्होंने अपने बोल्ड अंदाज से भी दर्शकों को हैरान किया। लेकिन लंबे समय से यह एक्ट्रेस फिल्मों से दूर है। आखिर क्या कर रही हैं, समीरा इन दिनों? एक्टिंग नहीं कर रही हैं, तो कहां व्यस्त हैं?

एक्टिंग से दूर होकर भी चर्चा में रहती हैं समीरा

कुछ साल ही फिल्मों में नजर आईं समीरा रेड्डी ने साल 2002 में फिल्म 'मैंने दिल तुझको दिया' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद वह कई बड़ी हिंदी फिल्मों में नजर आईं। साथ ही समीरा ने अलग-अलग दक्षिण भारतीय भाषा की फिल्में भी कीं। साल 2013 में वह आखिर बार एक दक्षिण भारतीय फिल्म में नजर आई थीं। साल 2014 में समीरा ने अक्षय वर्दे नाम के एक बिजनेस मैन से शादी कर ली और वह गोवा में बसी गईं। समीरा और अक्षय के दो बच्चे हैं, एक बेटा और एक बेटी। एक्ट्रेस समीरा पूरी तरह से अपनी फैमिली लाइफ में व्यस्त हो गईं। अब बनी गईं सोशल मीडिया इस समय भी समीरा फैमिली लाइफ पर ध्यान दे रही हैं, साथ ही एक सफल सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर भी बन चुकी हैं। वह अपने फैंस से, ऑडियंस से कनेक्ट रहती हैं। इसके लिए सोशल मीडिया का सहारा लेती हैं। समीरा इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव हैं, वह शानदार वीडियो बनाकर पोस्ट करती हैं। साथ ही इस प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों की जिंदगी में एक पॉजिटिव चेंज भी ला रही हैं। समीरा एक सफल सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर हैं तो लोग उनकी बातों को गंभीरता से लेते हैं। खासकर उनकी फैन फॉलोइंग में महिलाओं की संख्या बहुत अधिक है। ऐसे में समीरा लंबे समय से बॉडी पॉजिटिविटी पर बात करती हैं। वह आम महिलाओं को सेल्फ लव की सलाह देती हैं।

तापसी पन्नू की फिल्म हसीन दिलरुबा के तीसरे पार्ट को लेकर आया बड़ा अपडेट

तापसी पन्नू की हसीन दिलरुबा फ्रेंचाइजी ने 2021 में नेटफ्लिक्स पर अपनी शुरुआत के बाद से बहुत प्रशंसा हासिल की है। यह रोमांस और अपराध का एक रोमांचक मिश्रण था और दर्शकों द्वारा इतना पसंद किया गया कि यह एक बड़ी हिट बन गई। पन्नू के साथ, विक्रांत मैसी और हर्षवर्धन राणे ने भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई, फिल्म की मनोरंजक कहानी और नाटकीय मोड़ ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दूसरे पार्ट में सनी कौशल की एंट्री हुई वह भी हिट रही। वहीं, अब इसके तीसरे पार्ट को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। जानकारी के अनुसार, फ्रेंचाइजी के प्रशंसकों को बड़ा तोहफा मिलने वाला है। थिएटर में दस्तक देगी हसीन दिलरुबा की तीसरी किस्त हसीन दिलरुबा के निर्माताओं ने इस साल की शुरुआत में इसका सीक्वल फिर आई हसीन दिलरुबा रिलीज किया। ओरिजनल फिल्म की तरह दूसरी किस्त को भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बड़े पैमाने पर दर्शक मिले और चार्ट में शीर्ष स्थान पर रही। अब, इंडस्ट्री के अंदरूनी सूत्रों ने खुलासा किया है कि हसीन दिलरुबा के निर्माता अब फिर से ओटीटी मार्ग का अनुसरण करने के बजाए सिनेमाघरों में तीसरी किस्त जारी करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। थिएटर रिलीज की बढ़ी डिमांड जानकारी के अनुसार, हसीन दिलरुबा फ्रेंचाइजी की पहली दो फिल्में ओटीटी पर इतनी सफल हुईं कि विभिन्न वितरकों ने निर्माताओं से तीसरी फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज करने के लिए कहना शुरू कर दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि तापसी पन्नू स्टारर इस फिल्म के तीसरे पार्ट की थिएटर रिलीज की काफी डिमांड है। निर्माता अब हसीन दिलरुबा की तीसरी किस्त को सिनेमाघरों में लाने पर विचार कर रहे हैं।

दर्शकों की उम्मीदें बढ़ीं

अगर तीसरी फिल्म वास्तव में सिनेमाघरों में रिलीज होती है, तो यह प्रशंसकों को बड़े पर्दे पर हसीन दिलरुबा के रहस्य और नाटक का अनुभव करने का मौका देगी। ओरिजिनल और उसके सीक्वल दोनों की सफलता को देखते हुए, तीसरे भाग से उम्मीदें काफी ज्यादा हैं। संभावना है कि दर्शकों को इसके नाटकीय रिलीज की घोषणा का बेसब्री से इंतजार होगा।

हसीन दिलरुबा फ्रेंचाइजी की सफलता

विनिल मैथ्यू द्वारा निर्देशित और कनिका ढिल्लन द्वारा लिखित पहली फिल्म में तापसी पन्नू, विक्रांत मैसी और हर्षवर्धन राणे ने अभिनय किया था। यह नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हुई और उस वर्ष मंच पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली हिंदी फिल्म बन गई, जो 22 देशों में शीर्ष 10 में रही। जयप्रद देसाई द्वारा निर्देशित और कनिका ढिल्लों द्वारा लिखित अगली कड़ी फिर आई हसीन दिलरुबा ने पांच साल बाद कहानी जारी रखी, जिसमें तापसी पन्नू, विक्रांत मैसी और सनी कौशल ने अभिनय किया। फिल्म को इसकी अनूठी कहानी और तापसी पन्नू के प्रदर्शन के लिए सराहा गया, वहीं इसकी गति और कुछ कथानक मोड़ के लिए इसे आलोचना भी मिली।

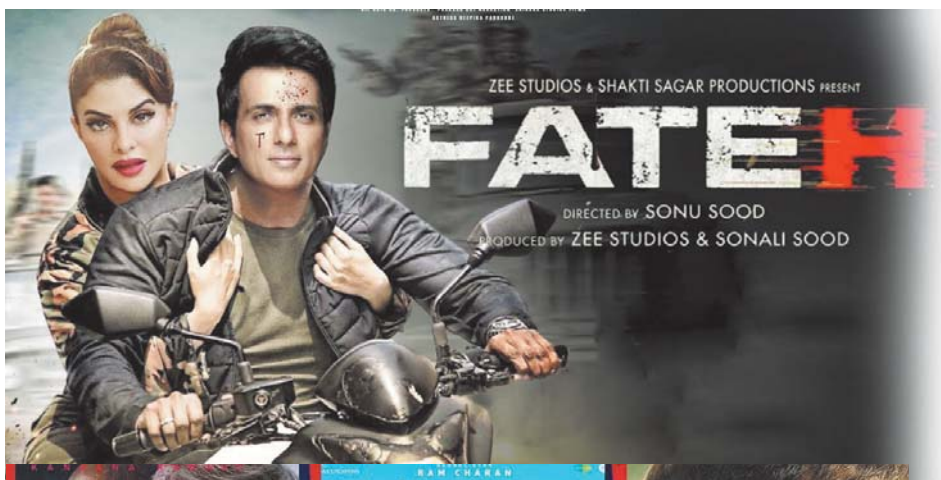

जनवरी में बजेगा साउथ-बॉलीवुड की फिल्मों का डंका, कंगना रनौत-राम चरण की फिल्म भी शामिल

अगले साल जनवरी में कई धमाकेदार बॉलीवुड और साथ ही साउथ की धमाकेदार फिल्में रिलीज होने वाली हैं। इन सभी फिल्मों की रिलीज का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस लिस्ट में कंगना रनौत से लेकर राम चरण तक की फिल्में शामिल हैं। आइए जानते हैं जनवरी 2025 में रिलीज होने वाली फिल्मों की लिस्ट।

इस लिस्ट में बॉलीवुड और साउथ की कई फिल्में शामिल हैं। जनवरी 2025 में रिलीज होने वाली इन फिल्मों में राम चरण और कियारा आडवाणी की फिल्म गेम चेंजर, अजय देवगन और राशा की फिल्म आजाद, कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी और सोनू सूद और जैकलीन की फतेह शामिल हैं।

गेम चेंजर

पैन इंडिया स्टार राम चरण की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म गेम चेंजर की रिलीज का दर्शकों काफी लंबे समय से इंतजार है। फिल्म के टीजर, ट्रेलर और गानों ने प्रशंसकों के उत्साह को और अधिक बढ़ा दिया है। फिल्म के शानदार गाने और धमाकेदार ट्रेलर पहले ही दर्शकों का दिल जीत चुके हैं। गेम चेंजर में राम चरण एक आईएएस ऑफिसर की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म में वो बाप और बेटे दोनों का किरदार निभाते नजर आएंगे। इस फिल्म में राम चरण के अलावा कियारा आडवाणी, अंजलि, समुथिरकानी, एसजे सूर्या, श्रीकांत, प्रकाश राज और सुनील भी नजर आएंगे। गेम चेंजर सभी दक्षिण भारतीय भाषाओं और हिंदी में रिलीज होगी। राम चरण और कियारा आडवाणी की फिल्म गेम चेंजर 10 जनवरी 2025 को रिलीज होगी।

आजाद

निर्देशक अभिषेक कपूर की फिल्म आजाद में अजय देवगन के अलावा राशा थडानी और अमन देवगन ने मुख्य अभिनय निभाया है। फिल्म आजाद 17 जनवरी 2025 को रिलीज होगी। इस फिल्म में अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन और रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अपना डेब्यू कर रही हैं। आजाद का टीजर रिलीज हो चुका है, जो दर्शकों को बेहद पसंद भी आया। इस फिल्म का निर्माण रॉनी स्क्रूवाला और प्रज्ञा कपूर कर रहे हैं। फिल्म में अजय, राशा और अमन के अलावा इसमें डायना पेंटी, पीयूष मिश्रा और मोहित मलिक जैसे सितारे भी नजर आएंगे।

फतेह

फतेह एक आगामी बॉलीवुड एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन खुद सोनू सूद कर रहे हैं। फिल्म में सोनी के अलावा जैकलीन नजर आएंगी। यह पहली फिल्म है, जिसका निर्देशन सोनू ने किया है। सोनू और जैकलीन के अलावा फिल्म में शिव ज्योति राजपूत और नसीरुद्दीन शाह भी नजर आएंगे। इस फिल्म का टीजर 16 मार्च को रिलीज हुआ था। फिल्म फतेह 10 जनवरी 2025 को रिलीज होगी।

इमरजेंसी

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी 17 जनवरी को रिलीज होगी। इस फिल्म में अभिनेत्री कंगना रनौत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म में अभिनय करने के अलावा कंगना फिल्म की निर्माता-निर्देशक भी हैं। इस फिल्म में कंगना के अलावा अनुपर खेर, महिमा चौधरी, श्रेयस तलपदे जैसे सितारे नजर आएंगे।

बारिश के कारण भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट मैच हुआ ड्रा

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गये तीसरे टेस्ट मैच को पांचवें दिन बुधवार को भारत की दूसरी पारी में शुरु हुई बारिश के कारण ड्रा घोषित कर दिया गया। ट्रैविस हेड को उनके शानदार खेल के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवजा गया। पांच मैचों की श्रृंखला में दोनों टीमें एक-एक मैच जीत कर बराबरी पर है।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी के आधार पर मिली 185 रनों की बढ़त के बाद दूसरी पारी सात विकेट पर 89 रन पर घोषित कर भारत को जीत के लिए 275 रनों का लक्ष्य दिया था।

ऑस्ट्रेलिया के 275 रनों के लक्ष्य के जवाब में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 2.1 ओवर में बिना कोई विकेट खोए आठ रन बनाये थे कि तेज बारिश शुरु हो गई। चायकाल के समाप्त होने बावजूद हो रही हल्की बारिश के कारण अम्पायरों ने मैच को ड्रा घोषित कर दिया। यशस्वी जायसवाल (नाबाद चार) और के एल राहुल (नाबाद चार) रन क्रीज पर थे।

भारत ने सुबह के सत्र में आज नौ विकेट पर 252 रनों से आगे खेलना शुरु किया। अभी टीम के स्कोर में आठ रन और जुड़े थे कि ट्रैविस हेड ने आकाश दीप को विकेटकीपर कैरी के हाथों कैच आउट कराकर 260 के स्कोर पर भारतीय पारी का अंत कर दिया। आकाश दीप ने 44 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 31 रनों की पारी खेली। वहीं जसप्रीत बुमराह 10 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के स्कोर के आधार पर 185 रनों की बढ़त मिली।

इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम तेजी से रन बनाने के प्रयास में लगातार अपने विकेट खोती रही। उस्मान ख्वाजा (आठ), मार्नस लाबुशेन (एक) को बुमराह ने अपना शिकार बनाया। नेथन मैकस्वीनी (चार), मिचेल मार्श (दो) को आकाश दीप ने आउट किया। ट्रैविस हेड (17) और स्टीव स्मिथ (चार) को मोहम्मद सिराज ने आउट किया। 18वें ओवर में बुमराह ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस (22) को आउट कर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने 89 रन पर अपनी दूसरी पारी घोषित कर दी। भारत की ओर जसप्रीत बुमराह ने तीन, आकाश दीप और मोहम्मद सिराज ने दो-दो विकेट लिये। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 445 रन बनाये थे।

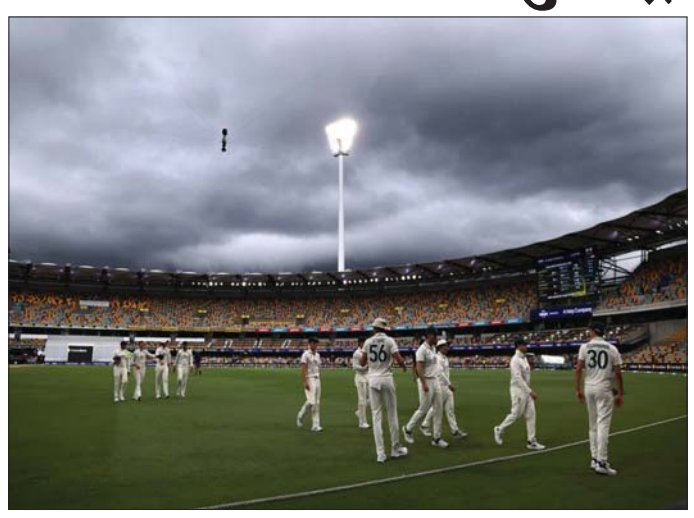

ऑस्ट्रेलिया टीम ने अश्विन को दी स्पैशल टीशर्ट, कमिंस बोले- वह बेहतरीन खिलाड़ी है

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस नहीं मानते कि यहां तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ रहने के बाद 5 मैच की श्रृंखला में लय भारत के पक्ष में बन गई है और उन्हें इस बात की खुशी है कि उनकी टीम ने बल्लेबाजी के लिए अनुकूल परिस्थितियों में पहली पारी में भारतीय टीम को बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया। तीसरे टेस्ट मैच में अधिकतर समय अपना पलड़ा भारी रखने वाले ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को यहां अपनी दूसरी पारी 7 विकेट पर 89 रन पर समाप्त घोषित करके भारत के सामने 275 रन का लक्ष्य रखा था लेकिन बारिश के कारण आखिर में यह मैच ड्रॉ रहा। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के सभी सदस्यों ने अश्विन को एक विशेष जर्सी भेंट की जिसपर सभी क्रिकेटरों के हस्ताक्षर थे।

कमिंस ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मैं यह नहीं कह सकता कि मैं कभी लय को लेकर परेशान रहा। वास्तव में मैं इसकी कभी परवाह नहीं करता। मुझे लगता है कि इस सप्ताह के अपने प्रदर्शन से हम काफी कुछ हासिल कर सकते हैं। हमारे बल्लेबाजों ने दो शानदार साझेदारियां निभाई। हमने नए विकेट पर बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर 450 (445) रन बनाए और जब विकेट से बल्लेबाजों को थोड़ा मदद मिल रही थी तब भारत को 250 (260) रन पर आउट करने में सफल रहे। अपने इस प्रदर्शन से हम काफी प्रेरणा दे सकते हैं।

अब जबकि श्रृंखला 1-1 से बराबर है तब भारत के स्टार ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने संन्यास की घोषणा करके सबको चौंका दिया, जिनमें कमिंस भी शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान ने कहा कि निश्चित तौर पर यह थोड़ा चौंकाने वाला रहा। वह निश्चित तौर पर बेहतरीन खिलाड़ी है। ऐसे बहुत कम ऑफ स्पिनर हैं जिन्होंने इतने लंबे समय तक अपनी छाप छोड़ी। इसकी गणना सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में की जाएगी। उन्होंने कहा कि वह हमेशा शानदार प्रतिस्पर्धी रहा। ऑस्ट्रेलिया और भारत में हमारे और उसके बीच काफी रोचक प्रतिस्पर्धा हुई। हमारी टीम उसका बहुत सम्मान करती है।

कमिंस ने बारिश के कारण ड्रॉ रहे तीसरे टेस्ट मैच को निराशाजनक बताया क्योंकि खिलाड़ियों को कई बार अंदर बाहर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि हमें कई बार अंदर बाहर होना पड़ा। मुझे याद नहीं कि अतीत में कभी ऐसा हुआ होगा। यह निराशाजनक था। कमिंस ने इसके साथ ही कहा कि तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटिल होने के कारण श्रृंखला में आगे नहीं खेल पाएंगे लेकिन उन्हें उम्मीद है कि ट्रैविस हेड अगले मैच तक फिट हो जाएंगे जिनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया है। उन्होंने कहा कि जोश आगे श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे जो कि निराशाजनक है। जहां तक ट्रैविस का सवाल है तो वह जल्द ही फिट हो जाएगा। उसकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया है लेकिन वह मेलबर्न टेस्ट (26 दिसंबर से) तक फिट हो जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका ने आगामी पाकिस्तान सीरीज के लिए टेस्ट टीम की घोषणा की

केप टाउन (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार को अपनी आगामी पाकिस्तान सीरीज के लिए टेस्ट टीम की घोषणा कर दी है। अनकैप्ड कॉर्बिन बॉश को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। बॉश के पास 40 से अधिक की प्रथम श्रेणी बल्लेबाजी औसत और 36.75 की गेंदबाजी औसत के साथ एक ऑल-राउंड संभावना है, और पुरुष अंडर-19 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले उभरते

हुए तेज गेंदबाज क्वेना मफाका को शामिल किया है। दो मैचों की टेस्ट सीरीज 26 दिसंबर को सेंचुरियन में शुरू होगी। सीरीज का दूसरा और अंतिम मैच 3 जनवरी से केपटाउन में खेला जाएगा।

वियान मुल्डर, जो इस सीजन की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से चूक गए थे, को भी टीम में शामिल किया गया है क्योंकि वह अपनी उंगली में फ्रैक्चर से उबरने के अंतिम चरण को पूरा कर रहे हैं। अगर ऑलराउंडर को पहले टेस्ट के लिए चुना जाता है, तो बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्ज़के को टीम से बाहर कर दिया जाएगा। पाकिस्तान के खिलाफ पहले वनडे से पूर्व कमर में गंभीर खिंचाव वाले स्पिनर केशव महाराज भी टीम में हैं, लेकिन उन्हें आगे के परीक्षणों से गुजरना होगा। दक्षिण अफ्रीका के रेड-बॉल कोच शुकरी कॉनराड ने कहा कि उनकी टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल को देखते हुए सकारात्मक परिणाम हासिल करने पर केंद्रित है। फिलहाल दक्षिण अफ्रीका स्टैंडिंग में सबसे आगे है। आईसीसी ने शुकरी कॉनराड के हवाले से कहा, %हम इस सीरीज में स्पष्ट लक्ष्य के साथ उतरेंगे, जिसमें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाना होगा। हमने ऐसी टीम चुनी है जो हमें इसे हासिल करने का सबसे अच्छा मौका देती है। यह दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट के लिए एक रोमांचक समय है और हम विशेष रूप से पाकिस्तान के खिलाफ इस मुकाबले का इंतजार कर रहे हैं। वे हमेशा अपने प्रतिभाशाली तेज गेंदबाजों के साथ एक मजबूत चुनौती पेश करते हैं और मुझे उम्मीद है कि इस बार भी ऐसा ही होगा।''

दक्षिण अफ्रीका टीम

टेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंघम, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, टोनी डी ज़ोरज़ी, मार्को जेनसन, केशव महाराज, क्वेना मफाका, एडेन मार्कराम, वियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, डेन पैटरसन, कागिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरिन।

आर अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारत के दिग्गज स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने बुधवार को क्रिकेट के तीनों प्रारूपों से संन्यास ले लिया। आज यहां अश्विन ने गाबा टेस्ट के बाद संवाददाता सम्मेलन में अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। इस दौरान कप्तान रोहित शर्मा भी उनके साथ थे। संन्यास से पहले अश्विन ड्रेसिंग रूम में विराट कोहली के साथ बैठे नजर आए थे। इस दौरान कोहली ने उन्हें गले भी लगाया था। अश्विन एडिलेड डे नाइट टेस्ट में टीम इंडिया का हिस्सा रहे थे।

अश्विन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ÷एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर के तौर पर सभी प्रारूपों में ये मेरा आखिरी मैच था। मेरे अंदर अभी भी क्रिकेट शेष है, लेकिन वो अब मैं क्लब स्तर क्रिकेट में दिखाना चाहूंगा। मैंने क्रिकेट का भरपूर आनंद लिया। रोहित और बाकी खिलाड़ियों के साथ काफी यादे है। मैं बीसीसीआई और साथी खिलाड़ियों का धन्यवाद करना चाहूंगा। कुछ लोगों के नाम भी लेना चाहूंगा। सभी कोच जो इस यात्रा का हिस्सा रहे। रोहित, विराट, रहाणे, जिन्होंने कई सारे कैच पकड़े और मुझे मेरे विकेटों को लेने में मदद की। ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट टीम को भी धन्यवाद, मैंने उनके खिलाफ खेलना हमेशा एंजॉय किया।÷

अश्विन ने क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में 287 मैच खेले और 765 विकेट लिए। अश्विन भारत के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनसे आगे सिर्फ अनिल कुंबले हैं, जिन्होंने 953 विकेट लिए हैं। आर अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट में 106 मैचों में 537 विकेट लिए है। उन्होंने 37 बार पांच विकेट और आठ बार उन्होंने मैच में 10 विकेट लिए। अश्विन ने 116 एकदिवसीय मैचों में 156 विकेट लिये। वहीं 65 टी-20 मैचों में 72 विकेट चटकाए। अश्विन ने बतौर बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में 3503 रन बनाए और उन्होंने कुल छह टेस्ट शतक लगाए। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनके नाम कुल आठ शतक रहे। एकदिवसीय क्रिकेट में 707 रन और टी-20 में उनके नाम 184 रन हैं।

वेस्टइंडीज ने भारत को 9 विकेट से हराया, महिला टी20 सीरीज 1-1 से बराबर

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज महिला टीम ने कप्तान हेले मैथ्यूज की शानदार पारी की बदौलत भारत को 9 विकेट से हराकर टी20 सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है। यह मुकाबला नवी मुंबई के डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में खेला गया। मैथ्यूज ने 47 गेंदों में 85 रनों की विस्फोटक पारी खेली और अपनी टीम को आसान जीत दिलाई। उनके इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में मामूली स्कोर बनाया, जिसे वेस्टइंडीज ने आसानी से एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। हार के बाद भारतीय कप्तान स्मृति मंधाना ने स्वीकार किया कि उनकी टीम अपनी योजनाओं को सही ढंग से लागू नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि टी20 क्रिकेट में ऐसा होता है। परिस्थितियां हमारे पक्ष में नहीं थीं और पिच पर नमी थी, लेकिन यह कोई बहाना नहीं हो सकता। हमें गेंदबाजी में अपनी रणनीति बेहतर करनी होगी। ओस की वजह से चुनौतियां थीं, लेकिन हमें अगले मुकाबले में मजबूत वापसी करनी होगी। वहीं, वेस्टइंडीज की कप्तान हेले मैथ्यूज ने अपनी टीम के प्रदर्शन पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि पिछले मैच में हमारा प्रदर्शन निराशाजनक था, इसलिए आज हमें बेहतर करना जरूरी था। हमने खेल पर नियंत्रण रखा और यह तय किया कि हम इसे मजबूती से खत्म करना है। भारत को सीमित स्कोर पर रोककर हमें लगा कि लक्ष्य आसानी से हासिल किया जा सकता है। विंडीज की ऑलराउंडर डिआंड्रा डॉटिन ने भी टीम की तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह जीत हमारे दृढ़ संकल्प और बुनियादी क्रिकेट पर टिके रहने का नतीजा है।

रोहित अगर रन नहीं बनाते है तो कप्तानी छोड़ सकते है : सुनील गावस्कर

ब्रिसबेन । भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने कहा कि मुझे लगता है कि आगामी मैचों में अगर कप्तान रोहित शर्मा की खराब फॉर्म जारी रही तो वह कप्तान छोड़ देंगे। बुधवार को यहां एक खेल चैनल से गावस्कर ने कहा, 'मुझे लगता है कि रोहित को निश्चित रूप से अगले कुछ मैचों में खेलने का मौका मिलेगा, यह पक्का है। लेकिन सीरीज के अंत में अगर वह रन नहीं बना पाए तो मुझे ऐसा लग रहा है कि रोहित कुछ फैसला करेंगे। वह बहुत ही कर्तव्यनिष्ठ क्रिकेटर है, वह टीम पर बोझ नहीं बनना चाहेगा। उन्हें शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों द्वारा सामना किए जाने वाले दबावों की गहरी समझ है।' उन्होंने कहा, 'वह एक ऐसा क्रिकेटर है जो भारतीय क्रिकेट की बहुत परवाह करता है। इसलिए अगर वह अगले कुछ मैचों में रन नहीं बनाता है, तो मुझे लगता है कि वह खुद ही पद छोड़ देंगे।' उल्लेखनीय है कि रोहित एडिलेड टेस्ट में भारतीय टीम से जुड़े। इस टेस्ट में उन्होंने 23 गेंदों पर तीन रन और 26 गेंदों पर नौ रन बनाकर आउट हुए। रोहित ने तीसरे टेस्ट में भी मध्यक्रम में ही उतरने का फैसला किया। तीसरे दिन बारिश के कारण रोहित को ज्यादा देर क्रीज पर समय बिताने का मौका नहीं मिला। चौथे दिन मंगलवार को रोहित 10 रन बनाकर आउट हुए थे। रोहित इस साल प्रदर्शन खराब रहा है और उन्होंने इस साल अब तक 24 पारियों में 26.39 के औसत से 607 रन बनाए हैं।

शमीम हुसैन, मेहदी हसन मिराज के शानदार प्रदर्शन के दम पर जीता बांग्लादेश

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त

सेंट विंसेंट (एजेंसी)। शमीम हुसैन (नाबाद 35), मेहदी हसन मिराज (26) रनों की पारी के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर बांग्लादेश ने दूसरे टी-20 मैच में वेंस्टइंडीज को 27 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ ही बंगलादेश ने तीन टी-20 मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं। बांग्लादेश के 129 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम बांग्लादेश के गेंदबाजी आक्रमण के आगे 102 रनों पर ढ़ेर हो गई। वेस्टइंडीज के लिए रॉस्टन चेज ने सर्वाधिक (32) रनों की पारी खेली। अकील हुसैन ने (31) और जॉनसन चार्ल्स ने (14) रन बनाए।

वेस्टइंडीज के बाकी आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। बांग्लादेश के लिए तसकीन अहमद ने तीन विकेट झटके। महेदी हसन, तनजीम हसन

साकिब और रिशाद हुसैन को दो-दो विकेट हासिल किए। हसन महमूद ने एक बल्लेबाज को आउट किया। शमीम हुसैन को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। इसके पहले वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने महज 11 रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिए। कप्तान लिटन कुमार दास (तीन) और तंजिद हसन (दो) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सौम्य सरकार भी (11) रन आउट होकर पवेलियन लौट गए। मेहदी हसन मिराज और जाकेर अली ने पारी संभालने का प्रयास किया। मेहदी हसन मिराज (26) और जाकेर अली (21) रन बनाकर आउट हुए। शमीम हुसैन ने बंगलादेश के लिए 17 गेंदों में (35) रनों की पारी खेली। बांग्लादेश की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 129 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से गुडाकेश मोती ने दो विकेट लिए। अकील हुसैन, रॉस्टन चेज, अल्जारी जोसेफ और ओबेद मकॉए ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

गूगल बुमराह का दीवाना, पोस्ट में लिखा- मैं जस्सी भाई पर यकीन करता हूं

-दक्षिण अफ्रीका में जसप्रीत को सिराज ने दिया था जस्सी भाई नाम

नई दिल्ली, । ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) का चौथा दिन टीम इंडिया के लिए संघर्ष भरा था। भारतीय गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह और आकाश दीप ने पांचवें दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम को फॉलोऑन न देकर संभावित और शर्मनाक पारी की हार को टाल दिया। फॉलो-ऑन और संभावित पारी की हार से बचने की चुनौती के साथ, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा के अर्धशतकों के साथ-साथ बुमराह और आकाश दीप के बीच साझेदारी ने भारत को चौथे दिन का अंत 252/9 पर करने में मदद की। इन पारियों ने भारत को टेस्ट में लड़ने का मौका दिया। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 76 रन देकर छह विकेट लेने के बाद फैंस बुमराह के रनों का शुक्रिया अदा नहीं कर सके। आभार में शामिल होते हुए गूगल इंडिया ने भी बुमराह के लिए एक प्रशंसा पोस्ट साझा की, जिसे प्यार से जस्सी भाई कहा जाता है। गूगल इंडिया की एक पोस्ट में लिखा है- मैं केवल जस्सी भाई पर विश्वास करता हूं। एक्स पर पोस्ट में एक ट्विटर उपयोगकर्ता के पोस्ट को उद्धृत करता है, जिसने बुमराह के पहले पोस्ट मैच कॉन्फ्रेंस वीडियो को कैप्शन के साथ साझा किया था। गूगल इट से बेहतर वापसी का नाम बताएं। बता दें कम लोगों को ही पता है कि बुमराह को जस्सी भाई नाम सबसे पहले मोहम्मद सिराज ने दिया था। दक्षिण अफ्रीका में भारत की टी20 विश्व कप जीत के बाद, सिराज ने आंखों में आंसू लेकर कहा था- मुझे पता था कि केवल जस्सी भाई ही भारत के लिए ऐसा कर सकते हैं और उन्होंने हमारे लिए यह किया।

खराब फॉर्म और प्रदर्शन के चलते पृथ्वी शॉ विजय हजारे ट्रॉफी से बाहर

नई दिल्ली। टीम इंडिया से लंबे समय से बाहर चल रहे पृथ्वी शॉ को विजय हजारे ट्रॉफी की मुंबई टीम से भी हटा दिया है। खराब फॉर्म और प्रदर्शन के चलते पृथ्वी को टीम से बाहर कर दिया गया है। विजय हजारे ट्रॉफी 21 दिसंबर से शुरू होने वाली है। पृथ्वी शॉ, जिन्हें कभी भारतीय क्रिकेट का भविष्य कहा जाता था और जिन्होंने टेस्ट डेब्यू में शतक जड़ा था, फिलहाल मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। इस सत्र में उनका प्रदर्शन बेहद साधारण रहा है। रणजी ट्रॉफी के दौरान उन्हें अनुशासन और फिटनेस संबंधी कारणों से बीच टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था। हालांकि, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए उनकी वापसी हुई और मुंबई ने यह खिताब जीता, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर शॉ के प्रदर्शन में सुधार नहीं दिखा। नवंबर में हुई आईपीएल नीलामी में भी शॉ को बड़ा झटका लगा था, जब किसी फ्रेंचाइजी ने उन्हें खरीदने में रुचि नहीं दिखाई। घरेलू क्रिकेट में भी वह प्रभाव छोड़ने में असफल रहे। विजय हजारे ट्रॉफी के पिछले सत्र में उन्होंने औसत प्रदर्शन किया था और इस बार टीम में उनको जगह नहीं मिली। मुंबई टीम से बाहर किए जाने के बाद पृथ्वी शॉ ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा कि भगवान, मुझे बताओ कि मुझे और क्या देखना है? लेकिन मैं आप पर भरोसा बनाए रखूंगा और उम्मीद है कि लोग मुझ पर विश्वास करेंगे, क्योंकि मैं निश्चित रूप से वापसी करूंगा। मुंबई टीम की कमान इस बार श्रेयस अय्यर संभालेंगे, जो 17 सदस्यीय टीम का नेतृत्व करेंगे। टीम में भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को भी शामिल किया है। वहीं, अनुभवी स्पिनर शम्स मुलानी को टीम में जगह नहीं मिली है।

आईसीसी रैंकिंग : जो रूट ने एक हफ्ते में हैरी ब्रूक से छीनी टेस्ट की बादशाहत, ये खिलाड़ी बना नंबर वन टी20 गेंदबाज

दुबई (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार को टेस्ट और टी20 प्लेयर्स की ताजा रैंकिंग जारी की है। इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटर जो रूट फिर से नंबर 1 टेस्ट बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने एक हफ्ते में हमवतन हैरी ब्रूक से बादशाहत छीन ली। रूट के खाते में फिलहाल 895 रेटिंग अंक हैं। उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड वर्सेस न्यूजीलैंड तीसरे टेस्ट में 54 और 32 रन की पारी खेली थी। वहीं ब्रूक का बल्ला पूरी तरह खामोश रहा। उन्होंने मैच में महज एक रन बनाया। उनका पहली पारी में खाता नहीं खुला था। ब्रुक 876 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। उन्हें 22 अंकों का नुकसान हुआ।

न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन तीसरे पायदान पर हैं। उन्होंने तीसरे टेस्ट में शानदार शतक जमाया था और न्यूजीलैंड ने 434 रनों से विशाल जीत दर्ज की। विलियमसन 33वीं टेस्ट सेंचुरी ठोकने के बाद रूट से 28 रेटिंग अंक पीछे हैं। उनके 867 अंक हैं। टॉप-10 में भारत के दो बल्लेबाज हैं। यशस्वी जायसवाल चौथे और ऋषभ पंत नौवें नंबर पर हैं। भारत के खिलाफ गाबा टेस्ट में सेंचुरी मारने वाले ट्रैविस हेड पांचवें नंबर पर हैं। भात के धाकड़ बल्लेबाज विराट कोहली 20वें और कप्तान रोहित शर्मा 30वें स्थान पर मौजूद हैं।

अकील हुसैन बने टी20 के नंबर 1 गेंदबाज

वहीं वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील हुसैन टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के नए नंबर वन गेंदबाज बन गए हैं। उनके 707 अंक हो गए हैं। वह इंग्लैंड के आदिल रशीद को पछाड़कर टॉप पर पहुंचे हैं। रशीद के खाते में 701 अंक हैं और अब दूसरे नंबर पर हैं। अकील ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 मैच में 13 रन देकर 2 विकेट चटाकए थे। हालांकि, वेस्टइंडीज को बांग्लादेश के हाथों 7 रन से हार का सामना करना पड़ा था। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा तीसरे और ऑस्ट्रेलिया के एडम जम्पा चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। टी20 गेंदबाजों की टॉप-10 रैंकिंग में अर्शदीप सिंह एकमात्र भारतीय हैं। वह 657 अंकों के साथ आठवें पायदान पर हैं।

ओलंपिक की बात करते थे तो मजाक बनाते थे : योगेश्वर दत्त

नई दिल्ली। पूर्व रेसलर योगेश्वर दत्त ने बताया कि जब वह ओलंपिक की बात करते थे तो लोग उनका मजाक बनाते थे। योगेश्वर दत्त ने साल 2012 में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। हाल ही में एक चैनल की समिट में पूर्व रेसलर भी शामिल हुए। इस दौरान

उन्होंने अपने संघर्ष पर बात की। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने कुश्ती की इमेज खराब की। ओलंपिक मेडलिस्ट ने कहा,' कुश्ती में मेडल जीतने के लिए मैं बता नहीं सकता कि मैंने कितना संघर्ष किया है। हमें इतनी ज्यादा इंजरी हुई है। हम ये गिन गिनते भी भूल जाते हैं। हम दिन भर के 7-8 घंटे मेहनत करते थे। राजनीति भी मुश्किल है। हर खिलाड़ी चाहते हैं कि वे मेडल जीते लेकिन जिसकी किस्मत अच्छी होती है वो वहीं ओलंपिक में मेडल जीतता है।' दत्त ने आगे कहा,' जब आप किसी दूसरे के हाथ में खेलने लग जाते हो तो ऐसा ही होता है। पहलवानों ने आंदोलन किया। उन्होंने बृजभूषण पर केस किया। आरोप लगाए। मैं मानता हूं कि जो दोषी हो उसे सजी मिलनी चाहिए। लेकिन पहलवानों ने कुश्ती को बदनाम किया। कांग्रेस ने ये सब किया। बाद में सच भी सामने आ गया कि यहां कौन गलता था।' ' योगेश्वर दत्त ने आगे कहा,' मैं और सुशील कुमार एक साथ आए हैं जब हम ओलंपिक की बात करते थे तो लोग हमारा मजाक बनाते थे। जब हमारे कोच कहते थे कि हम मेडल लेकर आएंगे तो लोगों को लगता था कि ये झूठ बोल रहे वे मजाक बनाते थे। हमने मेहनत की और मेडल जीता। लड़कियां भी कुश्ती में अच्छा कर रही हैं वो जहां भी जा रही मेडल जीतकर आ रही है।' बता दें कि योगेश्वर दत्त को 2013 में भारत सरकार द्वारा पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। योगेश्वर दत्त ने सितंबर 2019 में भारतीय जनता पार्टी ज्वाइन की थी। 2012 के ओलंपिक में उन्होंने 60 किलोग्राम वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। उन्होंने 2010 और 2014 के कॉमनवेल्थ गेम्स में भी मेडल जीते थे।

संक्षिप्त समाचार

जॉर्जिया के पर्वतीय रिसॉर्ट गुदौरी के रेस्तरां में 12 भारतीय मृत मिले : भारतीय मिशन

त्बिलिसी, एजेंसी। जॉर्जिया के पर्वतीय रिसॉर्ट गुदौरी के एक रेस्तरां में 12 भारतीय नागरिक मृत पाए गए. यहां स्थित भारतीय मिशन ने यह जानकारी दी. जॉर्जिया के आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि शुरुआती जांच में किसी भी तरह की चोट या हिंसा के कोई संकेत नहीं मिले. स्थानीय मीडिया ने पुलिस के हवाले से बताया कि सभी पीड़ितों की मौत कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता से हुई है. त्बिलिसी में स्थित भारतीय मिशन ने कहा कि सभी 12 पीड़ित भारतीय नागरिक थे. हालांकि, जॉर्जिया के आंतरिक मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि मृतकों में 11 विदेशी हैं जबकि एक उसका नागरिक था. बयान के मुताबिक, सभी मृतक उक्त भारतीय रेस्तरां में बतौर कर्मचारी काम कर रहे थे और उनके शव दूसरी मंजिल पर स्थित शयन कक्षों में पाए गए. भारतीय मिशन ने यहां जारी एक बयान में कहा, ''मिशन को अभी-अभी जॉर्जिया के गुदौरी में 12 भारतीय नागरिकों की मौत की जानकारी मिली है. शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना. मिशन मारे गए भारतीय नागरिकों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है. हर संभव सहायता दी जाएगी. स्थानीय पुलिस ने जॉर्जिया की आपराध संहिता की धारा 116 के तहत जांच शुरू की है. यह धारा लापरवाही से मौत से जुड़ी है. पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच के मुताबिक, शयन कक्षों के पास एक बंद स्थान में विद्युत जनरेटर रखा गया था, जिसे संभवतः शुक्रवार रात को विद्युत आपूर्ति बंद होने के बाद चालू किया गया था.उसने बताया कि 'मौत का सटीक कारण' जानने के लिए फोरेंसिक जांच भी की जा रही है.

कनाडाई पीएम ट्रूडो को झटका, वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड का इस्तीफा

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा की वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने इस्तीफा दे दिया है. कनाडा के पीएम

जस्टिन ट्रूडो की सबसे शक्तिशाली मंत्री थीं. फ्रीलैंड ने सोमवार को घोषणा की कि वह कैबिनेट से इस्तीफा दे रही हैं, क्योंकि ट्रूडो लोकप्रियता में गिरावट से जूझ रहे हैं. ट्रूडो सरकार की सबसे ताकतवर मंत्री फ्रीलैंड के इस्तीफे को तगड़ा झटका माना जा रहा है. फ्रीलैंड, जो उप प्रधानमंत्री भी थीं, ने कहा कि ट्रूडो ने उन्हें शुक्रवार को बताया था कि वह अब उन्हें वित्त मंत्री के रूप में काम करते हुए नहीं देखना चाहते हैं और उन्होंने मुझे कैबिनेट में एक और पद की पेशकश की. फ्रीलैंड ने कहा कि इस प्रस्ताव पर चिंतन करने के बाद मैंने निष्कर्ष निकाला है कि मेरे लिए मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना ही एकमात्र ईमानदारी वाला रास्ता है. फ्रीलैंड ने ट्रूडो को एक्स पर पोस्ट किए गए एक पत्र में कहा, पिछले कई हफ्तों से, आप और मैं कनाडा के लिए आगे बढ़ने के सर्वोत्तम रास्ते को लेकर असमंजस में हैं. वहीं स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि फ़्रीलैंड और ट्रूडो अस्थायी कर छूट और अन्य व्यय उपायों के प्रस्ताव पर भिड़ गए थे. वहीं बताया जा रहा है कि फ्रीलैंड के स्थान पर बैंक ऑफ कनाडा के पूर्व गवर्नर मार्क कार्नी को नया वित्त मंत्री बनाया जा सकता है. कार्नी इससे पूर्व पीएम ट्रूडो के आर्थिक सलाहकार के रूप में भी काम कर चुके हैं. हालांकि कार्नी को वित्त मंत्री बने के लिए हाउस ऑफ कॉमन्स के निर्वाचित सदन में एक सीट से चुनाव लड़ना होगा.

अपार्टमेंट के ऊपर हाइवे, जहां धड़ल्ले से दौड़ती हैं गाड़ियां

बीजिंग, एजेंसी। विज्ञान के साथ ही इंसान ने काफी ज्यादा तरक्की कर ली है, अब इंसान के द्वारा ऐसे-ऐसे नमूने तैयार कर दिए जाते हैं जिस विश्वास नहीं होता है. लेकिन इन दिनों एक वीडियो सामने आया है जिसमें जहां घर की छत पर हाइवे बना हुआ है. इतना ही नहीं, इस पर गाड़ियां और बसें फर्राटा भरती नजर आ रही हैं. वायरल वीडियो में एक सड़क दिखाई पड़ रही है. इस पर वाहन तेजी से गुजर रहे हैं. लेकिन इस पर जरा सा नीचे देखने पर आपको दिखाई देगा कि बिल्डिंग्स हैं. इतना ही नहीं अपार्टमेंट के ठीक ऊपर ओवरब्रिज बना हुआ है, जिस प गाड़ियां दौड़ रही हैं. वहीं अपार्टमेंट भी खाली नहीं है बल्कि इसमें लोग परिवार के साथ रहते हैं. वायरल वीडियो चीन का बताया जा रहा है. इसको इंस्टाग्राम पर itschina.baby नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है. इस वीडियो को अब तक 9 लाख से अधिक लोग देख चुके हैं और 19 हजार से अधिक लोग पसंद कर चुके है. इसको लेकर एक यूजर ने लिखा- वो तो सब ठीक है लेकिन छत पर कपड़े कैसे सूखेंगे? वहीं एक अन्य यूजर ने कहा कि यदि भूकंप आ गया तो? वहीं अधिकतर यूजर्स का कहना था कि चीन को ओवरब्रिज पर इतना अधिक भरोसा?

प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने डोमिनिक लेब्लांक को कनाडा का नया वित्त मंत्री नियुक्त किया

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री डोमिनिक रहे लेब्लांक ने सोमवार को ओटावा के रिड्यू हॉल में वित्त मंत्री पद की शपथ ली। नए वित्त मंत्री ने समारोह के बाद कहा कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता कनाडाई लोगों के लिए जीवनयापन की लागत कम करना और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ संबंधों को मजबूत करना होगा। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के खास सहयोगी लेब्लांक हाल ही में अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ट्रूडो संग रात्रिभोज में शामिल हुए थे। 57 वर्षीय न्यू ब्रंसविक पहली बार 2000 में चुने सांसद गए, वह पूर्व गवर्नर-जनरल रोमियो लेब्लांक के बेटे हैं। लेब्लांक ने कहा कि वह अंतर-सरकारी मामलों के मंत्री का पद अपने पास रखेंगे। इससे पहले क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने ट्रूडो को लिखे एक पत्र में सोमवार सुबह अचानक वित्त मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा था कि वे देश के लिए सर्वोत्तम रास्ते को लेकर असमंजस में हैं। लिबरल सरकार का आर्थिक अपडेट सोमवार दोपहर जारी किया गया, जिससे पता चला कि घाटा 31 मार्च को समाप्त वित्तीय वर्ष के लक्ष्य से बहुत बड़ा था। अपने त्याग पत्र में फ्रीलैंड ने खुलासा किया कि ट्रूडो ने उन्हें पिछले सप्ताह सूचित किया था कि वह अब उन्हें इस भूमिका में नहीं देखना चाहते हैं और इसके बजाय उन्हें एक और कैबिनेट पद की पेशकश की थी। ट्रूडो ने इस्तीफे पर तुरंत कोई

प्रतिक्रिया नहीं दी। ट्रूडो सरकार कथित तौर पर प्रतिक्रिया में बढ़ी हुई सीमा सुरक्षा और निगरानी में निवेश करने की योजना विकसित कर रही है, लेकिन ट्रंप के सख्त रुख का दबाव भी महसूस कर रही है। फ्रीलैंड द्वारा दिए जाने वाले आर्थिक अपडेट में सरकार सोमवार को कनाडा की संसद में सीमा योजना का विवरण पेश करने वाली थी। फ्रीलैंड का भी सरकारी खर्च को लेकर ट्रूडो के साथ मतभेद था और उनके इस्तीफा देने के बाद अपडेट का विवरण सामने आया। ये अपडेट तब आए हैं, जब ट्रूडो की लिबरल पार्टी चुनाव की तैयारी कर रही है जो अगले साल अक्टूबर के अंत से पहले होना चाहिए। ट्रूडो ने कहा है कि उनकी योजना पार्टी के शीर्ष पर बने रहने की है। उदारवादियों के पास पूर्ण बहुमत नहीं है, यदि सहयोगी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी अपना समर्थन खींच लेती है तो इससे किसी भी समय एक नया चुनाव हो सकता है। इस बीच ट्रंप की जीत ने घरेलू चिंताओं को जन्म दिया है कि कनाडा वैश्विक सत्ता-विरोधी रुझानों के अधीन हो सकता है, जो लोकलुभावन पियरे पोइलिव्रे के नेतृत्व वाली कंजर्वेटिव पार्टी को 2015 के बाद पहली बार सत्ता में देख सकता है। लगभग एक दशक तक सत्ता में रहने के बाद सितंबर में ट्रूडो की अनुमोदन रेटिंग घटकर केवल 33 प्रतिशत रह गई। कौन हैं डोमिनिक लेब्लांक 2015 में लिबरल पार्टी की जीत के बाद से लेब्लांक कई प्रमुख कैबिनेट पदों पर काम कर चुके हैं। हाल ही में उन्होंने सरकार के सार्वजनिक सुरक्षा प्रमुख और वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री के रूप में कनाडा के अरबों डॉलर के बॉर्डर प्रोग्राम को बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। डोमिनिक लेब्लांक पिछले महीने कनाडा के प्रधानमंत्री के साथ फ्लोरिडा में भावी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने भी गए थे। इससे पता चलता है कि वह अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। वह कनाडा-अमेरिका कैबिनेट समिति का भी नेतृत्व करेंगे, जो पद पहले फ्रीलैंड सम्भाल रही थीं। क्रिस्टिया फ्रीलैंड का इस्तीफा इस बीच वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड के इस्तीफे के बाद देश में राजनीतिक अराजकता फैल गई है और प्रधानमंत्री ट्रूडो के नेतृत्व के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। फ्रीलैंड ने कई मुद्दों पर ट्रूडो की नीतियों का विरोध किया था। उन्होंने कहा है कि वह इसलिए इस्तीफा दे रही हैं क्योंकि प्रधानमंत्री ने उनसे दूसरा पद संभालने के लिए कहा था। गौरतलब है कि 56 साल की फ्रीलैंड देश की उप प्रधानमंत्री के रूप में भी काम कर चुकी हैं।

रूसी बलों के साथ मिलकर लड़ रहे उत्तर कोरिया के करीब 30 सैनिक मारे गए

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की सैन्य खुफिया एजेंसी ने दावा किया कि रूस के कुर्स्क सीमा क्षेत्र में सप्ताहांत यूक्रेनी सेना के साथ युद्ध में उत्तर कोरिया के करीब 30 सैनिक या तो मारे गए या फिर गंभीर रूप से घायल हो गए। 'जीयूआर' नामक एजेंसी ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में कहा कि उत्तर कोरियाई सैनिक कुर्स्क के तीन गांवों के आसपास मारे गए। कुर्स्क वह सीमावर्ती क्षेत्र है, जहां रूस पिछले चार महीने से कब्जा करके बैठी यूक्रेनी सेना को खदेड़ने की कोशिश कर रहा है। 'जीयूआर' ने बताया कि कुर्स्क के एक अन्य गांव के आसपास कम से कम तीन उत्तर कोरियाई सैनिक लापता हो गए। यूक्रेनी के दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो पाई है। लगभग तीन वर्ष से जारी युद्ध में उत्तर कोरियाई सैनिकों की मौत की यह पहली खबर है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेसकोव ने दावों से संबंधित सवाल रूसी रक्षा मंत्रालय को भेजे हैं हालांकि अब तक कोई टिप्पणी नहीं आई है। अमेरिका के रक्षा विभाग और यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, उत्तर कोरिया ने युद्ध में मदद के लिए लगभग 10,000 सैनिक रूस भेजे हैं। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने पारस्परिक रक्षा समझौते के तहत रूस को युद्ध के लिए अटूट समर्थन का वचन दिया था।

जेलेंस्की और पुतिन से नरसंहार रुकवाने के लिए बात करेंगे ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वह यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से

लगभग तीन साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए बात करेंगे। ट्रंप के मुताबिक वो इस नरसंहार को रुकवाने की कोशिश करेंगे। जनवरी में ट्रंप के व्हाइट हाउस में प्रवेश से पहले ही दोनों पक्षों में जंग में बढ़त हासिल करने की होड़ लगी है। हालांकि अमेरिका से समर्थन प्राप्त करने वाले देश यूक्रेन को इस बात की भी चिंता है कि उसे क्षेत्र की शांति के बदले कुछ रियायतें देने को मजबूर होना पड़ सकता है।

दरअसल ट्रंप, जो बाइडेन प्रशासन द्वारा मास्को के खिलाफ कीव को प्रदान की गई अरबों डॉलर की सहायता को लेकर सवाल खड़े करते रहे हैं। दोनों देश के राष्ट्रपतियों से बात कर नरसंहार को रोकने की बात डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। ट्रंप ने कहा, हम राष्ट्रपति पुतिन से बात करेंगे साथ ही हम जेलेंस्की और यूक्रेन के प्रतिनिधियों से भी बात करेंगे। उन्होंने युद्ध का जिक्र करते हुए कहा, हमें इसे रोकना होगा, यह नरसंहार है। टिप्पणी ऐसे समय में की गई है जब रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन में अपनी सेना के आगे बढ़ते रहने के कदम की सराहना करते हुए कहा था कि ये वर्ष ऐतिहासिक रहा। बता दें कि ट्रंप ने बार-बार दावा किया है कि वह संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करने पर काम करेंगे। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि वह ऐसा कैसे करेंगे।

ज्ञात हो कि ट्रंप ने इस महीने पेरिस में फ्रांसीसी नेता इमैनुएल मैक्रों द्वारा आयोजित एक बैठक में जेलेंस्की से मुलाकात की थी, जिसके बाद यूक्रेनी नेता ने दावा किया था कि कीव एक स्थायी शांति और सुरक्षा गारंटी की मांग कर रहा है। यूक्रेन के मित्र और पड़ोसी देश पोलैंड ने सोमवार को अपील की कि कीव को शांति वार्ता के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। पोलैंड के विदेश मंत्री राडोस्लाव सिकोर्स्की ने कहा कि ऐसा करने के लिए पीड़ित को नहीं बल्कि हमलावर को प्रोत्साहित और मजबूर किया जाना चाहिए।

अमेरिका : विस्कॉन्सिन के स्कूल में गोलीबारी में तीन की मौत, हमलावर भी मारा गया

विस्कॉन्सिन, एजेंसी। अमेरिका के विस्कॉन्सिन के मैडिसन में एक क्रिश्चियन स्कूल में सोमवार को गोलीबारी की घटना में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हो गए. घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. गोलीबारी के कारणों का पता नहीं चल सका है. हमलावर स्कूल का नाबालिग छात्र बताया जा रहा है. उसकी भी मौत हो गई. मैडिसन पुलिस प्रमुख शॉन बार्न्स के अनुसार गोलीबारी करने वाला संदिग्ध नाबालिग स्कूली छात्र भी घटनास्थल पर मृत पाया गया. संदिग्ध हमलावर स्कूल का स्टूडेंट मालूम पड़ता है. अग्निशमन प्रमुख क्रिस कार्बन के अनुसार सोमवार को विस्कॉन्सिन के मैडिसन स्थित एक स्कूल में हुई गोलीबारी के बाद कम से कम सात लोगों को क्षेत्रीय अस्पतालों में ले जाया गया. उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि अग्निशमन विभाग को सुबह करीब 10:57 बजे (स्थानीय समयानुसार) स्कूल भेजा गया. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस गोलाबारी में छह अन्य लोग घायल हो गए. इसमें दो छात्र की हालत गंभीर बताई जा रही है. चार छात्र अन्य क्षेत्र के अस्पतालों में भी हैं. पहले चार लोगों को बचाव दल द्वारा सेंट मैरी अस्पताल ले जाया गया और तीन अन्य को विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय के अस्पतालों में ले जाया गया।

जस्टिन ट्रूडो को छोड़ना पड़ेगा पीएम पद? पार्टी के 60 सांसद चाहते हैं विदाई; इस्तीफा दे चुके हैं 5 मंत्री

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पर इस्तीफा देने का दबाव लगातार बढ़ता ही जा रहा है। उपप्रधानमंत्री और वित्त मंत्री क्रिस्टिना फ्रीलैंड के इस्तीफे के बाद जस्टिन ट्रूडो बड़ी मुसीबत में फंस गए हैं। अब उनकी पार्टी के ही सांसद उन्हें कमजोर प्रधानमंत्री बताने लगे हैं। कनाडा की मीडिया के मुताबिक ट्रूडो ने अभी निर्णय नहीं लिया है कि वह इस्तीफा देंगे या फिर पद पर बने रहेंगे। हाउस ऑफ कॉमन्स में 153 सीटों के साथ लिबरल पार्टी की सरकार थी। इनमें से 60 सांसद चाहते हैं कि जस्टिन ट्रूडो पद छोड़ दें। सोमवार को कॉकस की बैठक में जस्टिन ट्रूडो को कड़ा विरोध झेलना पड़ा। क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह भले ही जस्टिन ट्रूडो के लिए मुश्कील घड़ी हो लेकिन कनाडा के लिए अच्छा समय आने वाला है। उन्होंने कहा, शुक्रवार को ही ट्रूडो ने कह दिया था कि वह उन्हें वित्त मंत्री के तौर पर नहीं रखना चाहते बल्कि कोई और पद देने को तैयार हैं। ऐसे में मैंने ईमानदारी का रास्त चुना और इसलिए इस्तीफा दे दिया।

जस्टिन ट्रूडो ने अपने करीबी डॉमिनिक लेब्लांक को नया वित्त मंत्री बनाने का फैसला किया है। इस बीच जस्टिन ट्रूडो ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, प्रधानमंत्री के रूप में आपकी सेवा करना मेरे लिए गर्व की बात है। इसलिए मैं रोज सुबह उठकर सबसे पहले यही विचार करता हूं कि कनाडा के लोगों के लिए इस देश को कैसे बेहतर बनाया जाए। यहां भी जस्टिन ट्रूडो ने कोई

संकेत नहीं दिया कि वह पद पर बने रहेंगे या फिर इस्तीफा दे देंगे।

कनाडा का विपक्ष मांग करने लगा है कि तुरंत चुनाव करवाए जाएं। विपक्ष के नेता पियरे पाइलिवरे ने कहा, ट्रूडो में किसी का भरोसा नहीं बचा है, यहां तक कि उनके कैबिनेट मंत्री भी उनपर भरोसा नहीं करते हैं। केवल जगमीत सिंह को ही उनपर भरोसा है। बता दें कि हाउस ऑफ कॉमन्स में अविश्वास प्रस्ताव के दौरान जगमीत सिंह की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी ने जस्टिन ट्रूडो का ही साथ दिया था। इस बारे में जगमीत सिंह ने कोई टिप्पणी नहीं की लेकिन उन्होंने अगली बार अविश्वास प्रस्ताव के दौरान जस्टिन ट्रूडो का साथ देने की बात भी नहीं कही है।

बता दें कि फ्रीलैंड का अचानक इस्तीफे का ऐलान कर देना जस्टिन ट्रूडो के लिए बड़ा झटका है। इस साल ट्रूडो के पांच कैबिनेट मिनिस्टर इस्तीफा दे चुके हैं। इनमें से चार ने यह भी कह दिया है कि वे अगले आम चुनाव में मैदान में नहीं उतरेंगे। इसके अलावा कनाडा अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर भी चुनौती का सामना कर रहा है। जस्टिन ट्रूडो को ही इसके लिए भी जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को 25 फीसदी टैरिफ लगाने की वॉर्निंग दे दी है। इसके अलावा भारत से भी कनाडा को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

जस्टिन ट्रूडो की बढ़ती अलोकप्रियता की वजह से पार्टी के अंदर से उनके इस्तीफे की मांग उठ रही है। 2025 में ही कनाडा में आम चुनाव होने हैं। ऐसे में पार्टी के सांसदों को लगता है कि नेतृत्व में बदलाव जरूरी है। अगर ऐसा नहीं किया गया तो आम चुनाव में पार्टी को झटका लग सकता है।

कंगाल पाकिस्तान पर कर्ज का बोझ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा, 70.36 ट्रिलियन पीकेआर की देनदारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। बढ़ते आर्थिक संकट के बीच पाकिस्तान का कर्ज मौजूदा वित्तवर्ष के पहले आठ महीनों में पाकिस्तानी रुपए (पीकेआर) 4,304 अरब तक बढ़ गया है. एआरवाई न्यूज ने आधिकारिक दस्तावेजों का हवाला देते यह रिपोर्ट दी. रिपोर्ट के अनुसार जो लोन फरवरी में 64.810 ट्रिलियन पीकेआर से अधिक था वह अक्टूबर में बढ़कर 69.114 ट्रिलियन पीकेआर तक पहुंच गया. उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में टैक्स ईयर एक जुलाई से 30 जून तक होता है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस अवधि के दौरान डोमेस्टिक लोन में 4,556 अरब पाकिस्तानी रुपये की वृद्धि हुई जबकि फॉरेन लोन में 251 अरब पाकिस्तानी रुपये की कमी आई. परिणामस्वरूप डोमेस्टिक लोन अक्टूबर तक 47.231 ट्रिलियन पीकेआर रहा जो फरवरी में 42.675 ट्रिलियन पीकेआर था. दूसरी ओर फॉरेन लोन उसी अवधि के दौरान 22.134 ट्रिलियन पीकेआर से घटकर 21.884 ट्रिलियन पीकेआर हो गया. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पिछले सप्ताह विश्व बैंक ने पाकिस्तान को दिए जाने वाले 500 मिलियन

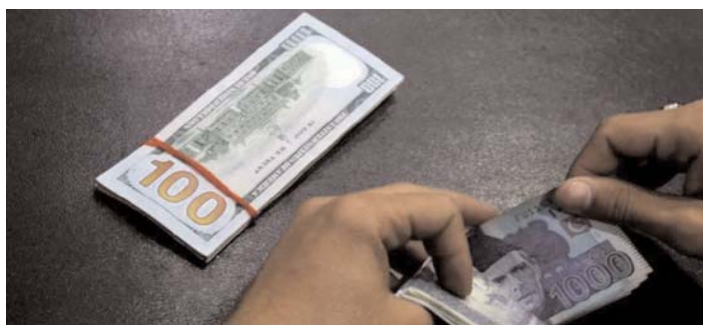

अमेरिकी डॉलर से अधिक के बजट सहायता ऋण को रद्द कर दिया था. इसका कारण बताया गया कि इस्लामाबाद चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के तहत बिजली खरीद समझौतों में संशोधन सहित प्रमुख शर्तों को समय पर पूरा करने में विफल रहा था. वाशिंगटन के लोन प्रदाता ने यह भी घोषणा की है कि वह चालू वित्त वर्ष के दौरान कोई नया बजट सहायता ऋण उपलब्ध नहीं कराएगा. इससे पाकिस्तान को और बड़ झटका लगा है. उसके दो बिलियन अमेरिकी डॉलर के नए लोन को पाने की उम्मीदों पर पानी फिरता नजर आ रहा है. रिपोर्ट में कहा गया है कि इस निर्णय का मुख्य कारण यह है कि पाकिस्तान ने अपना ऋण कोटा काफी हद तक समाप्त कर लिया है. रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर में पाकिस्तान सरकार का कर्ज पाकिस्तानी मुद्रा (पीकेआर) 70.36 ट्रिलियन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया जो एक चौंका देने वाला आंकड़ा है. इससे देश की आर्थिक स्थिरता को लेकर चिंताएं पैदा हो रही हैं. स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों में ही संघीय ऋण में 1,448 बिलियन पाकिस्तानी रुपये की वृद्धि हुई।

पाकिस्तान के पूर्व मंत्री ने की प्रियंका की तारीफ, फलस्तीन लिखा बैग लेकर संसद पहुंचने पर दिया बयान

इस्लामाबाद, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के फलस्तीन लिखा बैग लेकर संसद पहुंचने के कदम की पाकिस्तान के पूर्व मंत्री ने तारीफ की है। पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद हसन चौधरी ने एक्स पर प्रियंका गांधी के बैग के साथ तस्वीर साझा की है। उन्होंने लिखा कि जवाहर लाल नेहरू जैसे महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की पोती से क्या उम्मीद की जा सकती है? प्रियंका बौने लोगों के बीच तनकर खड़ी हुई हैं। यह बेहद शर्मनाक है कि किसी पाकिस्तानी सांसद ने आज तक ऐसा साहस नहीं दिखाया। फलस्तीन लिखा लेकर बैग संसद आई थीं प्रियंका कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा सोमवार को संसद में एक बैग लेकर पहुंचीं थी, जिस पर फलस्तीन लिखा हुआ था, जो संघर्ष प्रभावित क्षेत्र के लोगों के समर्थन में एक इशारा था। प्रियंका गांधी वाड्रा के हैंडबैग पर फलस्तीन शब्द और फलस्तीनी प्रतीक दिखाई दिए, जिसमें एक तरबूज की भी तस्वीर दिखी - जिसे फलस्तीनी एकजुटता के प्रतीक के रूप

में देखा जाता है।

इस्राइल की कार्रवाई के खिलाफ आवाज उठा चुकी हैं प्रियंका : प्रियंका गांधी वाड्रा गाजा पर इस्राइल की कार्रवाई के खिलाफ आवाज उठा रही हैं और उन्होंने फलस्तीनियों के साथ एकजुटता व्यक्त की है। इससे पहले जून महीने में, प्रियंका गांधी ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की आलोचना की थी, क्योंकि उन्होंने कहा था कि इस्राइल सरकार गाजा में नरसंहारकारी कार्रवाई कर रही है, और उन्होंने उन पर और उनकी सरकार पर बर्बरता का आरोप लगाया था।

ब्राजील के राष्ट्रपति ने तख्तापलट का लगाया आरोप, कहा- देंगे कड़ी सजा

साओ पाउलो, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला डा सिल्वा ब्रेन सर्जरी के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज हो गए हैं. उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और 2022 में तख्तापलट की कोशिश में शामिल लोगों को कड़ी सजा देने का ऐलान किया है. लूला के डिस्चार्ज होने के तुरंत बाद सिरियो लिबनेस अस्पताल में यह प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित हुई जो पिछले सप्ताह हुई सर्जरी के बाद से उनकी पहली सार्वजनिक उपस्थिति थी. उनकी मेडिकल टीम और प्रथम महिला रोसांगेला डा सिल्वा उनके साथ मौजूद थीं. लूला ने हिरासत में लिए गए रिटायर जनरल वाल्टर ब्रागा नेट्टो का जिक्र करते हुए कहा, मेरा मानना ??है कि जनरल ब्रागा को निर्दोष होने का पूरा अधिकार है. ब्रागा ने पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो के अधीन रक्षा मंत्री के रूप में कार्य किया था. जांच में हस्तक्षेप करने के प्रयास के आरोपी ब्रागा नेट्टो को सुप्रीम फेडरल कोर्ट के आदेश के बाद शनिवार को गिरफ्तार कर किया गया. फेडकरल पुलिस के अनुसार, बोल्सोनारो कथित तौर पर 2022 में लूला को राष्ट्रपति पद संभालने से रोकने के लिए तख्तापलट की योजना बना रहे थे. समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार लूला ने कहा कि राष्ट्रपति की हत्या की साजिश में उच्च पदस्थ सैन्य अधिकारियों का शामिल होना अस्वीकार्य है. छुट्टी मिलने के बाद लूला गुरुवार तक साओ पाओलो स्थित अपने आवास पर काम करेंगे. उसके बाद उन्हें राजधानी ब्रासीलिया की यात्रा के लिए परमिट प्राप्त करने के लिए सीएटी स्कैन कराना होगा, ताकि वे प्लानाल्टो पैलेस में अपना काम फिर से शुरू कर सकें. 79 वर्षीय लूला ने गंभीर

सिरदर्द की शिकायत की थी, जब उनके मस्तिष्क और मेनिन्जियल झिल्ली के बीच हेमेटोमा पाया गया तो उन्हें इमरजेंसी सर्जरी के लिए भर्ती किया गया था. डॉक्टरों ने पुष्टि की कि हेमेटोमा से कोई चोट या अन्य बीमारियां नहीं हुई हैं.

यह मामला अक्टूबर महीने के अंत में राष्ट्रपति निवास, पैलेसियो डा अलवोराडा में लूला के गिरने से जुड़ा था, जब उनके सिर के पिछले हिस्से में चोट लगी थी और पांच टांके लगे थे, जिसके कारण उन्हें रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने की अपनी यात्रा को ऐन मौके पर कैंसिल करना पड़ा था. ब्राजील के सामाजिक संचार सचिव पाउलो पिमेंटा ने पुष्टि की है कि डा सिल्वा 2026 में फिर से चुनाव लड़ेंगे. सीएनएन ब्राज़ील के साथ एक इंटरव्यू में, पिमेंटा ने आश्वासन दिया कि दिमाग में हुए रक्तस्राव के उपचार के बाद राष्ट्रपति का स्वास्थ्य अच्छा है. उन्होंने कहा कि वह देश का नेतृत्व जारी रखने के लिए सबसे योग्य और तैयार व्यक्ति हैं।

छात्रों को पढ़ना-लिखना सीखना चाहिए न कि हिंसा, स्कूल में गोलीबारी पर भड़के राष्ट्रपति बाइडन : वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विस्कोंसिन में एक स्कूल में हुई गोलीबारी की घटना पर राष्ट्रपति जो बाइडन ने चिंता जाहिर की। बाइडन ने कहा कि स्कूल में बच्चों को पढ़ना-लिखना सीखना चाहिए न कि बंदूक चलाना और हिंसा करना। बाइडन ने देश में बढ़ रही बंदूक संस्कृति को लेकर भी नाराजगी जाहिर की और कहा कि देश की संसद को इस बारे में गंभीरता से सोचने की जरूरत है। स्कूल में गोलीबारी की घटना पर हैरानी और दुख जताते हुए बाइडन ने कहा कि ऐसी घटनाएं बिल्कुल अस्वीकार्य हैं और हम अपने बच्चों की रक्षा नहीं कर पा रहे हैं। व्हाइट हाउस से जारी बयान में कहा गया कि आज विस्कोंसिन के मेडिसन के परिवार अपनों को खोने के दुख में हैं। हम चाहते हैं कि संसद इस पर तुरंत कोई कदम उठाए। बयान में कहा गया कि न्यूटन से लेकर उवाल्डे, पार्कलैंड और मेडिसन तक स्कूलों में गोलीबारी की कई ऐसी घटनाएं हुई हैं।

राष्ट्रद्रोह मामले में कंगना रनौत आगरा कोर्ट में फिर नहीं हुईं हाजिर, अब जनवरी की दी गई तारीख

आगरा । राष्ट्रदोह के वाद में सांसद कंगना रनौत अदालत में न तो खुद आईं और न ही उनकी ओर से कोई हाजिर हुआ। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए दो जनवरी की तारीख नियत कर दी है। राजीव गांधी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने फिल्म अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत के खिलाफ राष्ट्रद्रोह का वाद दायर किया था। स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए ने अधिवक्ताओं के बयान दर्ज होने के बाद विपक्षी को हाजिर होने का नोटिस भेजा था। बताई गई ट्रैक रिपोर्ट के अनुसार नोटिस उनके दोनों पतों पर डिलीवर हुए थे। कंगना रनौत पर 26 अगस्त को टीवी चौनलों पर दिए साक्षात्कार में किसानों पर अभद्र टिप्पणी करने और इसके पहले 16 नवंबर 2021 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अहिंसात्मक सिद्धांत का मजाक उड़ाने का आरोप है।

आरजेडी के वरिष्ठ नेता का विवादित बयान, अमित शाह को पागल मंत्री बता

पटना । आरजेडी के वरिष्ठ नेता शिवचंद्र राम ने केंद्रीय गृह मंत्री को लेकर विवादित बयान दिया है। पटना में आरजेडी कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने अमित शाह को पागल मंत्री बताया है। दरअसल राज्यसभा में गृह मंत्री ने कहा था कि अंबेडकर-अंबेडकर करना फैशन हो गया है। इतना नाम अगर भगवान का लेते, तब सात जन्मों तक स्वर्ग मिलता। इस बयान पर बिहार में सियासत गर्म हो चुकी है। पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम ने कहा कि गृह मंत्री के बयान से देश की 90 प्रतिशत आबादी दुखी है। उनके बयान का राष्ट्रीय जनता दल घोर निंदा करती है। यह देश के गृह मंत्री नहीं, देश के पागल मंत्री हैं। जब बाबा साहेब का अपमान हो रहा था, तब सदन में चिराग पासवान और जीतन राम मांझी हंस रहे थे। यह दो नेता सिर्फ अपने परिवार के लिए जीते हैं। इन्हें दलित और महादलित से कोई मतलब नहीं है। राजद नेता शिवचंद्र राम ने कहा कि शाह के बयान से पिछड़ा और अति पिछड़ा के मन में बड़ी चोट पहुंची है। बीजेपी वाले संविधान के खिलाफ हैं। संविधान पर चोट पहुंचाते हैं।

मुंबई से एलीफेंटा जा रही नाव पलटी, 30 लोग डूबे, एक की मौत

मुंबई। मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया से एलीफेंटा जा रही एक नाव समुद्र में पलट गई जिससे एक यात्री की डूबने से मौत होने की खबर है। ये नाव एलीफेंटा जा रही थी और नाव पर 30-35 यात्री सवार थे। इस बीच यात्रियों का बचाव अभियान जारी है। दुर्घटनाग्रस्त नाव का नाम नीलकमल है। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि हादसा दो नावों के आपस में टकराने के कारण हुआ। नौसेना की 11 नावें, 3 समुद्री पुलिस नावें और एक तटरक्षक नौका मौके पर पहुंच गई है। नावों के साथ चार हेलीकॉप्टरों की मदद से तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने समुद्र किनारे के नागरिकों की मदद ली है। कोस्ट गार्ड से मिली जानकारी के मुताबिक 21 यात्रियों को बचा लिया गया है। इनमें से 1 यात्री को मृत घोषित कर दिया गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, नौका नीलकमल उरण के करंजा के पास पलट गई। प्रारंभिक जानकारी है कि इसमें 30 से 35 यात्री सवार हैं। नौसेना, तटरक्षक बल, येलोगेट पुलिस स्टेशन और स्थानीय मछली पकड़ने वाली नौकाओं की मदद से बचाव अभियान चल रहा है।

बिहार के 17 जिलों में शीतलहर और कोहरा का अलर्ट, टोल फ्री नंबर जारी

पटना। बिहार में शीतलहर जारी है। मौसम विभाग ने राज्य में 17 जिलों में शीतलहर और कोहरा का अलर्ट जारी किया है। उत्तर पश्चिम भारत में भीषण शीतलहर का असर बिहार में देखने को मिलेगा। भीषण ठंड को देखते हुए आपदा विभाग ने टोल फ्री नंबर जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक गुरुवार को पटना, शेखपुरा, नालंदा, जहानाबाद, मुजफ्फरपुर, पश्चिम चंपारण, सारण, सिवान, बक्सर, वैशाली, दरभंगा, बेगूसराय, समस्तीपुर, मधेपुरा, जमुई, भागलपुर और कटिहार के ज्यादतर हिस्सों में देर रात और सुबह में घना कोहरा छाया रहेगा। शीतलहर को देखते हुए टोल फ्री नंबर जारी किया गया है। किसी भी आपातकालीन सहायता के लिए आपदा प्रबंधन विभाग के राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र पर संपर्क करें। हेल्पलाइन नंबर -0612-2294204/205 टोल फ्री नंबर-1070 पर किसी भी तरह की आपात स्थिति की जानकारी दे सकते हैं। बता दें कि पिछले 24 घंटे में रोहतास का डेहरी सबसे ठंडा जिला रहा। यहां का न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके अलावा वाल्मीकि नगर 11.9, गोपालगंज 10, सीतामढ़ी के पुपरी 9.3, मधुबनी 10.2, सुपौल 12.8, मुजफ्फरपुर 9.6, मधेपुरा 9.3, इन सभी जिलों में न्यूनतम तापमान में 0.1 से 0.6 डिग्री की गिरावट आई।

वैष्णो देवी रोपवे परियोजना के विरोध में सड़कों पर उतरे लोग, कटरा किया बंद

कटरा। वैष्णो देवी रोपवे परियोजना के विरोध में माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति ने बुधवार को कटरा बंद किया। समिति ताराकोट रोपवे परियोजना का विरोध कर रही है। परियोजना को लेकर लोग सड़क पर उतर आए और इसका विरोध किया। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि होटल, गेस्ट हाउस, टैक्सी, ऑटो चालकों समेत सभी दुकानदार एकत्रित हुए। इस विरोध प्रदर्शन को कांग्रेस और पीडीपी ने भी समर्थन दिया है। श्राइन बोर्ड ने ताराकोट मार्ग से सांझी छत के बीच 12 किलोमीटर के मार्ग पर 250 करोड़ रुपए की लागत से यात्री रोपवे परियोजना को आगे बढ़ाने का फैसला किया था। यात्रा मार्ग के दुकानदार, पिट्ठू और पालकीवालों के साथ स्थानीय लोग इस परियोजना का विरोध कर रहे हैं। उन्हें इसे अपनी आजीविका पर कुठाराघात बताया है। परियोजना का विरोध कर रहे लोगों का दावा है कि रोपवे कटरा के बाजार को बायपास कर देगा, जिससे तीर्थयात्रियों के आवागमन पर निर्भर हजारों दुकानदारों पर असर पड़ेगा।

वन नेशन-वन इलेक्शन- जेपीसी में कांग्रेस और अन्य दलों के नामों की सिफारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार द्वारा वन नेशन-वन इलेक्शन के प्रस्ताव को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा गया है। अब जेपीसी का गठन लोकसभा स्पीकर को करना है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने समिति के लिए अपने-अपने सदस्यों के नाम फाइनल कर दिए हैं।

कांग्रेस ने जेपीसी में शामिल करने के लिए जिन नेताओं के नामों को फाइनल किया है, उनमें प्रियंका गांधी का नाम भी शामिल है। सूत्रों की मानें तों कांग्रेस ने जेपीसी के लिए चार नाम सुनिश्चित किए हैं, जिनमें मनीष तिवारी जो कि अनुभवी वकील और वरिष्ठ नेता हैं। दूसरा नाम प्रियंका गांधी का है जो पार्टी की महिला नेतृत्व का चेहरा हैं। तीसरे हैं सुखदेव भगत जो आदिवासी समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले नेता हैं और चौथे रणदीप सुरजेवाला का नाम हैं जो पार्टी के प्रमुख रणनीतिकार और वकील हैं।

ये चारों नेता वन नेशन-वन इलेक्शन पर कांग्रेस का पक्ष जेपीसी के मंच पर रखेंगे।

यदि अन्य दलों के संभावित सदस्यों की बात करें तो सूत्र बता रहे हैं कि डीएमके से पी. विल्सन (मशहूर वकील), टी. सेल्वागेथी हो सकते हैं, जबकि समाजवादी पार्टी से धर्मेंद्र यादव का नाम हो सकता है, जिन्होंने इससे पहले भी सपा का पक्ष रखा है। तृणमूल कांग्रेस से कल्याण बनर्जी, साकेत गोखले हो सकते हैं।

जेपीसी का गठन और कार्यप्रणाली

जेपीसी में राज्यसभा और लोकसभा के सदस्य शामिल होंगे। आमतौर पर लोकसभा के सदस्य राज्यसभा के मुकाबले दोगुने होते हैं। यह समिति प्रस्तावित बिल या मुद्दे की गहन समीक्षा कर रिपोर्ट तैयार करती है। जेपीसी की रिपोर्ट के आधार पर सरकार संशोधित बिल को संसद में पेश करती है।

वन नेशन-वन इलेक्शन की संवैधानिक चुनौती

यह प्रस्ताव एक संवैधानिक संशोधन की मांग करता है, जिसके लिए सरकार को संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता होगी। जेपीसी का गठन इस दिशा में आम सहमति बनाने और विपक्ष के विचारों को शामिल करने की कोशिश के तहत किया गया है।

आगे का रास्ता

जेपीसी की रिपोर्ट और चर्चा के बाद ही वन नेशन-वन इलेक्शन बिल को संसद में पेश किया जाएगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि विभिन्न राजनीतिक दल इस मुद्दे पर अपनी क्या राय रखते हैं और क्या सरकार विपक्ष के साथ सहमति बना पाती है।

पंजाब के इस्लामाबाद में जोरदार धमाका! बाल-बाल बची लोगों की जान

- खालिस्तानी आतंकी हैप्पी के करीबी गैंगस्टर ने ली हमले की जिम्मेदारी!

अमृतसर ।अमृतसर के थाना इस्लामाबाद में रात 3:15 पर एक जबरदस्त ब्लास्ट होने के बाद पुलिस ने तत्काल थाने के गेट बंद कर लिए। ब्लास्ट में कोई घायल नहीं हुआ है, लेकिन मौके पर तनाव महसूस किया जा रहा है। खालिस्तानी आतंकी हैप्पी पसिया के करीबी गैंगस्टर जीवन फौजी ने सोशल मीडिया पर अपनी जिम्मेदारी ली है और इस घटना के पीछे अपना नाम जोड़ रखा है। जीवन फौजी ने दावा किया है कि वह पंजाब पुलिस के अनुवाद के खिलाफ बदला चाहते हैं। पुलिस कमिश्नर ने एक वीडियो में बताया कि उन्होंने आवाज सुनी थी और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी ने भी चेतावनी जारी की है कि पंजाब में पुलिस थानों पर आतंकी हमलों की संभावना है। इस घटना के पीछे का सच सामने आने के लिए आगे की जांच जारी है। लोगों में घबराहट और खौफ बन रहा है जबकि सुरक्षा बारें में ज्यादा जानकारी की मांग की जा रही है। नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी एनआईए ए पहले ही पंजाब पुलिस को अलर्ट कर चुकी है जिसमें एनआईए द्वारा भेजी गई एक रिपोर्ट में साफ किया गया है कि पंजाब में पुलिस थानों पर आतंकी हमले की साजिश हो रही है और पुलिस को तर्क रहने की जरूरत है रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि खालिस्तानी आतंकी 1984 में इस्तेमाल किए गए डैड ड्रॉप मॉडल की तर्ज पर हमला करेंगे जिसे लेकर केंद्र की सुरक्षा जनसंख्या पूरी तरह से हाई अलर्ट पर है और पंजाब पुलिस को भी अलर्ट रहने की चेतावनी दी गई थी।

अमित शाह के बयान पर विवाद के बाद बोलीं मायावती-दलितों के लिए बस एक ही भगवान आंबेडकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ (ईएमएस)। गृह मंत्री अमित शाह के राज्यसभा में भीम राव आंबेडकर को लेकर दिए गए बयान पर अब राजनीति गर्मा गयी है। अब इस विवाद पर बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की भी प्रतिक्रिया दी है। पूर्व सीएम मायावती ने इस पूरे मामले को लेकर बीजेपी और कांग्रेस पर हमला बोला है। पूर्व सीएम मायावती ने एक्स पर लिखा-'कांग्रेस व बीजेपी एण्ड कम्पनी के लोगों को बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की आड़ में अपनी राजनैतिक रोटी सेंकने की बजाय, इनका पूरा आदर-सम्मान करना चाहिये। इन पार्टियों के लिए इनके जो भी भगवान हैं उनसे पार्टी को कोई ऐतराज नहीं है। लेकिन दलितों व अन्य उपेक्षितों के लिए एकमात्र इनके भगवान केवल बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर हैं, जिनकी वजह से ही इन वर्गों को जिस दिन संविधान में कानूनी अधिकार मिले हैं, तो उसी दिन इन वर्गों को सात जन्मों तक का स्वर्ग मिल गया था।'

बसपा सुप्रीमो ने आगे लिखा-'अतः कांग्रेस, बीजेपी आदि पार्टियों का दलित व अन्य उपेक्षितों के प्रति प्रेम विशुद्ध छलावा. इनसे इन वर्गों का सही हित व कल्याण असंभव. इनके कार्य दिखावटी ज्यादा, ठोस जनहितैषी कम. बहुजन समाज व इनके महान संतों, गुरुओं, महापुरुषों को समुचित आदर-सम्मान बीएसपी सरकार में ही मिल पाया।' गौरतलब है कि राज्यसभा में मंगलवार को गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा था कि अभी एक फैशन हो गया है अंबेडकर..अंबेडकर अंबेडकर कहना। इतना नाम भगवान का लेते तो सात जन्म तक स्वर्ग मिलता। अमित शाह के इस बयान पर विपक्ष बीजेपी पर निशाना साध रहा है और अमित शाह से माफी मांगने और इस्तीफे की मांग कर रहा है।

पांच गांवों में बाघों की दहशत, लोगों की नींद हुई हराम... वन विभाग दिन-रात जांच में जुटा

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के करीब घूम रहा बाघ बुधवार सुबह कटौली, जमालनगर, बनिया खेड़ा, लीला खेड़ा और लक्ष्मण खेड़ा गांवों में दिखाई दिया। इससे इन गांवों में दहशत का माहौल है। सूचना पर वन विभाग की टीम ने पगमार्क का निरीक्षण कर थर्मल ड्रोन कैमरे से काफी देर निगरानी की, लेकिन बाघ दिखाई नहीं दिया। इसके पहले एक बाग में नीलगाय के बच्चे का शिकार भी किया था। फिलहाल अफसरों का अनुमान है कि बाघ सीतापुर से जंगल के रास्ते लखनऊ में दाखिल हुआ है।

वन विभाग की टीम दोपहर में जमालनगर भी पहुंची और लोगों को जागरूक किया। जमालनगर गांव निवासी ने बताया कि सुबह करीब 7:30 बजे खेतों की तरफ बाघ आया नजर आया। वहीं डीएफओ सितांशु पांडे ने बताया कि काकोरी के गुरदीनखेड़ा, गोहरामऊ और करझन में बाघ के पगमार्क मिले थे। इस तरह केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान के 10 किमी के दायरे वाले गांवों में ही बाघ के पगमार्क मिले हैं। उस रेस्क्यू करने के लिए 12 ट्रैप कैमरे और दो पिंजरे लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि सभी पगमार्क 13×14 सेमी के हैं। इससे माना जा रहा है कि बाघ वयस्क है। उसकी उम्र तीन साल से अधिक है।

डीएफओ पांडेय ने बताया कि अभी बाघ को ट्रैप करने की कोशिशें जारी हैं। विभाग की टीमें दिन-रात निगरानी कर रही हैं। फिलहाल बाघ को पिंजरे में ट्रैप करने की कोशिश की जा रही है। ट्रैंकुलाइजर को आखिरी विकल्प के तौर पर रखा गया है। लखनऊ जू के पूर्व निदेशक आरके सिंह ने बताया कि आमतौर वयस्क होने के बाद बाघ को कुनबे से अलग किया जाता है। इसके बाद वे अपना नया इलाका बनाने के लिए निकलते हैं, लेकिन रास्ते की समझ न होने के कारण कई बार भटक जाते हैं। अमूमन सीतापुर, पीलीभीत और लखीमपुर से बाघ लखनऊ आते हैं। बाघ के लिए गोमती किनारे-किनारे लखनऊ आना भी आसान होता है। बाकी जिलों में रेस्क्यू किए गए बाघ आमतौर पर पीलीभीत के जंगल से भटके थे। बाघ का मूवमेंट रात में होता है। ये दिन में छिपकर रहते हैं और आसपास के इलाके में एडजस्ट कर लेते हैं। थोड़ा सा भी खतरा महसूस होने पर घंटों बिना आवाज किए छिपे रहते हैं। इनके पंजे गद्दीदार होते हैं। ऐसे में चलने पर आवाज भी नहीं होती। वहीं रहमानखेड़ा में दिखे बाघ ने अभी तक किसी मवेशी का शिकार नहीं किया है। वह जंगली जानवर का ही शिकार कर रहा है। नीलगाय मारकर खाने के बाद वह कई दिन आराम से छिपकर रह सकता है। इस कारण भी वह ट्रेस नहीं हो पा रहा। इंसानी बस्ती में बाघ के आदमखोर होने की आशंका ज्यादा रहती है, लेकिन हर बाघ के आदमखोर होने की बात सही नहीं है। विशेषज्ञों के मुताबिक, जिस बाघ में ज्यादा उम्र के कारण शिकार करने की ताकत नहीं होती या जो शारीरिक रूप से कमजोर या बीमार हो, वे आदमखोर बनते हैं।

बच्चों का रंग रूप बदलकर निःसंतान दंपत्ति को बेचने वाला गिरोह धराया

*** देश भर में मानव तस्करी से जुड़ा है ये गिरोह**

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है जो छोटे बच्चों को चुराकर और कृत्रिम रूप से उनका रंग-रूप बदलकर उन्हें जरूरतमन्दों को बेच देता था. मुंबई की माटुंगा पुलिस के जाँच में ये खुलासा हुआ है कि इस गिरोह ने तीन लड़कियों और दो लड़कों को 3.8 लाख रुपये में बेचा था. यह गिरोह बच्चों के रंग और चेहरे-मोहरे के आधार पर पैसे तय करता था। बाद में इन बच्चों को जरूरतमंदों को बेच दिया जाता था। बच्चों को अधिक सुंदर, गोरा और बड़ा दिखाने के लिए विभिन्न प्रकार के बेबी हार्मोन का उपयोग किया जाता था। पुलिस के मुताबिक गिरोह में नौ महिलाओं के साथ दस अन्य आरोपी शामिल हैं. नौ महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है. यह बात सामने आई है कि ये नौ महिलाएं और दस अन्य देश भर में मानव तस्करी से जुड़े हुए हैं. ये लोग मानव तस्करी गिरोह के लिए काम करते हैं. इसके अलावा यह गिरोह ऐसे लोगों को भी ढूंढता है जो निःसंतान हों। ऐसे लोग तलाश कर इन चुराए गए बच्चों को ऊंची कीमत पर बेच देते हैं. इसके अलावा, गिरोह पीड़ितों को वेश्यावृत्ति, भीख मांगने और अन्य शोषणकारी गतिविधियों के लिए मजबूर करता है। लड़कियों को समय से पहले बड़ा किया जाता है, हार्मोन के इंजेक्शन लगाए जाते हैं और फिर बेच दिया जाता है। अब इस पूरे मामले में पुलिस को इन आरोपियों से मानव तस्करी के शिकार लड़के, लड़कियों, किशोरों और कुछ वयस्कों की सूची मिली है और सूची के अनुसार जांच चल रही है. वहीं पुलिस ने कर्नाटक से अपहृत बच्चे को छुड़ा लिया है और 10 लोगों को हिरासत में लिया है. बताया गया है कि माटुंगा पुलिस को दादर के तिलक ब्रिज के नीचे फुटपाथ पर रहने वाली एक महिला की एक महीने की बेटी को 1 लाख रुपये में बेचा जा रहा है। जांच करने पर पुलिस को जानकारी मिली कि महिला के पति को पुलिस ने एक मामले में गिरफ्तार किया था. उसकी जमानत के लिए एक लाख रुपये की जरूरत थी. पैसे नहीं होने पर महिला ने अपनी बेटी को बेच दिया। इस जानकारी के आधार पर पुलिस को पता चला कि पूरे गिरोह का अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क है.

एमवीए की हार के बाद सपा का ऐलान, बीएमसी चुनाव अकेले लड़ेंगे

*** महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष अबू आजमी का दावा- अखिलेश से हो चुकी बात**

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अबू आजमी ने दावा किया कि बीएमसी चुनाव सपा अकेले ही लड़ेगी। महाविकास अघाड़ी से पूरी तरह से किनारा करने पर अबू आजमी ने कहा कि हम सेक्युलर लोग हैं। बाबरी मस्जिद को ध्वस्त किया गया, ऐसा करने वाले लोगों को कोर्ट अपराधी मानता है, वहीं कुछ लोग कहेंगे कि हम उनको बधाई देना चाहते हैं। यह संविधान के खिलाफ है और ऐसे लोगों के साथ समाजवादी पार्टी नहीं रह सकती है। उन्होंने कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से इस पर बात हो गई। बीएमसी का चुनाव सपा अकेली लड़ेगी।

महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र में उठ रहे मुद्दे को लेकर अबू आजमी ने कहा कि हमने बस ड्राइवरों का मुद्दा उठाया। कुर्ला में एक बस एक्सीडेंट में 8 की मौत हो गई और 43 लोग घायल हुए थे। पता चला कि ड्राइवर एक्सपर्ट नहीं था और उसकी ट्रेनिंग सही तरीके से नहीं हुई थी। वहीं मानखुर्द शिवाजी नगर में हुए एक एक्सीडेंट में एक व्यक्ति की मौत हो गई। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने दिखाया कि बस रोकर शराब खरीदी जा रही है। कई लोगों ने दिखाया कि बस की सीट के नीचे शराब की बोतल रखी है। ऐसे में यह लापरवाही है और लोगों की जान जा रही है। हमारी मांग है कि जो कंपनी ड्राइवर को ट्रेनिंग दे रही है, उसको ब्लैकलिस्ट किहया जाए और हत्या का मुकदमा चलाया जाए।

महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर एनसीपी के वरिष्ठ नेता शरद पवार की नाराजगी के सवाल पर अबू आजमी ने कहा कि अजित पवार महायुति का हिस्सा हैं। वह उपमुख्यमंत्री हैं, लेकिन कहीं दिख नहीं रहे हैं। मंत्रियों की नाराजगी को लेकर उन्होंने कहा कि यह फैसला मुख्यमंत्री का होता है। उन्हें अच्छे से पता होगा कि उनके लिया क्या बेहतर है। मेरा कहना है कि जो भी आएं, वह समाज के सभी लोगों के साथ इंसाफ करें, जैसी शपथ उन्होंने ली है।

निर्दलीय सांसद पप्पू यादव का आरोप, विभाजनकारी राजनीति करती है भाजपा

पटना (एजेंसी)। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने भाजपा पर मुद्दों के राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाकर कहा कि यह लोग कब्रिस्तान, शमशान, ईद, जिन्ना और पाकिस्तान जैसे मुद्दों को लेकर राजनीतिक लाभ अर्जित करने जुटे हैं।

उन्होंने कहा, देश में हर चुनाव के वक्त यह मुद्दे फिर से उठाए जाते हैं, ताकि लोगों के बीच नफरत फैला सके और एक विभाजन हो, ताकि वोट बैंक की राजनीति हो सके। उन्होंने कहा, आप देखिए, बीजेपी के नेता हरियाणा जाते हैं, तब जाट को, पंजाब जाते हैं, तब सिख को, महाराष्ट्र जाते हैं, तब मराठी को, यूपी और बिहार जाते हैं, तब यादव को, इन सभी को यह अपने हिसाब से ढालने

की कोशिश करते हैं। हर राज्य में अलग-अलग मुद्दे खड़े किए जाते हैं, ताकि हर जगह धर्म और जाति के नाम पर चुनावी फायदे की राजनीति हो। यह जो काम है, यह किसी भी देश या समाज में स्थिरता नहीं ला सकता है, बल्कि यह समाज को और अधिक विभाजित करता है।'

उन्होंने कहा, अगर आप अमेरिका, जर्मनी, जापान जैसे देशों में जाते हैं, तब वहां पर किसी भी धर्म पर विवाद नहीं होता। वहां विकास, शिक्षा, रोजगार पर चर्चा होती है। लेकिन, यहां पर हमारे नेताओं का ध्यान केवल धर्म, जाति और नफरत फैलाने पर है। उन्होंने कहा, जब बात आती है आरक्षण की, तब मैं यह कहना चाहता हूं कि जो 67 फीसदी आरक्षण की बात हो रही है, वह पूरी तरह से सही है। हम यह नहीं कह रहे कि मुसलमानों को आरक्षण चाहिए, बल्कि हम यह कह रहे हैं कि दलितों, आदिवासियों, और अन्य पिछड़े वर्गों के अधिकारों को सम्मान देना चाहिए।'

सांसद पप्पू यादव ने कहा कि किसानों का मुद्दा, बेरोजगारी का मुद्दा, यह सब छुपा दिया जाता है। चुनावी समय में सिर्फ इसतरह के मुद्दे उठाए जाते हैं जो समाज में घृणा फैलाते हैं। असल मुद्दों पर कभी बात नहीं होती। उन्होंने कहा, ÷चुनाव आयोग की भूमिका भी हमेशा संदिग्ध रही है। जब चुनाव आयोग को शक्ति देने की बात होती है, तब उसका दुरुपयोग हो सकता है।

9वीं क्लास के छात्रों का पसंदीदा विषय बना एआई, सीबीएसई स्कूलों में हो रहा बहुत लोकप्रिय

नई दिल्ली (एजेंसी)। आधुनिक एजुकेशन में एक बड़ा बदलाव दिख रहा है। अब 9वीं क्लास के छात्र आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) को एक लोकप्रिय और पसंदीदा विषय के रूप में अपना रहे हैं। मोदी सरकार ने एआई वर्चुअल रियालिटी (वीआर) और मिक्स्ड रियलिटी (एमआर) जैसी उभरती तकनीकों को स्किल इंडिया इकोसिस्टम में शामिल किया है, ताकि छात्रों को बेहतर करियर के मौके मिल सकें। ये नई तकनीकें अब छात्रों के कौशल को निखारने और भविष्य की चुनौतीपूर्ण दुनिया के लिए उन्हें तैयार करने में मदद कर रही हैं।

2019 में सीबीएसई ने अपने स्कूलों में एआई विषय की शुरुआत की थी और अब ये विषय स्कूलों में बेहद लोकप्रिय होता जा रहा है। शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 2024-25 सत्र में 4538 स्कूलों के 7,90,999 छात्रों ने 9वीं-10वीं में एआई को विकल्प के रूप में चुना है। इसके अलावा 944 स्कूलों के 50,343 छात्रों ने सीनियर सेकंडरी लेवल पर एआई को विषय के रूप में चुना है।स्कूलों में एआई और मशीन लर्निंग (एमएल) कोर्स की डिमांड बढ़ रही है। कई छात्र एआई और एमएल में स्पेशलाइजेशन के बाद बैचलर ऑफ साइंस (बीएससी) जैसे कोर्स कर रहे हैं। इसके अलावा एनसीईआरटी ने 11वीं क्लास की कंप्यूटर साइंस की किताबों में एआई और एमएल को शामिल किया है जिससे छात्रों को इन तकनीकों के बारे में गहरी समझ मिल रही है।

यूनिवर्सिटी स्तर पर उभरती तकनीकों का विकल्प

यूनिवर्सिटी स्तर पर भी एआई, एमएल, 3डी मशीनिंग, बिग डेटा एनालिसिस और ड्रोन टेक्नोलॉजी जैसे उभरते हुए कोर्सेज की बहुत डिमांड है। ये कोर्स छात्र को नई तकनीकों के बारे में ज्ञान प्रदान करते हैं और उन्हें आने वाले समय में रोजगार के अवसरों के लिए तैयार करते हैं। सीबीएसई से जुड़े करीब 30,373 स्कूलों में से 29,719 स्कूलों में आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार है जो 98 प्रतिशत स्कूलों के बराबर है। इसका मतलब है कि सीबीएसई के अधिकांश स्कूलों में छात्रों को एआई और एमएल जैसे तकनीकी विषयों को सीखने के लिए जरूरी उपकरण और संसाधन उपलब्ध हैं।

एआई और एमएल जैसे तकनीकी कोर्सेज की बढ़ती मांग के कारण इनकोर्सेज में छात्रों की रुचि लगातार बढ़ रही है। साथ ही एमआर (मिक्स्ड रियलिटी) एक उभरती हुई तकनीक है जो वीआर(वर्चुअल रियलिटी) और एआर (ऑगमेंटेड रियलिटी) का संयोजन करके एक नया अनुभव प्रदान करती है। इसमें वास्तविक दुनिया की जानकारी को डिजिटल जानकारी के साथ मिलाकर छात्रों को नई तकनीकी दुनिया का अनुभव कराया जाता है।